खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 03 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-182

डिजिटल इंडिया की 10 साल की उपलब्धियों पर पीएम मोदी ने कहा

डिजिटल इंडिया योजना नहीं, जनआंदोलन है...

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया की 10 साल की उपलब्धियों पर कहा कि पूरी दुनिया आज डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर ही नजर गड़ाए देख रही है। पीएम मोदी ने कहा, डिजिटल इंडिया एक जन-आंदोलन है। पिछले दस साल में यह अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि एक दशक में यह जन आंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं। डिजिटल इंडिया की 10 साल की नायाब उपलब्धियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही ब्लॉग लिखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था। जहां दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे या नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया। जहां दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया। जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिये पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है। यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना-एक ऐसा मिशन, जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ। वर्ष 2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन

डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है दुनिया

पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं। आज, इस प्रश्न का उत्तर डाटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन व निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

वर्ष 2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है। भारत का 5-जी रोलआउट विश्व में सबसे तेज रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक, जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुंच चुका है।

इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 अरब से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गई है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपए की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है, जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) आम आदमी को ▶10पर

बिहार में घर-घर जाकर चुनाव आयोग कर रहा वोटरों की जांच

यह एनआरसी नहीं बिहार में चुनाव की तैयारी है

नई दिल्ली/पटना, 02 जुलाई (एजेंसियां)।
इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले राष्ट्रीय चुनाव आयोग वोटर लिस्ट को ठीक करने का बड़ा काम कर रहा है जिसे विशेष गहन पुनरीक्षण कहा गया है। इस काम में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) यानी वो लोग जो हर गांव और मोहल्ले में वोटिंग का काम देखते हैं, घर-घर जाकर यह जांच रहे हैं कि वोटर लिस्ट में कौन-कौन का नाम सही है। मतलब जिन लोगों को वोट डालने का हक है, उनका नाम लिस्ट में रहे और जिनका नहीं होना चाहिए, जैसे कि जिनकी मृत्यु हो गई है या जो कहीं और चले गए हैं, उनका नाम हट जाए।

चुनाव आयोग का कहना है कि यह सब इसलिए हो रहा है ताकि वोटिंग में कोई गड़बड़ न हो। बिहार में अभी 7.89 करोड़ लोग वोटर हैं और इस जांच से ये सुनिश्चित होगा कि सिर्फ़ सही लोग ही वोट डालें। इसके लिए 1.5 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंट लगाए गए हैं, जो सभी पार्टियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हालांकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद), एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जैसी पार्टियां और तेजस्वी

अराजक पार्टियों और उनके गुर्गों की फूल रही सांस

मतदाता सूची के पारदर्शी होने की जनता को आस

यादव, असदुद्दीन ओवैसी, सागरिका घोष जैसे नेता इस काम को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि ये सब भाजपा और एनडीए की साजिश है, ताकि गरीब, दलित, पिछड़े और मुस्लिम लोगों को वोटर लिस्ट से हटाया जा सके। जबकि इन आरोपों का जमीनी वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं है। चुनाव आयोग ने 25 जून 2025 से जांच शुरू की है जो 26 जुलाई तक चलेगी। इसके बाद 30 सितंबर को नई और सही वोटर लिस्ट छपेगी। इस काम में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) हर घर में जा रहे हैं। उनके पास एक फॉर्म होता है, जो आधा भरा होता है। वो उस फॉर्म को लोगों को देते हैं और उनसे कुछ जानकारी मांगते हैं, जैसे कि नाम, पता और कुछ कागजात। ये कागजात इसलिए चाहिए ताकि ये पक्का हो सके कि वो व्यक्ति वोट डालने का हकदार है। अगर आपका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में है (जब बिहार में आखिरी बार ऐसा बड़ा काम हुआ था), तो आपको बस अपनी जानकारी की पुष्टि करनी है। अगर आपके मम्मी-पापा का नाम उस लिस्ट में है, तो आपको कोई अतिरिक्त कागज देने की जरूरत नहीं। लेकिन अगर आपका या आपके मम्मी-पापा का नाम उस पुरानी लिस्ट में नहीं है, तो आपको कुछ कागज, जैसे जन्म प्रमाणपत्र या दूसरा कोई दस्तावेज़ देना पड़ सकता है। ▶10पर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा जहां रहें, वहीं के वोटर बनें

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पात्र नागरिकों को केवल उन्हीं निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता के तौर पर अपना पंजीकरण कराना चाहिए, जहां वे सामान्य तौर पर निवास करते हैं, न कि उस स्थान पर जहां उनका मूल निवास है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बूथ स्तर के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, आप जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत केवल उसी विधानसभा क्षेत्र में वोट देने के हकदार हैं, जहां आप सामान्य निवासी हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए आप सामान्य रूप से दिल्ली में रहते हैं लेकिन पटना में आपका घर है तो आपका वोट पटना में नहीं बल्कि दिल्ली में पंजीकृत होना चाहिए। सीईसी ने यह बात ऐसे समय में कही है, जब विपक्ष की तरफ से लगातार ऐसी आशंकाएं जताई जा रही हैं कि बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा के दौरान तमाम पात्र मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं। आयोग का कहना है कि बिहार में जारी गहन समीक्षा अभियान का उद्देश्य ऐसे तमाम लोगों की पहचान करना है, जिन्होंने जानबूझकर या अनजाने में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता कार्ड अपने ▶10पर

ब्रिटिश कानून खत्म कर बने नए कानून का एक साल पूरा

नए कानूनों का लक्ष्य न्याय देना है : अमित शाह

न्याय प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाएंगे नए कानून

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नए आपराधिक कानूनों के सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए तीनों नए आपराधिक कानून न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुसंगत और पारदर्शी बनाएंगे। अमित शाह नई दिल्ली में आयोजित न्याय प्रणाली में विश्वास का स्वर्णिम वर्ष पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय से युक्त शासन का एक स्वर्णिम कालखंड शुरू होने वाला है। जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाली न्याय प्रणाली को पारदर्शी, लोकोपयोगी और समयबद्ध बनाने से बड़ा रिफॉर्म कोई नहीं हो सकता

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, नए कानून के तहत होने वाली एफआईआर पर तुरंत न्याय मिलेगा। समय पर न्याय मिले इसलिए हमने पुलिस, अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) और न्यायपालिका को समय-सीमा से बांधा है। 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ई-साक्ष्य और ई-समन, 6 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में न्याय श्रुति और 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में सामुदायिक सेवा की अधिसूचना जारी कर दी गई है। पिछले एक साल में लगभग 14 लाख 80 हजार पुलिसकर्मियों, 42 हजार जेलकर्मियों, 19 हजार से अधिक न्यायिक अधिकारियों और 11 हजार से अधिक पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का प्रशिक्षण हुआ है

अमित शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में हमारा क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम एक नए युग में प्रवेश करेगा और इससे से लोगों के मन में निश्चित रूप तुरंत न्याय मिलने का विश्वास पैदा होगा। उन्होंने कहा कि नए कानूनों से एफआईआर करेंगे तो क्या होगा की जगह एफआईआर से तुरंत न्याय मिलेगा का विश्वास बढ़ेगा। नए आपराधिक कानून आने वाले दिनों में भारतीय क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आमूलचूल रूप से बदल देंगे। उन्होंने कहा कि पहले हमारी न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी समस्या यह थी कि किसी को नहीं पता था कि न्याय कब मिलेगा। गृह मंत्री ने कहा कि लगभग 3 साल में इन कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद देशभर में किसी भी एफआईआर में सुप्रीम कोर्ट तक न्याय मिलेगा। शाह ने कहा कि नए कानूनों में 90 दिनों में जांच पूरी करने, चार्जशीट दाखिल करने, चार्ज फ्रेम करने और जजमेंट देने का समय भी तय किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नए कानूनों में तकनीक के आधार पर कई ऐसे प्रावधान भी किए गए हैं जिनके अमल में आने के बाद शंकाओं के आधार पर अपराध कर बच निकलने वाले लोगों के लिए कोई संभावना नहीं छोड़ी गई है। उन्होंने कहा कि नई आपराधिक प्रणाली लागू होने के बाद हमारे देश की दोष सिद्धि दर बहुत आगे पहुंच जाएगी और गुनाहगार को निश्चित रूप से सजा मिलेगी। शाह ने कहा कि तीनों नए कानूनों पर पूर्ण अमल के बाद तकनीक के उपयोग के साथ हमारी न्याय प्रणाली विश्व की सबसे आधुनिक न्याय प्रणाली होगी।

▶10पर

क्वाड देशों की बैठक में उठी एकजुट मांग

पहलगाम के गुनाहगारों को मिले कड़ी सजा

वाशिंगटन, 02 जुलाई (एजेंसियां)।
क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बिना शर्ता एकजुट होने की अपील की। उन्होंने इस निंदनीय कृत्य के दोषियों, साजिशकर्ताओं और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

क्वाड देशों यानी अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को एक संयुक्त बयान में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की। ▶10पर

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ स्टील्थ फ्रिगेट का सातवां बेड़ा

युद्ध में कमाल करेगा आईएनएस तमाल

लेनिनग्राद (रूस), 02 जुलाई (एजेंसियां)।
रूस के लेनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में आईएनएस तमाल (एफ 71) को पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह की मौजूदगी में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन, रूसी संघ नौसेना के बाल्टिक बेड़े के कमांडर वाइस एडमिरल सर्जी लिपिन और भारतीय एवं रूसी सरकारों, नौसेनाओं और उद्योगों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आईएनएस तमाल परियोजना 1135.6 की श्रृंखला में आठवां बहु-भूमिका वाला स्टील्थ फ्रिगेट है तथा तुशील श्रेणी के अतिरिक्त अनुवर्ती जहाजों में से दूसरा है। तुशील श्रेणी का पहला जहाज (आईएनएस तुशील) 09 दिसंबर 24 को माननीय रक्षा मंत्री की उपस्थिति में शामिल किया गया। अब तक शामिल किए गए सभी सात जहाज पश्चिमी नौसेना कमान के तहत भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े - द स्वॉर्ड आर्म का हिस्सा हैं। यह समारोह भारतीय नौसेना में आईएनएस तमाल के औपचारिक रूप से शामिल होने का प्रतीक है। जहाज की कमान कैप्टन श्रीधर टाटा के पास है, जो एक तोपखाना और मिसाइल युद्ध विशेषज्ञ हैं।

रूस से जल्दी ही भारत के लिए रवाना हो जाएगा तमाल

समारोह की शुरुआत जहाज के चालक दल और रूस के बाल्टिक नौसैनिक बेड़े के कर्मियों के एक प्रभावशाली संयुक्त गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। समारोह की शुरुआत यूनाइटेड शिपबिल्डिंग कॉर्पोरेशन के महानिदेशक श्री एंड्री सर्गेयेविच पुचकोव ने की। रूसी संघ के सैन्य तकनीकी सहयोग के संघीय सेवा के उप महानिदेशक श्री मिखाइलव बेबिच ने अपने ▶10पर

पीएम पांच देशों की यात्रा पर रवाना हुए

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पांच देशों की यात्रा पर रवाना हो गए। वह दो से नौ जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान छह और सात जुलाई को ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों से भारत के संबंधों को नया आयाम मिलने की उम्मीद है। पीएम मोदी की यात्रा का अंतिम पड़ाव नामीबिया होगा, जिसे उन्होंने एक भरोसेमंद साझेदार बताया। पीएम मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात और हमारे लोगों, हमारे क्षेत्रों और व्यापक ग्लोबल साउथ ▶10पर

नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर जाकर पहले हफ्ते करीब साढ़े पांच सौ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

काठमांडू, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू होने के पहले सप्ताह में ही करीब साढ़े पांच सौ भारतीय श्रद्धालु पवित्र कैलाश मानसरोवर का दर्शन करके वापस आ चुके हैं। पांच 5 सालों बाद यह यात्रा शुरू होने के कारण भारतीय श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

चीन प्रशासन की ओर से इस वर्ष जुलाई से अक्टूबर तक के महीने के लिए करीब 25 हजार भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर आने की अनुमति दी गई है। कोरोना महामारी के बाद चीन सरकार ने नेपाल–चीन की सीमा से कैलाश मानसरोवर की यात्रा की अनुमति दी है।भारतीय श्रद्धालुओं के लिए हिलसा सीमकोट के रास्ते कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से शुरु हुई है। 5 सालों के बाद यह यात्रा सुचारू होने के कारण भारतीय श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

नेपाल के पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक हिलसा नाका होते हुए नेपाल के सिमकोट विमानस्थल से कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वालों की संख्या 546 हो गई है। पिछले हफ्ते से शुरू हुई इस धार्मिक यात्रा में अब तक 248 महिला एवं 298 पुरुष यानी कुल 546 भारतीय श्रद्धालुओं कैलाश मानसरोवर के दर्शन कर चुके हैं। नेपाल की विभिन्न घरेलू विमान कंपनियां नेपालगंज से सिमकोट होते हुए हिल्सा पहुंचने तक के लिए मौसम के अनुकूल होने पर दिन भर में एक दर्जन से अधिक विमानों का संचालन कर रही हैं।

इसके अलावा हेलीकॉप्टर के माध्यम से करीब 289 लोग कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए हैं। इसी तरह सैकड़ों की संख्या में भारतीय श्रद्धालु सड़क मार्ग से भी कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जा रहे हैं। एक जुलाई को ही नेपालगंज से सिमकोट जाने वाले विमान के माध्यम से करीब 103 भारतीय श्रद्धालु कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए हैं। इस समय नेपाल की समिट एयर, सीता एयर तथा तारा एयर कंपनियां नेपालगंज से सिमकोट तक विमान का संचालन कर रही हैं। सिमकोट विमानस्थल से हिलसा तक जाने के लिए इस समय कैलाश हेली सेवा, माउंटेन हेली तथा प्रभु एयरलाइंस के हेलीकॉप्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में पांच अगस्त के गोलीकांड पर आरोप पत्र दाखिल

ढाका। अभियोजन पक्ष ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) –2 के समक्ष छह प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के मामले में औपचारिक आरोप पत्र दाखिल किया। पिछले वर्ष 05 अगस्त को अशुलिया में इनमें से पांच प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करने के बाद उन्हें फूंक दिया गया था। गोली लगने से घायल छठे व्यक्ति को भी आग के हवाले कर दिया गया था। खबर के अनुसार, आईसीटी की जांच टीम ने इस घटना में पूर्व अवामी लीग नेता और पूर्व विधायक मोहम्मद सैफुल इस्लाम, पूर्व पुलिस अधीक्षक (एसपी) अब्दुल्ला हिल काफी और सावर सर्किल के पूर्व अतिरिक्त एसपी शाहिदुल इस्लाम सहित 16 लोगों की संलिप्तता पाई। अभियोजन पक्ष ने इससे पहले 19 जून को न्यायाधिकरण के समक्ष पेश जांच रिपोर्ट में आठ आरोपितों की पहचान बताई थी। अभियोजन पक्ष ने कहा था पहचाने गए आरोपितों में अशुलिया पुलिस स्टेशन के पूर्व प्रभारी अधिकारी एएफएम सईद (रोनी), पूर्व इंस्पेक्टर मोहम्मद अराफात हुसैन, पूर्व एसआई अब्दुल मालेक, अराफात उद्दीन, शेख अबजलुल हक, बिश्वजीत साहा, कमरुल हसन और पूर्व कांस्टेबल मुकुल चोकदर हैं। जांच अधिकारियों ने कहा कि 6 आरोपितों में से आठ काफी, शाहिदुल, अराफात हुसैन, मालेक, अराफात उद्दीन, अबजालुल, बिश्वजीत, कमरुल और मुकुल हिरासत में हैं। घटना के दौरान मारे गए लोगों में सज्जाद हुसैन (सजल), अस सबूर, तंजील महमूद सुजॉय, बायजिद बोस्तामी, अबुल हुसैन और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री की मॉरीशस यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को मिली नई गति

पोर्ट लुई। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 01 जुलाई 2025 को मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा की। यह विदेश सचिव के रूप में उनकी मॉरीशस की दूसरी यात्रा रही, जिसने भारत–मॉरीशस के विशेष रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह यात्रा 24 जून को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम के बीच हुई टेलीफोनिक बातचीत के बाद हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों की समीक्षा की और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव मिस्री ने मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, प्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम, उपप्रधानमंत्री पॉल बेरेन्जर और विदेश मंत्री धनंजय रामफुल से मुलाकात की। इन बैठकों में आपसी हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई। प्रधानमंत्री रामगुलाम से भेंट के दौरान विदेश सचिव ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से भारत आने का औपचारिक निमंत्रण दोहराया। उन्होंने भारत और मॉरीशस के बीच पारंपरिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक संबंधों को आगे बढ़ाने हेतु मार्गदर्शन मांगा तथा भारत की ओर से मॉरीशस के विकास और समृद्धि में सहयोग का भरोसा दिलाया।

ट्रंप ने कहा-इजराइल ने गाजा युद्ध विराम की शर्तों पर सहमति जताई, नेतन्याहू ने कोई टिप्पणी नहीं की

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इजराइल ने गाजा युद्ध विराम की शर्तों पर सहमति जताई है। उसने हमास के साथ युद्ध में दो महीने के युद्ध विराम के प्रस्ताव पर अपनी सहमति प्रदान कर दी है। खबर के अनुसार, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इजराइल ने 60 दिन के युद्ध विराम को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक शर्तों पर सहमति व्यक्त की है। इस अवधि में हम सब युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि मध्य पूर्व की भलाई के लिए हमास भी इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा। चैनल के अनुसार, ट्रंप ने प्रस्तावित प्रस्ताव का कोई विवरण नहीं दिया। साथ ही अभी तक न तो इजराइल और न ही हमास ने इस पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमास के साथ पूर्व की बातचीत में मध्यस्थता कर चुके कतर और मिस्र यह यह अंतिम प्रस्ताव पेश करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह अगले सोमवार को वाशिंगटन में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिलने वाले हैं। इस दौरान गाजा और ईरान के मसले पर चर्चा होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को छह माह के कारावास की सजा

ढाका, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण–1 (आईसीटी–1) ने न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने वाली टिप्पणी को लेकर अदालत की अवमानना के लिए छह महीने के कारावास की सजा सुनाई। जस्टिस मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने हसीना से संबंधित एक लीक फोन बातचीत की समीक्षा के बाद यह आदेश पारित किया।

आईसीटी–1 के आदेश संबंधी खबर के अनुसार, यह बातचीत पिछले साल सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई थी। इसे मुख्यधारा के कई मीडिया ग्रुप ने छापा या प्रसारित किया था। ऑडियो क्लिप में हसीना कथित तौर पर गोविंदगंज उपजिला के पूर्व अध्यक्ष शकील अकांदा बुलबुल से कहती सुनाई दे रही हैं, मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज हैं, इसलिए मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण–1 ने इस बयान को अपमानजनक और अदालत को कमजोर करने का सीधा प्रयास माना है। बुलबुल को बातचीत में उसकी भूमिका के लिए दो महीने की जेल की सजा सुनाई गई। आईसीटी–1 के सूत्रों के अनुसार, यह सजा तभी प्रभावी होगी जब दोषी अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगे या कानून प्रवर्तन अधिकारी उन्हें गिरफ्तार करेंगे।

आईसीटी के मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने इस मामले को 30 अप्रैल को न्यायाधिकरण के समक्ष उठाया था। उन्होंने इस बातचीत को पिछले साल जुलाई में हुए सामूहिक विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से संबंधित चल रहे मुकदमों में पीड़ितों और गवाहों को डराने का प्रयास बताया था। ताजुल का कहना था कि अगर इस तरह की टिप्पणियों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इससे कानूनी कार्यवाही में बाधा आ सकती है। ताजुल ने न्यायाधिकरण को बताया कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने फॉरेंसिक विश्लेषण किया है। इसमें पुष्टि हुई है कि ऑडियो में आवाज हसीना की ही है। न्यायाधिकरण ने 30 अप्रैल को ही हसीना और बुलबुल को 25 मई तक लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। इनमें से कोई भी 25 मई को अदालत में पेश नहीं हुआ और न ही तय तिथि पर कोई बयान दिया गया।

प्रधानमंत्री शहबाज के मानहानि केस का सामना कर रहे इमरान खान पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मानहानिक केस का सामना कर रहे और लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने मामले की सुनवाई करने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है। पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, याचिका में पीटीआई संस्थापक ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि जब तक उनकी अपील पर कोई फैसला नहीं आ जाता, तब तक मानहानि मामले में कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। उनका तर्क है कि कानून के तहत केवल जिला और सत्र न्यायालय को ही ऐसे मानहानि के मामलों की सुनवाई करने का अधिकार है। याचिका में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के अधिकार क्षेत्र को भी चुनौती दी गई है, जिनके फैसले को पहले लाहौर हाई कोर्ट ने बरकरार रखा था। खान की कानूनी टीम ने सुप्रीम कोर्ट से अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और लाहौर हाई कोर्ट दोनों के आदेशों को रद्द करने की मांग की है। इसके अलावा, याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अपील पर निर्णय होने तक मामले में आगे की कार्यवाही को रोकने का आग्रह किया गया है। साल 2017 में शहबाज शरीफ ने तत्कालीन विपक्षी नेता इमरान खान के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। खान पर प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देने का आरोप लगाया गया था।

खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर में विस्फोट, सहायक आयुक्त समेत पांच की मौत

इस्लामाबाद, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांतों में शुमार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में विस्फोट में चार सरकारी अफसर समेत पांच लोगों की जान चली गई। मारे गए अधिकारियों में सहायक आयुक्त भी शामिल हैं। यह विस्फोट केपी के बाजौर जिले के खार तहसील के सिद्दीकाबाद रेलवे क्षेत्र में नवागई रोड पर सरकारी कार में हुआ।

खबर के अनुसार इस विस्फोट में 11 अन्य लोग घायल हो गए। अभी तक इस वाकये की किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। हमलावरों ने सरकारी कार में बम फेंका। यह अधिकारी इसी कार में सवार थे। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कार के परखच्चे उड़ गए और सवाल लोगों के शरीर के हिस्से आसपास दूर तक बिखर गए। बाजौर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वकास रफीक ने बताया कि मृतकों में दो पुलिसकर्मी और एक नागरिक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विस्फोट इतना तीव्र था कि निशाना बनाया गया वाहन पूरी तरह नष्ट हो गया। विस्फोट में 11 घायलों को तुरंत खार अस्पताल ले जाया गया। रफीक ने बताया कि इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मृतकों में नवागई के सहायक आयुक्त फैसल इस्माइल, तहसीलदार अब्दुल वकील, सूबेदार नूर हकीम और पुलिस कांस्टेबल राशिद शामिल हैं। प्रांत के स्वास्थ्य सलाहकार इहतिशाम अली ने विस्फोट की कड़ी निंदा करते हुए सहायक आयुक्त और अन्य की मौत पर दुख जताया। केपी सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर मोहम्मद अली सैफ ने भी घटना की कड़ी निंदा की है। सैफ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना की जांच कराने की घोषणा की है।

मादक पदार्थों को जलाकर नष्ट करता पुलिसकर्मी

यमन में अवैध मादक पदार्थों को जलाकर नष्ट किये जाने के दौरान वहां सुरक्षा व्यवस्था संभालता एक पुलिसकर्मी।

सीबीएस न्यूज ट्रंप से नहीं मांगेगा माफी 16 मिलियन डॉलर देने को तैयार

वाशिंगटन, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका का चर्चित चैनल सीबीएस न्यूज एक रिपोर्ट पर दायर मुकदमे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से न तो माफी मांगेगा और न ही खेद जताएगा। वह इसके लिए भारी भरकम रकम 16 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगा। सीबीएस न्यूज की पैरेंट कंपनी पैरामाउंट ग्लोबल की इसके लिए आलोचना भी हो रही है।

खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल शरद ऋतु में सीबीएस न्यूज के 60 मिनट्स समाचार रिपोर्ट पर पैरामाउंट ग्लोबल के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। पैरामाउंट ग्लोबल ने कानूनी रूप से मुकदमे को हल करने के लिए 16 मिलियन डॉलर का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। पैरामाउंट ने स्पष्ट किया, समझौते में माफी या खेद का बयान शामिल नहीं है। पैरामाउंट ग्लोबल ने घोषणा की है, भविष्य में, 60 मिनट जैसे साक्षात्कारों के प्रसारण के बाद पात्र अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के साक्षात्कारों की प्रतिलिपियां जारी करेगा, जो कानूनी या राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के लिए आवश्यक संशोधनों के अधीन होंगे। पैरामाउंट ग्लोबल के इस फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि ट्रंप का मुकदमा बहुत कमजोर था। सीबीएस के पास अदालत में मामला लड़ने और जीतने के लिए ठोस आधार था। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कॉर्पोरेट प्राथमिकताओं ने पत्रकारिता के सिद्धांतों को पीछे छोड़ दिया है। पैरामाउंट महीनों से स्काईडांस मीडिया के साथ महत्वपूर्ण विलय को पूरा करने की कोशिश कर रहा है। इस विलय के लिए ट्रंप प्रशासन से मंजूरी की आवश्यकता होगी। ऐसा इसलिए कि सीबीएस के पास स्थानीय स्टेशन हैं। इसे सरकार ने लाइसेंस प्रदान किया है। पैरामाउंट ने मंगलवार रात कहा, यह मुकदमा स्काईडांस लेनदेन और एफसीसी अनुमोदन प्रक्रिया से पूरी तरह से अलग है। हम अपने मामले का बचाव करने के लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करेंगे। एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कैर ने जोर देकर कहा है कि उनकी विलय समीक्षा प्रक्रिया अलग है। प्रेस स्वतंत्रता फाउंडेशन ने पिछले सप्ताह कहा था, हर कोई जानता है कि यह मामला कानूनी रूप से बहुत कमजोर है।

राष्ट्रपति पेजेशकियन की घोषणा- ईरान नहीं करेगा अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को सहयोग

तेहरान, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका और इजराइल से दो–दो हाथ कर चुके ईरान के तेवर और कड़े हो गए हैं। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की घोषणा से यही संकेत उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेहरान फिलहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ सहयोग को स्थगित कर रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका की बमबारी के बाद बंद हुए ईरान–इजराइल सैन्य संघर्ष के बाद ऐसी घोषणा की उम्मीद डोनाल्ड ट्रंप को भी नहीं रही होगी।

ईरान सरकार के इस्लामिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की न्यूज एजेंसी मेहर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की घोषणा की पुष्टि की है। मेहर की खबर के अनुसार, पेजेशकियन ने आईएईए के साथ तेहरान के सहयोग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ईरान ने इस बीच अपने फोर्डो संवर्धन संयंत्र में एक नई परमाणु सुविधा और सेंट्रीफ्यूज को उन्नत स्तर पर अपग्रेड करने की घोषणा की है।

इससे पहले 25 जून को ईरान की संसद (मजलिस) ने इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रस्ताव के बाद अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ तेहरान के सहयोग को निलंबित करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दी थी। संसद के पीठासीन बोर्ड के सदस्य अलीरेजा सलीमी ने कहा कि आईएईए के साथ सहयोग को निलंबित करने के विधेयक के सामान्य और विशिष्ट प्रावधानों को सांसदों नेअनुमोदित किया है।

संसद के प्रस्ताव के अनुसार आईएईए निरीक्षकों को ईरान में तब तक प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि देश की परमाणु सुविधाओं और शांतिपूर्ण परमाणु गतिविधियों की सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जाती है। प्रवेश के लिए ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की मंजूरी जरूरी होगी।

मेहर के अनुसार ईरान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी प्रमुख राफेल ग्रॉसी पर भी प्रवेश प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। ईरान ने इजराइल और अमेरिकी आक्रमण के समय दिए गए ग्रॉसी के बयानों को गंभीरता से लिया है। ईरान एजेंसी के पिछले दिनों तेहरान के खिलाफ पारित प्रस्ताव से भी काफी खफा है। वरिष्ठ सांसद कोवसारी ने पिछले सप्ताह सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से ग्रॉसी पर प्रवेश प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। उल्लेखनीय है कि इजराइल के साथ सैन्य टकराव में ईरान का नेतृत्व ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका से बेहद नाराज है।

बम-बम भोले के नारों के साथ अमरनाथ यात्रा शुरू

जम्मू, 02 जुलाई (ब्यूरो)। बम-बम भोले के नारों के बीच वार्षिक अमरनाथ यात्रा की आज शुरूआत हो गई। जम्मू बेस कैंप से कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था बुधवार तड़के रवाना कर दिया गया। जम्मू से उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पहले जत्थे में 4 हजार के करीब यात्रियों को बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया है, वहीं सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। जब कल बाबा की पवित्र गुफा के दर्शनों के लिए यात्रियों को बेस कैंपों से रवाना किया जाएगा। यात्रा में शामिल होने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखलाने के बाद जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि इस साल की यात्रा के लिए पूरी सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर सुविधाओं के साथ 4000 से अधिक तीर्थयात्री जम्मू से श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा की ओर रवाना हो चुके हैं।

तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना करने के बाद एलजी मनोज सिन्हा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भगवान शिव की पवित्र तीर्थ यात्रा के लिए 4000 से अधिक तीर्थयात्री रवाना हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था की है। जम्मू कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने पूरे मार्ग पर कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले तीर्थयात्रियों में जबरदस्त उत्साह है। एलजी सिन्हा ने कहा कि भगवान शिव के भक्तों ने हाल ही में आतंकी खतरों को नजरअंदाज किया है और बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उनका

उत्साह अभी भी कायम है। उन्होंने आगे उम्मीद जताई कि इस साल की यात्रा पिछले सालों की तुलना में और भी बेहतर और सुचारू होगी। उन्होंने तीर्थयात्रा व्यवस्थाओं में शामिल सभी विभागों के बीच समन्वय की प्रशंसा की।

अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जम्मू सेक्टर के सीआरपीएफ आईजी ने बताया कि सभी तरह की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हम नई तकनीक और गाड़ियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही, पिछले साल की तुलना में इस बार इस काम में लोगों को भी बढ़ाया गया है।उन्होंने कहा कि यात्रा की सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद प्रबंध किए गए हैं और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। कठुआ जिले में लखनपुर आने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों की कड़ी जांच के अलावा शहर के कई अन्य हिस्सों में भी गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन इस वर्ष चिकित्सकीय सुविधा पर ज्यादा ध्यान दे रहा है, क्योंकि पिछले वर्ष स्वास्थ्य कारणों से 100 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि पंजीकरण या चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के बगैर किसी को भी यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। तीर्थयात्रियों का आगे बढ़ना मौसम की स्थितियों पर निर्भर करेगा। अमरनाथ यात्रा के लिए 3.20 लाख तीर्थयात्री अब तक पंजीकरण करा चुके हैं। करंट पंजीकरण भी चालू कर दिया गया है। मौसम के अनिश्चित हालात के बावजूद हर आयुवर्ग के तीर्थयात्रियों में काफी उत्साह है।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना होने के वक्त श्रद्धालुओं ने कहा कि वे काफी खुश हैं। उन्हें किसी बात का कोई डर नहीं है। सभी सुरक्षा व्यवस्था बेहतर है। हर साल सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जाती है। मोहाली की रूपा गांगुली ने कहा कि मैं पहली बार इस तीर्थयात्रा पर जा रही हूं। मैं बहुत रोमांचित हूं। हमने सुना है कि गुफा और गुफा मार्ग अभी भी बर्फ से ढके हैं। यह बहुत ही रोचक होगा। गुजरात के जतिंदर सोलंकी ने कहा कि मैं पांचवी बार इस तीर्थयात्रा के लिए आया हूं। श्रद्धा और कश्मीर घाटी में शांति के कारण प्रत्येक वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तीर्थयात्रा 9 अगस्त तक जारी रहेगी। समुद्र के सतह से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा के लिए दो मार्ग हैं। एक मार्ग श्रीनगर से लगभग 100 किलोमीटर दूर पहलगाम से है, और दूसरा श्रीनगर से 110 किलोमीटर दूर बालटाल से है। पहलगाम से गुफा का मार्ग पारम्परिक है और यह 45 किलोमीटर लम्बा है, लेकिन इन दिनों तीर्थयात्री बालटाल से जाने वाले मार्ग को वरीयता देते हैं, क्योंकि यह काफी छोटा है।

अमरनाथ गुफा में पवित्र बर्फ का हिमलिंग मौजूद होता है, जो स्वाभाविक रूप से निर्मित होता है। तीर्थयात्रियों के लिए यह मुख्य आकर्षण होता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ ने अपनी 350 टुकड़ियां तैनात की हैं। इनमें 52 टुकड़ियां जम्मू क्षेत्र में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा संभालेंगी जबकि बाकी टुकड़ियां घाटी में यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात की गयी हैं। कुल मिला कर बीएसएफ, कश्मीर पुलिस, सेना और केरिपुब के दो लाख जवानों को तैनात किया गया है।

असम में गोमांस पर सबसे बड़ी कार्रवाई, अब तक 133 गिरफ्तार

गुवाहाटी, 02 जुलाई (एजेंसियां)। असम में गोमांस पर प्रतिबंध संबंधी कानून लागू होने के बाद पिछले दिनों की गई बड़ी कार्रवाई में पुलिस ने 133 लोगों को हिरासत में लिया और एक टन से अधिक गोमांस जब्त किया है। यह कार्रवाई असम गोसंरक्षण अधिनियम 2021 के तहत राज्यभर में चलाए गए विशेष अभियान का हिस्सा थी।

पुलिस के इस अभियान का उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध पशुवध और अनधिकृत गोमांस बिक्री पर रोक लगाना है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि होटल और रेस्टोरेंट में नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिलने के बाद छापेमारी की गई और वहां से गोमांस बरामद किया गया। पुलिस ने राज्यभर में 112 प्रतिष्ठानों पर छापे मारे और अवैध व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों को हिरासत में लिया। जब्त मांस के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए, जहां से पुष्टि हुई कि वह गोमांस ही है। पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने कई होटलों, रेस्तरां और अन्य परिसरों में जांच की। राज्यभर के थानों में इससे संबंधित कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

पुलिस के अनुसार अभियान अभी भी जारी है। विभाग की ओर से सभी व्यावसायिक खाद्य प्रतिष्ठानों को सख्त चेतावनी दी गयी है कि वे कानून का पालन करें।

दोबारा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि असम गोसंरक्षण अधिनियम, 2021 के तहत हिंदू, जैन और सिख बहुल इलाकों तथा मंदिरों और वैष्णव सत्रों के पांच किलोमीटर के दायरे में गोमांस की बिक्री और वध पर रोक है। हालांकि, राज्य में गोमांस सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है।

हाईकोर्ट पहुंचा सरकारी स्कूलों के विलय का मामला

फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई आज

बसपा नेता मायावती ने भी विलय पर जताया विरोध

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में सरकारी स्कूलों के विलय का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 3 जुलाई की तारीख तय की है। उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर (विलय) आदेश को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में चुनौती दी गई है। याचिकाओं पर 3 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। पहली याचिका, सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों ने दाखिल की है। जबकि, इसी मामले में एक अन्य याचिका भी दाखिल हुई है। उधर, बसपा प्रमुख मायावती ने भी स्कूलों के विलय पर कड़ा विरोध जताया है।

याचिका में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बीती 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया है जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया है। याचियों ने इसे मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाला कहा है साथ ही मर्जर से छोटे बच्चों के स्कूलों से दूर हो जाने की परेशानियों का मुद्दा भी उठाया गया है। याचिकाओं में प्राथमिक स्कूलों की चल रही मर्जर की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की भी गुजारिश की गई है। सुनवाई के समय राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थाई अधिवक्ता (सीएससी) शैलेंद्र कुमार सिंह पेश हुए। जबकि, याचियों की ओर से अधिवक्ता डॉ. एल पी मिश्र और गौरव मेहरोत्रा पेश हुए। कोर्ट ने मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को करने का आदेश दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकारी स्कूलों के विलय का विरोध करते हुए इसे गरीब विरोधी फैसला करार दिया है। उन्होंने सरकार से इसे वापस लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले को वापस लेना चाहिए और अगर नहीं लेती है तो बसपा की सरकार आने पर इस फैसले को निरस्त किया जाएगा। मायावती ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के युग्मन/एकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने वाला जो फैसला लिया गया है, वह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर यह अनुचित, गैर-जरूरी एवं गरीब-विरोधी प्रतीत होता है।

मायावती ने कहा, सरकार से अपील है कि वह अपना युग्मन/एकीकरण का यह फैसला गरीब छात्र-छात्राओं के व्यापक हित में तुरन्त वापस ले।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार को लगाई फटकार

कैश फॉर जॉब घोटाले में लिप्त अभ्यर्थियों की फिर भर्ती

कोलकाता, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने कैश-फॉर-जॉब्स घोटाले में शामिल रहे उम्मीदवारों को एक बार फिर भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने पर कड़ी आपत्ति जताई है।

न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने राज्य सरकार और स्कूल सर्विस कमीशन से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि यह कदम सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना है। कोर्ट ने पूछा, जब सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है कि इन उम्मीदवारों की नियुक्तियां अवैध हैं और वे अब किसी भी भर्ती के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे, तो

फिर उन्हें नए नोटिफिकेशन में आवेदन की अनुमति कैसे दी गई?

सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल 2025 को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 2016 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया था, जिसमें 25,753 नियुक्तियों को भ्रष्टाचारपूर्ण मानते हुए खारिज किया गया था। कोर्ट ने यह भी माना था कि इस घोटाले में ईमानदार और योग्य अभ्यर्थियों का हक छीना गया। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि सर्विस कमीशन ने भर्ती प्रक्रिया में वेटेज क्राइटेरिया में बदलाव कर दिया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 2016 के पुराने नियमों को ही लागू रखने का आदेश दिया था। पुराने नियमों में जहां लिखित परीक्षा के लिए 55 अंक और शैक्षणिक योग्यता के लिए 35 अंक निर्धारित थे, वहीं नए नोटिफिकेशन में यह अनुपात बदलकर क्रमश: 60 और 10 कर दिया गया है। कोर्ट ने सवाल किया, इस बदलाव का आधार क्या है? जब शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं, तब इन नियमों में छेड़छाड़ किस उद्देश्य से की गई?

इस मामले में वे अभ्यर्थी भी अदालत पहुंचे हैं, जो 2016 की भर्ती प्रक्रिया में ईमानदारी से सफल हुए थे लेकिन भ्रष्टाचार के चलते नौकरी नहीं मिल सकी। उनका तर्क है कि यदि अयोग्य उम्मीदवारों को फिर से मौका दिया जाता है, तो यह उनके साथ एक और अन्याय होगा। हालांकि राज्य सरकार और भर्ती कमीशन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई अभी लंबित है, लेकिन हाईकोर्ट ने संकेत दिया कि वह इस बहाने से जिम्मेदारी टालने की अनुमति नहीं देगा। कोर्ट ने राज्य सरकार और भर्ती कमीशन से इस पूरे मामले पर स्पष्ट और ठोस जवाब मांगा है। अगली सुनवाई में यह तय हो सकता है कि क्या घोटाले में शामिल उम्मीदवारों को दोबारा भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया जाएगा या नहीं।

छह महीने में 80 लड़कियां हो गईं लापता

लव-जेहाद गिरोह के सक्रिय होने का संदेह

मुरादाबाद, 02 जुलाई (ब्यूरो)। मुरादाबाद में बीते छह माह में 80 से ज्यादा किशोरियां लापता हो गई हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि यह युवकों से फोन और फेसबुक पर बातचीत कर घर छोड़ गईं। अधिकांश लड़कियों की उम्र 15 से 18 वर्ष के बीच है। इसके पीछे लव-जेहाद गिरोह का हाथ बताया जा रहा है।

पिछले छह माह में 80 से ज्यादा लड़कियों का लापता होना काफी गंभीर और चिंताजनक है। पुलिस इस मामले को हल्का-फुल्का बनाने में लगी है। लेकिन खुफिया एजेंसियां इसके पीछे खतरनाक गिरोह की भूमिका सूंघ रही हैं। अकेले मुरादाबाद जिले से लापता हुई 80 में 20 लड़कियां ऐसी हैं, जिन्होंने अंजान लोगों से दोस्ती की और फिर गायब हो गईं। इनमें कई लड़कियां ऐसी भी हैं जिन्होंने अपने घर में रखे जेवर नकदी और अन्य कीमती सामान भी उठा लिए।

जिले से पांच और किशोरियां लापता हो गईं, जिनके परिजनों ने थाने में तहरीर देकर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव से 17 वर्षीय किशोरी 28 जून की सुबह करीब साढ़े दस बजे अचानक लापता हो गई। पिता का आरोप है कि गौरव नाम का युवक उसे बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया है। दूसरा मामला नागफनी थाना क्षेत्र का है।

यहां रहने वाली एक महिला ने चांद मोहम्मद के खिलाफ केस दर्ज कराया है, जिसमें महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी उसकी 17 वर्षीय बेटी को अगवा कर ले गया है। मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें बताया कि मझोला के रसूलपुर निवासी युवक उसकी बेटी को अगवा कर ले गया है।

राजनीतिक दलों की चिंताओं का पूरा समाधान किया गया: आयोग

नई दिल्ली 02 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर मचे घमासान के बीच चुनाव आयोग ने बुधवार को विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के साथ यहां आयोग के मुख्यालय पर बैठक की और कहा कि इन दलों के प्रतिनिधियों की ओर से व्यक्त चिंताओं का पूरा समाधान किया गया।

बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी के साथ प्रदेश के कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग में मुलाकात की।

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का संचालन अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के प्रावधानों और 24.06.2025 को जारी निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है।

पार्टी प्रतिनिधियों ने एसआईआर से संबंधित कई चिंतायें उठायीं। राजनीतिक पार्टियों के किसी भी सदस्य द्वारा उठायी गयी प्रत्येक चिंता का आयोग द्वारा पूर्ण समाधान किया गया।

चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया में भाग लेने के लिए जमीनी स्तर पर 1.5 लाख से अधिक बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को धन्यवाद दिया है।

आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया, ताकि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रह जाये।

गौरतलब हो कि बिहार विधानसभा चुनाव पहले इंडिया गठबंधन के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार शाम को चुनाव आयोग से मुलाकात की। नेताओं ने आयोग से मिलकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाया।

आयोग के अनुसार आज चुनाव आयुक्तों से मुलाकात करने वाले कुछ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मिलने का समय दिया गया था जबकि अन्य को पूर्व में समय न दिये जाने के बावजूद प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने दिया गया।

आयोग ने सभी पक्षों के विचारों को सुनने के लिए प्रत्येक पक्ष के दो प्रतिनिधियों से मिलने का निर्णय लिया था।

कांग्रेस तथा इंडिया समूह के 11 दलों के नेताओं ने बैठक में चुनाव आयोग से मुलाकात की और कहा कि जो काम कई महीने पहले शुरु हो जाना चाहिए था उसे आखिर किस वजह से आयोग ने चुनाव से महज दो तीन महीने पहले शुरू किया है।

अमित शाह ने एनसीबी और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई दी

नई दिल्ली 02 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो(एनसीबी) और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई दी।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर ड्रग गिरोह, चाहे वह कहीं से भी चल रहा हो, को खत्म करने और देश के युवाओं की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

श्री शाह ने प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा एनसीबी और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई।

उन्होंने कहा कि जांच ने मल्टीएजेंसी समन्वय का एक शानदार उदाहरण पेश किया है जिसके परिणामस्वरूप आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया और 5 खेप जब्त की गयी। चार महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में संचालित गिरोह के खिलाफ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कार्रवाई हुई है।

गृह मंत्री ने कहा कि हमारी एजेंसियां लगातार इन गिरोहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले क्रिप्टो भुगतान और गुमनाम ड्रॉप शिपर्स जैसे तरीकों की निगरानी कर रही हैं।

गौरतलब है कि अवैध दवा व्यापार के खिलाफ अब तक की सबसे व्यापक कार्रवाइयों में से एक के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुख्यालय की ऑपरेशंस यूनिट ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। यह एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्लेटफॉर्म, ड्रॉप शिपिंग मॉडल और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग कर चार महाद्वीपों में नियंत्रित दवाओं की तस्करी कर रहा था।

नयी दिल्ली की बंगाली मार्केट के पास वाहनों को रोक कर जांच करने की एक नियमित प्रक्रिया के रूप में शुरू हुई यह कार्रवाई एक आपराधिक नेटवर्क को उजागर करने में बदल गई, जो भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप में फैला हुआ था।

यह अवैध फार्मा नेटवर्क की वैश्विक पहुंच और समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन कार्रवाइयों का नेतृत्व करने की एनसीबी की क्षमता को दर्शाता है। इस ऑपरेशन ने चार महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में फैले एक वैश्विक नेटवर्क का खुलासा किया।

बर्थडे स्पेशल : दर्शकों को एंटरटेन करने वाली लल्ली ने झेला गरीबी का दर्द

कॉमेडी क्वीन और लल्ली के नाम से मशहूर कमीडियन भारती सिंह का 3 जुलाई को जन्मदिन है। भारती ने अपनी मेहनत, टैलेंट और शानदार सेंस-ऑफ-ह्यूमर से न सिर्फ दर्शकों के दिलों में जगह बनाई, बल्कि भारतीय कॉमेडी की दुनिया में एक नया इतिहास रचा। कम ही लोग जानते हैं कि यह हंसमुख चेहरा, जो आज अनगिनत लोगों को हंसा रहा है, कभी गरीबी में भी रहा है।भारती सिंह ने विपरीत परिस्थितियों को भी हंसते-हंसते हराया और देश की सबसे पसंदीदा कमीडियन में से एक बन गईं। उनका मानना है कि कॉमेडी गरीबी में होती है, अमीरी में नहीं।

3 जुलाई, 1984 में पंजाब के अमृतसर में जन्मीं भारती सिंह की जिंदगी की शुरुआत आसान नहीं थी। महज दो साल की उम्र में उनके सिर से पिता का साया उठ गया था। इसके बाद उनकी मां कमला सिंह ने अकेले ही भारती और उनके भाई-बहनों की परवरिश की। इसके लिए उनकी मां ने घर-घर में काम भी किया।

एक इंटरव्यू में भारती ने बचपन के मुश्किल दिनों को याद करते हुए बताया था कि उनके परिवार की स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि उनके पास खाने तक के पैसे नहीं होते थे। ऐसे में दूसरों का बचा खाना परिवार के लिए पेट भरने का जरिया बन जाता था। मां की मेहनत और बच्चों के लिए उनका त्याग देखकर भारती ने ठान लिया कि वह अपनी मां के लिए कुछ बड़ा करेंगी और जिंदगी में सफल होकर रहेंगी।

बचपन में गरीबी का दंश झेलने वाली भारती ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की और कॉलेज में राइफल शूटिंग में गोल्ड मेडल भी जीता। लेकिन, उनकी जिंदगी को असली दिशा तब मिली, जब उन्होंने कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा। भारती का कॉमेडी करियर तब शुरू हुआ, जब वह स्टैंड-अप कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के चौथे सीजन में पहुंची थीं। इस शो में उनके चुलबुली और प्यारी लल्ली के किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी हंसी, मजेदार पंचलाइन्स और बिंदास अंदाज ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस शो में वह सेकंड रनर-अप रहीं। लेकिन, यह उनके करियर की शुरुआत थी। इसके बाद भारती ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

इसके बाद तो भारती धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ने लगीं। कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर जैसे बड़े कमीडियन्स के साथ काम करने का मौका मिला। कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो में उनकी मौजूदगी ने शोज को और भी मजेदार बना दिया। भारती की खासियत है कि वह अपनी कॉमेडी में आम जिंदगी की बातों को इस तरह पेश करती हैं कि हर कोई उससे जुड़ाव महसूस करता है।

भारती ने कई टीवी शोज में अपनी छाप छोड़ी।कॉमेडी सर्कस, झलक दिखला जा, नच बलिए और 'फीयर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' जैसे रियलिटी शोज में उनकी मौजूदगी ने दर्शकों का मनोरंजन किया। लेकिन, उनका असली जादू 'लाफ्टर शेफ्स: अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में देखने को मिला, जहां वह होस्ट के रूप में नजर आईं। इस शो ने उनके करिश्माई व्यक्तित्व को और निखारा।

भारती ने साल 2017 में लेखक और होस्ट हर्ष लिंबाचिया से शादी की, जिनके साथ वह लाफ्टर शेफ्स जैसे शोज में काम कर चुकी हैं। उनकी केमिस्ट्री ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों जगह कमाल की है। भारती ने साल 2022 में बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने लक्ष्य रखा है और प्यार से गोला बुलाती हैं।

मुझे प्रभावित करती है केके मेनन की शैली : ताहिर राज भसीन

मोस्टअवेटेड जासूसी-थ्रिलर स्पेशल ऑप्स 2 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज में एक्टर ताहिर राज भसीन खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। ताहिर ने अपने को-एक्टर केके मेनन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।

ताहिर ने केके मेनन के साथ एक्टिंग को एक बड़ी उपलब्धि और चुनौती बताया। उन्होंने कहा, केके मेनन जैसे दिग्गज एक्टर के सामने काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने उनके हीरो और विलेन दोनों किरदारों को देखकर बहुत कुछ सीखा है। हिम्मत सिंह के रूप में उनकी एक्टिंग, गंभीरता दर्शकों को बेहद पसंद है। हालांकि, मेरा किरदार ऐसा है, जो कहानी में तनाव को और बढ़ाता है, जिसमें सहजता और चतुराई दोनों का तड़का है। ताहिर ने मेनन से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, केके सर से मैंने सेट पर और बाहर दोनों जगह बहुत कुछ सीखा। उनकी धैर्यपूर्ण और सादगी भरी शैली मुझे बहुत प्रभावित करती है। जिंदगी के अनुभवों से भरी बातचीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

स्पेशल ऑप्स 2 में केके मेनन एक बार फिर अधिकारी हिम्मत सिंह की भूमिका में दिखेंगे। इस बार हिम्मत एक ऐसी जंग लड़ते हैं, जो दिखाई नहीं देती। मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, हिम्मत सिंह हमेशा बुद्धि, साहस और जज्बे के साथ लड़ता है। इस बार चुनौती और भी जटिल है। यह सीजन न केवल देश की सुरक्षा के मुद्दों को उठाता है, बल्कि हिम्मत के निजी जीवन, एक पिता और देशभक्त की भावनाओं को भी उजागर करता है। शिवम नायर के निर्देशन में तैयार इस सीरीज में ताहिर राज भसीन, केके मेनन के साथ एक्टर प्रकाश राज, विनय पाठक, सयामी खेर, इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं।

स्पेशल ऑप्स 2 साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा की पृष्ठभूमि में एक रोमांचक कहानी पेश करती है। सीरीज का प्रीमियर 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर होगा।

फिल्म मेकर्स संग सुभाष घई ने शेयर की तस्वीर, दिखाई दोस्तों की झलक

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपने पुराने दोस्तों और फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों राजकुमार हिरानी, संजय लीला भंसाली और डेविड धवन के साथ तस्वीर शेयर की। पोस्ट में उन्होंने बताया कि चारों दोस्त इंडस्ट्री में सफल रहे। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर एक कोलाज शेयर किया, जिसमें वह इन तीनों फिल्ममेकर्स के साथ नजर आए। चारों फिल्म और

टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के पूर्व छात्र हैं और तीन दशकों से अधिक समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं।

सुभाष घई ने पोस्ट में लिखा कि चारों दोस्तों ने एफटीआईआई में दो साल तक अलग-अलग कोर्स में पढ़ाई की। घई ने एक्टिंग, जबकि बाकियों ने एडिटिंग जैसे कोर्स किए। फिर भी सभी ने मेहनत और प्रतिभा से फिल्म इंडस्ट्री में खास जगह बनाई। उन्होंने यह भी बताया कि औपचारिक शिक्षा के अलावा, असल सीख उन्हें अपने आसपास के माहौल से मिली। घई ने इस दर्शन को अपनी फिल्म स्कूल, व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में भी लागू करने की बात कही, जहां वह नई जे-नरेशन को फिल्म की बारिकियां सिखाते हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम चारों दोस्त तीन दशक से ज्यादा समय तक फिल्म इंडस्ट्री में सफल रहे। हमने फिल्म इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में पढ़ाई की, लेकिन असल में हर दिन आसपास से सीखा।

हाल ही में सुभाष घई ने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर सुर्खियां बटोरीं। 30 जून को उन्होंने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म में एक्टर रितेश देशमुख लीड रोल में होंगे। उन्होंने रितेश की फिल्म 'अपना सपना मनी मनी' की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें रितेश एक महिला के किरदार में नजर आए।

घई ने मजाकिया अंदाज में लिखा, यह मेरी अगली फिल्म की हीरोइन है। इस खूबसूरत लड़की का नाम क्या है? प्लीज बताएं।

सुभाष घई की अंतिम फिल्म '36 फार्महाउस' थी, जिसे उन्होंने साल 2022 में लिखा और निर्मित किया था। वे 'कालीचरण', 'विश्वनाथ', 'कर्ज', 'हीरो', 'मेरी जंग', 'कर्मा', 'राम लखन', 'सौदागर', 'खलनायक', 'परदेस' और 'ताल' जैसी शानदार फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं।

पांच साल बाद जब स्पेशल ऑप्स के सेट पर आईं सैयामी खेर, कहा- लौट आई पुराने घर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सैयामी खेर इन दिनों स्पेशल ऑप्स सीजन 2 को लेकर चर्चा में हैं। यह साल 2020 में आए स्पेशल ऑप्स का सीक्वल है। एक्ट्रेस ने पांच साल बाद स्पेशल ऑप्स के सेट पर लौटने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा कि इतने समय बाद पुराने सेट पर लौटना उनके लिए घर लौटने जैसा था। सैयामी खेर ने बताया कि जब वह पांच साल बाद फिर से स्पेशल ऑप्स के सेट पर लौटीं, तो ऐसा लगा जैसे वह फिर से अपने पुराने घर में आ गई हों। पुराने साथी कलाकारों से मिलकर और अपने किरदार को दोबारा निभाकर सभी यादें वापस आ गईं। उन्होंने कहा, पांच साल बाद स्पेशल ऑप्स के सेट पर लौटना मेरे लिए भावुक और यादगार था। मुझे पुराने सीन्स के शूट और टीम के साथ बिताए अच्छे पल सब याद आ गए।

सैयामी ने आगे कहा, नीरज पांडे सर और के. के. मेनन के साथ दोबारा काम करना उनके लिए सीखने का बेहतरीन ...का रहा। दोनों ही अपनी ...नी कहने की कला में ...र हैं, जिससे उन्हें और ...करने की प्रेरणा मिलती ... और थ्रिलर से भरपूर ...सीरीज स्पेशल ऑप्स ...में सैयामी फिर से ...दार निभाती नजर ...मेनन हिम्मत सिंह ...आएंगे। इस सीजन में करण ..., विनय पाठक, मेहर विज, मुजम्मिल इब्राहिम, ताहिर राज भसीन और प्रकाश राज भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे। नीरज पांडे की यह वेब सीरीज 11 जुलाई

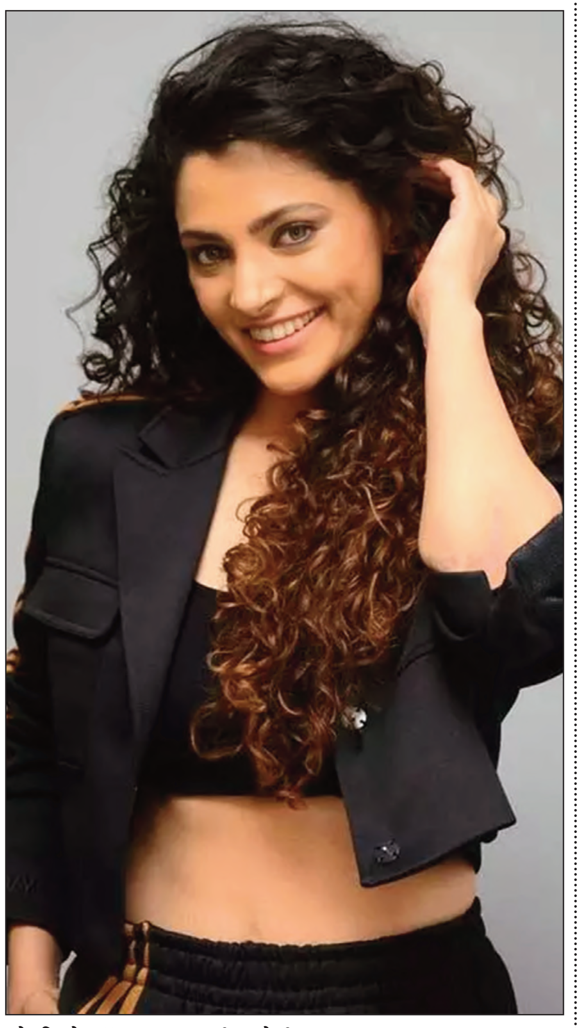

को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

स्पेशल ऑप्स 2 की कहानी डिजिटल जंग की दुनिया पर आधारित है। यह एआई के गलत इस्तेमाल पर बनी सीरीज है, जो दिखाती है कि नई टेक्नोलॉजी जहां एक तरफ वरदान है, तो दूसरी तरफ यह कितनी खतरनाक भी है।

सन ऑफ सरदार 2 का गाना रिलीज

अभिनेता अजय देवगन की आगामी फिल्म सन ऑफ सरदार-2 का गाना सरदार मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। इसमें अभिनेता और उनके साथ नीरू बाजवा नजर आ रही हैं। मंगलवार को अभिनेता अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर अपने नए गाने सरदार को शेयर किया। साथ ही कैप्शन दिया, सन ऑफ सरदार 2 की दुनिया में पेश है सरदार गाना। फिल्म 25 जुलाई को रिलीज होगी। गाने के बोल रोमी और सुधीर ने लिखे हैं। इसे हर्ष उपाध्याय ने कंपोज किया है।

इससे पहले अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने गाना रिलीज होने के पहले पोस्टर इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर शेयर किया था। पोस्ट में अभिनेता अजय देवगन हाथ का कड़ा पकड़े नजर आ रहे हैं।

इससे पहले अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया था, जिसमें उनके साथ को-स्टार मृणाल ठाकुर, चंकी पांडेय, रवि किशन, विंदू दारा सिंह, नीरू बाजवा, रोशनी वालिया और अश्विनी कालसेकर जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। पोस्टर में सभी को-स्टार अजय की तरफ पिस्तौल ताने खड़े हुए हैं, जबकि अभिनेता सहमे नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, यह फैमिली फोटो नहीं है, यह होने वाले धमाके की चेतावनी है। फिल्म को जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और टी-सीरीज ने मिलकर बनाया है। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी और भरपूर ड्रामा देखने को मिलेगा।

डांट में था प्यार, इनाम में था आशीर्वाद, सख्ती और ममता का रूप थीं सरोज खान

बॉलीवुड में जब भी कोरियोग्राफर की बात होती है, तो दिमाग में सरोज खान का नाम सबसे पहले आता है। बेशक आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें, उनका जज्बा और उनके शानदार डांस मूव्स आज भी हमारे दिलों में बसे हुए हैं। 3 जुलाई 2020 को कार्डियक अरेस्ट के चलते उनका निधन हो गया था। 71 साल की उम्र में उन्होंने आ-खिरी सांस ली और पीछे छोड़ गईं अपना जोश और कभी हार न मानने की ताकत। वह अपनी पूरी जिंदगी नाचती रहीं, झूमती रहीं। सरोज खान का असली नाम निर्मला नागपाल था। उनकी अदाओं में वो खास बात थी जो हर गाने को और भी खास बना देती थी। उन्होंने माधुरी दीक्षित, श्रीदेवी, ऐश्वर्या राय जैसी बड़ी अभिनेत्रियों को डांस सिखाया। उनके अंदर गुरु की गंभीरता और मां की ममता एक साथ बसी थी। वह जितनी सख्त नजर आती थीं, उतनी ही कोमल दिल की भी थीं। बॉलीवुड के मशहूर कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने और उनके पार्टनर सीजर ने पश्चिमी डांस स्टाइल्स को बॉलीवुड में लाने की कोशिश की, लेकिन सबसे ज्यादा डर उन्हें सरोज खान जी के गुस्से का था।

बॉस्को मार्टिस ने कहा, ''मैं और मेरा साथी सीजर, जब हम अपने डांस स्टाइल को बॉलीवुड में लाने की कोशिश कर रहे थे, तो हमें सिर्फ सरोज खान का डर था, क्योंकि वह पारंपरिक और भारतीय स्टाइल की मल्लिका थीं। लेकिन, जब उनसे करीब से मुलाकात हुई, तो पता चला कि वह असल में भारतीयता की शुद्धता को बचाए रखना चाहती थीं। उन्होंने हमें अपने साथ काम करने का मौका दिया, आशीर्वाद दिया और हमें हमेशा प्रोत्साहित किया।''

उन्होंने आगे कहा, ''मैं अपने आप को खुशनसीब मानता हूं कि मैंने उनकी छांव में डांस को बेहतर तरीके से जाना। मुझे याद है, 'डांस इंडिया डांस' के सेट पर उन्होंने मेरी तारीफ में 100 रुपये का इनाम दिया था। उस पल की खुशी बयान करना नामुमकिन है। उनकी मां जैसी ममता और सख्त अंदाज दोनों एक साथ देखने को मिलते थे।''

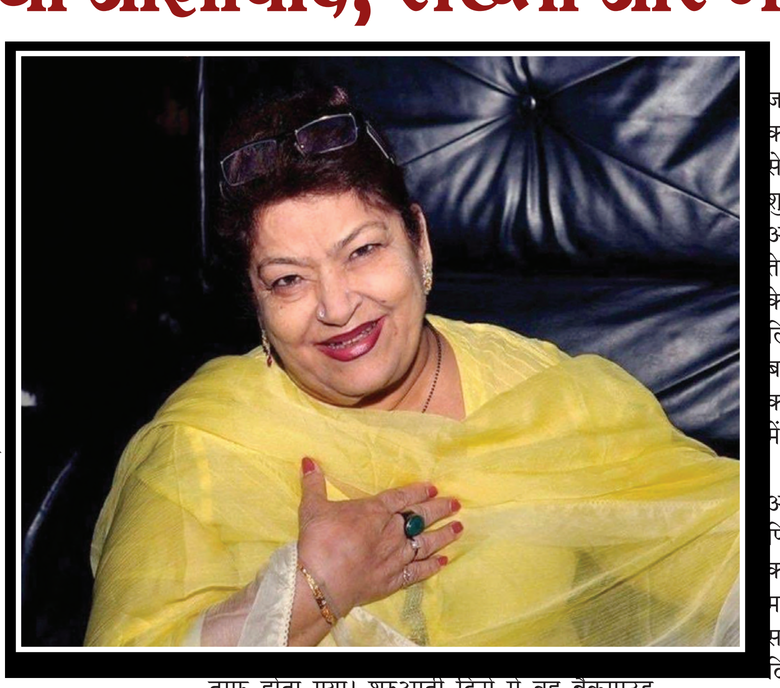

सरोज ने अपने करियर की शुरुआत महज 3 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म 'नजराना' से की थी, लेकिन उनका झुकाव धीरे-धीरे डांस की तरफ होता गया। शुरुआती दिनों में वह बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करती थीं और 13 साल की उम्र में ही उन्होंने कोरियोग्राफी सीखनी शुरू कर दी। उन्होंने मशहूर डांस डायरेक्टर बी. सोहनलाल के असिस्टेंट के तौर पर काम किया और डांस की बारीकियों को गहराई से जाना।

उनके करियर का असली मोड़ तब आया जब उन्हें स्वतंत्र रूप से कोरियोग्राफर बनने का मौका मिला। फिल्म 'गीता मेरा नाम' से उन्होंने बतौर स्वतंत्र कोरियोग्राफर शुरुआत की, लेकिन पहचान 1986 में आई फिल्म 'नगीना' के सुपरहिट गाने 'मैं तेरी दुश्मन' से मिली। इस गाने में श्रीदेवी के जबरदस्त डांस ने दर्शकों का दिल जीत लिया और सरोज खान की भी लोकप्रियता बढ़ी। इसके बाद 1987 में 'मिस्टर इंडिया' का गाना 'हवा हवाई' जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया।

सरोज खान का करियर उस वक्त सातवें आसमान पर पहुंच गया, जब 1988 की फिल्म 'तेजाब' का 'एक दो तीन' गाना कोरियोग्राफ किया। इस गाने ने न सिर्फ माधुरी को रातोंरात स्टार बना दिया, बल्कि सरोज खान को भी 'हिट मशीन' का दर्जा दिला दिया। इस गाने की सफलता इतनी बड़ी थी कि फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में पहली बार 'बेस्ट कोरियोग्राफी' की कैटेगरी शुरू की गई और पहला अवॉर्ड सरोज खान को दिया गया। 'ढोली तारो', 'हमको आजकल है इंतजार', 'चोली के पीछे', 'धक-धक करने लगा', 'डोला रे डोला', और 'निंबूड़ा' जैसे गानों ने उन्हें कोरियोग्राफी की दुनिया की महारानी बना दिया।

सरोज खान ने लगभग 2,000 से ज्यादा गानों को कोरियोग्राफ किया। बॉलीवुड की तमाम बड़ी एक्ट्रेस उनकी कोरियोग्राफी में थिरकती नजर आईं। उन्होंने साधना, वैजयंतीमाला, हेलन, शर्मिला टैगोर, वहीदा रहमान, जीनत अमन, रेखा, श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, करिश्मा, उर्मिला, रवीना टंडन, ऐश्वर्या राय और करीना कपूर जैसी एक्ट्रेस को डांस सिखाया।

सरोज खान की खासियत यह थी कि वह डांस को सिर्फ स्टेप्स तक सीमित नहीं रखती थीं। उनका मानना था कि डांस में भाव होना चाहिए, चेहरे से कहानी दिखनी चाहिए। वह हर गाने की एक-एक लाइन को तोड़ती थीं और उसके हिसाब से एक्सप्रेशन और मूवमेंट बनाती थीं। उन्होंने इंडियन फोक डांस और क्लासिकल डांस को मुख्यधारा की फिल्मों में लोकप्रिय बना दिया। वह अपनी अलग स्टाइल, सादगी और अनुशासन के लिए जानी जाती थीं।

सरोज खान को तीन बार नेशनल अवॉर्ड और आठ बार फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुके हैं। उन्होंने टीवी रियलिटी शोज़ में भी बतौर जज हिस्सा लिया और नए कलाकारों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कोरियोग्राफी को सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक कला का दर्जा दिलाया।

सावन मास 11 से

इस पवित्र महीने का नाम श्रावण मास ही क्यों पड़ा? जानें इससे जुड़ी पौराणिक कथा और महत्व

हिंदू धर्म में सावन माह का विशेष महत्व है। यह साल का पांचवां महीना होता है, जिसे श्रावण मास भी कहा जाता है। यह महीना पूरी तरह से भगवान शिव की पूजा को समर्पित होता है। ऐसा माना जाता है कि इस महीने में सच्चे मन से शिव की पूजा करने से सभी दुखों का नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। शिव पुराण में कहा गया है कि सावन के महीने में शिवलिंग पर जल अर्पित करने से विशेष पुण्य मिलता है। भगवान शिव को जल अर्पण करना उन्हें शीतलता देने और प्रसन्न करने का माध्यम माना गया है। इसके अलावा इस मास में रुद्राभिषेक या जलाभिषेक करने से शिवजी जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

सावन में शुरू होती है कांवड़ यात्रा

सावन शुरू होते ही पूरे देश में शिव भक्तों द्वारा कांवड़ यात्रा की जाती है। भक्त नंगे पांव दूर-दूर से गंगाजल लेकर आते हैं और उसे शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। साथ ही, व्रत रखते हैं और पूरे महीने भक्ति भाव में लीन रहते हैं। यह यात्रा श्रद्धा और आस्था का अद्भुत प्रतीक होती है।

श्रावण मास नाम कैसे पड़ा?

हिंदू पंचांग के अनुसार, जब यह महीना शुरू होता है तो उस समय चंद्रमा 'श्रवण नक्षत्र' में होता है। इसी कारण इस महीने का नाम श्रावण रखा गया। समय के साथ 'श्रावण' को बोलचाल की भाषा में 'सावन' कहा जाने लगा।

शिवजी को क्यों प्रिय है सावन?

शिवपुराण और पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह महीना भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना है। एक मान्यता यह भी है कि माता पार्वती ने सावन के महीने में ही भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तप किया था और सोमवार का व्रत रखा था। भगवान शिव उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। तभी से सावन के सोमवार का विशेष महत्व है।

समुद्र मंथन

पौराणिक कथा के अनुसार, जब देवता और असुरों ने समुद्र मंथन किया था, तो उसमें सबसे पहले 'हलाहल' नामक विष निकला। उस विष से सृष्टि को खतरा था। तब भगवान शिव ने उस विष को पी लिया, जिससे उनका गला नीला हो गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए। विष के प्रभाव को शांत करने के लिए देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया। तभी से सावन में शिवजी को जल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई।

सावन में न करें ये गलतियां, होगा भारी नुकसान

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। यह बेहद पवित्र माना जाता है। इस दौरान शिव भक्त विशेष पूजा-अर्चना करते हैं और सभी सोमवार का व्रत करते हैं। ताकि भोलेनाथ की कृपा मिल सके। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल सावन माह 11 जुलाई, 2025 से शुरू होगा। वहीं, इसका समापन अगले महीने यानी 09 अगस्त, 2025 को होगा।

मांस-मदिरा का सेवन – सावन के महीने में मांस-मदिरा यानी सभी तरह के तामसिक भोजन से दूर रहना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि इससे भगवान शिव नाराज होते हैं और नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

बाल और दाढ़ी न कटवाएं – सावन में बाल और दाढ़ी कटवाने से बचना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करने से दुर्भाग्य आ सकता है। यह एक प्रकार से तपस्या और त्याग का प्रतीक है, जिसमें व्यक्ति अपनी बाहरी सुंदरता पर ध्यान न देकर अपनी आत्मा को शुद्ध करता है।

सावन के महीने में व्यक्ति को अपने मन पर नियंत्रण रखना चाहिए। अहंकार, क्रोध और दूसरों का अपमान करने से बचना चाहिए, क्योंकि भगवान शिव शांत और सरल स्वभाव के देवता हैं।

अपशब्दों का प्रयोग – इस पवित्र माह में किसी भी व्यक्ति के लिए अपशब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वाणी पर संयम रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि कटु वचन बोलने से न केवल संबंधों में कड़वाहट आती है, बल्कि धार्मिक रूप से भी इसे गलत माना जाता है।

तुलसी का सेवन – भगवान शिव की पूजा में तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता है, क्योंकि तुलसी को भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। इसलिए सावन में शिव पूजा के दौरान शिवलिंग पर तुलसी अर्पित करने से बचें।

दूध का अपमान – सावन में दूध का सेवन तो किया जाता है, लेकिन इसे व्यर्थ बहाना या इसका अनादर करना अशुभ माना जाता है। वहीं, शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का विशेष महत्व है, इसलिए दूध का उपयोग सोच-समझकर करें।

दिन में सोना – सावन के महीने में दिन में सोने से बचना चाहिए। इस दौरान भगवान शिव की भक्ति और ध्यान में समय बिताना चाहिए।

सावन से पहले इन चीजों को घर से करें बाहर, अच्छे दिन होंगे शुरू

सावन के महीने में भक्त भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक-अर्चना करते हैं। साथ ही विशेष चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महादेव की पूजा करने से साधक के जीवन में आ रहे दुख दूर होते हैं। साथ ही शिव जी की कृपा प्राप्त होती है। अगर आप भी भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो सावन के महीने से पहले घर में कुछ बदलाव जरूर करें।

ऐसा माना जाता है कि घर में अशुभ चीजों को रखने से व्यक्ति को जीवन में कई तरह की समस्यायों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही किसी भी काम में सफलता प्राप्त नहीं होती है।

अगर मंदिर या घर में किसी देवी-देवता की खंडित मूर्ति रखी है, तो उसे सावन के महीने की शुरुआत से पहले ही पवित्र नदी में बहा दें। ऐसा माना जाता है कि खंडित मूर्ति की पूजा करने से साधक को शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। साथ ही पूजा सफल नहीं होती है। इसलिए घर में खंडित मूर्ति न रखने की सलाह दी जाती है। खंडित मूर्ति की वजह से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

इसके अलावा फटी धार्मिक पुस्तकों को भी घर से बाहर कर देना चाहिए। इसलिए इस तरह की धार्मिक पुस्तकों को बहते जल में प्रवाहित कर दें या फिर पीपल के पेड़ के नीचे रख दें।

घर में भूलकर भी बंद घड़ी को नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में बंद घड़ी रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिससे व्यक्ति के जीवन में अच्छा समय नहीं आता है, तो ऐसे में बंद घड़ी को सही करवा लें और उसे घर से बाहर कर दें। इससे घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली का आगमन होता है और अच्छे दिनों की शुरुआत होती है।

शिवजी को बहुत पसंद है रुद्राक्ष, सावन में इसे कैसे पहनें ताकि मिले भोलेनाथ की कृपा

हिंदू धर्म में रुद्राक्ष का काफी महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई है। इसी वजह से इसे अलौकिक माना जाता है। रुद्राक्ष इक्कीस मुखी तक पाए जाते हैं।

रुद्राक्ष भगवान शिव को अति प्रिय है। सोमवार, महाशिवरात्रि या श्रावण मास के किसी भी दिन रुद्राक्ष को धारण किया जा सकता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति रुद्राक्ष धारण करता है, उस पर भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा होती है। इसे धारण करने से जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है।

रुद्राक्ष को धारण करने वाले को कष्टों से छुटकारा मिलता है। मगर, रुद्राक्ष धारण करने के कुछ नियम भी होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। ऐसा नहीं करने पर रुद्राक्ष से मिलने वाले लाभ कम हो सकते हैं।

रुद्राक्ष पहनने से पहले करें शुद्धि

रुद्राक्ष को हमेशा शुद्ध करके पहनना चाहिए। सबसे पहले इसे एक कटोरी में दूध, दही, शहद, घी, गंगाजल से धोकर शुद्ध कर लें। इसके बाद रुद्राक्ष पर तिलक लगाएं। इसके बाद इसे लाल या पीले धागे में पहनना चाहिए।

रुद्राक्ष या उसकी माला को पहनने से पहले उसे धूप दिखाएं और फिर 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। इसके अतिरिक्त, रुद्राक्ष को गंदे हाथों से नहीं छूना चाहिए।

रुद्राक्ष की पवित्रता बनाए रखना जरूरी

रुद्राक्ष को धारण करने के बाद उसकी शुद्धता और पवित्रता बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

रुद्राक्ष को कभी भी गंदे हाथों से नहीं छूना चाहिए। अपनी रुद्राक्ष माला किसी और को नहीं देना चाहिए।

रुद्राक्ष पहनने के बाद नॉनवेज नहीं खाना चाहिए। रुद्राक्ष को काले धागे में भी नहीं पहनना चाहिए।

घर में शिशु के जन्म के समय भी रुद्राक्ष को उतारकर मंदिर में रख देना चाहिए। इसे दोबारा शुद्ध करके पहनें।

इसके अलावा रुद्राक्ष को कभी भी अंतिम संस्कार में जाने के दौरान नहीं पहनना चाहिए।

सावन में इन राशियों के लिए खुलेगी कुबेर की तिजोरी, धन की तंगी होगी छूमंतर

सावन का महीना बेहद खास रहने वाला है। इस महीने में कई छोटे-बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इससे राशि चक्र की सभी राशियों पर भाव और ग्रहों की स्थिति के अनुसार प्रभाव पड़ेगा। इनमें कई राशि के जातक सावन के महीने में मालामाल होंगे।

ज्योतिषियों की मानें तो सावन के महीने में कई राशि के जातकों पर देवों के देव महादेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से न केवल आर्थिक परेशानी दूर होगी, बल्कि करियर और कारोबार में भी सफलता मिलेगी।

कर्क राशि –मन के कारक चंद्र देव कर्क राशि के स्वामी हैं और आराध्य भगवान शिव हैं। इस राशि के जातकों पर महादेव की असीम कृपा रहती है। उनकी कृपा से जीवन में किसी चीज की कमी नहीं रहती है। वर्तमान समय में शुक्र देव की भी कृपा बरस रही है। सावन के महीने में धर्मिक सक्रियता बढ़ेगी। साहसी और निडर बनेंगे। अपने फैसले से लोगों को अचंभित करने में सफल होंगे। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। धन का व्यय हो सकता है।

धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। यात्रा से लाभ होगा। साथ ही आपकी प्रसिद्धि भी बढ़ेगी। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को सावन में अधिक फायदा होगा। घर में अन्न और धन की कमी नहीं रहेगी। गहने और कपड़ों की खरीदारी कर सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आप गहने और महंगे कपड़े के शौकीन हो सकते हैं। पिता से भी धन लाभ होगा।

सिंह राशि–सिंह राशि के जातकों के लिए सावन का महीना खास साबित हो सकता है। इस महीने भगवान शिव की कृपा से जीवन में सुखों का आगमन होगा। धार्मिक यात्रा पर जाने का अवसर मिलेगा। मानसिक वेदना से मुक्ति मिलेगी। सावन महीने में महादेव की कृपा से कारोबार में धन लाभ होगा। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। श्रेष्ठ और कुलीन लोगों से आपकी दोस्ती बढ़ेगी या होगी। भाग्य में वृद्धि होगी।

आपके पास आमदनी के कई साधन होंगे। धन खर्चने में आप कंजूसी कर सकते हैं। शत्रुओं पर आपकी जीत होगी। घर-परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। देवों के देव महादेव की कृपा पाने के लिए हर सोमवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद दूध या गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करें। साथ ही भगवान शिव को सफेद फूल अर्पित करें। इस समय 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए सावन का महीना बेहद खास रहने वाला है। इस महीने आप प्रॉपर्टी के माध्यम से पैसा कमाने में सफल होंगे। ऐसा भी हो सकता है कि आप उम्मीद से अधिक धन कमाएंगे। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट कर सकते हैं। धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। सेहत अच्छी रहेगी।

परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। करियर और कारोबार में भी ऊंचा मुकाम हासिल होगा। सावन के महीने में आप भंडारे का आयोजन कर सकते हैं। किसी न किसी माध्यम से पैसे कमाने में सफल होंगे। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सावन महीने में रोजाना गंगाजल में काले तिल मिलाकर देवों के देव महादेव का अभिषेक करें।

सावन में तुलसी को जल चढ़ाने से क्या होता है?

तुलसी भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है और इसमें माता लक्ष्मी का वास भी माना जाता है। सावन में तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त होती है, जिससे घर में सुख-समृद्धि और धन का आगमन होता है।

तुलसी के पौधे को घर में शुभ और मंगलकारी माना जाता है। नियमित रूप से तुलसी में जल चढ़ाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे घर का वातावरण शुद्ध और शांत रहता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, तुलसी को जल चढ़ाने से विवाह संबंधी बाधाएं दूर होती हैं और योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी में जल चढ़ाने से कुंडली में मौजूद कई ग्रह दोषों का शमन होता है, विशेषकर बृहस्पति ग्रह से संबंधित दोष। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रोजाना तुलसी को जल चढ़ाने और उसकी पूजा करने से व्यक्ति के समस्त पापों का नाश होता है और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। विवाहित महिलाओं के लिए तुलसी को जल चढ़ाना सौभाग्य में वृद्धि लाता है और पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है। इससे महिलाएं सदा सुहागिन और सौभाग्यशाली रहती हैं।

सावन के पहले सोमवार को करें ये उपाय, भोलेनाथ करेंगे हर मनोकामना पूरी!

देवों के देव महादेव को समर्पित पवित्र श्रावण मास, जिसे सावन का महीना भी कहा जाता है। इस साल 11 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगा। शिव भक्तों के लिए यह मास बहुत ही महत्वपूर्ण होता है, खासकर इसमें पड़ने वाले सोमवार। सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ रहा है, जिसे भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए बहुत ही शुभ माना जा रहा है। मान्यता है कि जो भक्त सावन के सोमवार को पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजा -पाठ करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सावन में की गई पूजा से भगवान शिव अपने भक्तों के कष्टों को हर लेते हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते है।

पंचांग के अनुसार, इस साल श्रावण मास की शुरुआत 11 जुलाई 2025, शुक्रवार से हो रही है और समापन 9 अगस्त 2025, शनिवार को होगा।

सावन के पहले सोमवार को किए जाने वाले कुछ विशेष उपाय

शिवलिंग पर जलाभिषेक और रुद्राभिषेक

सावन के पहले सोमवार को सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद शिव मंदिर जाकर शिवलिंग पर शुद्ध जल, गंगाजल और दूध से अभिषेक करें। यदि संभव हो तो रुद्राभिषेक का पाठ भी करवाएं। इससे भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं और आपकी सभी बाधाएं दूर होती हैं।

बेलपत्र, धतूरा और आक के फूल चढ़ाएं

भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा और आक के फूल अत्यंत प्रिय हैं। सावन के पहले सोमवार को शिवलिंग पर कम से कम 11 बेलपत्र अर्पित करें। प्रत्येक बेलपत्र पर 'ॐ नमः शिवाय' लिखें। इसके अलावा धतूरा, भांग, शमी पत्र और सफेद आक के फूल भी चढ़ाएं।

चंदन और भस्म का तिलक लगाएं

शिवलिंग पर चंदन का लेप लगाएं और भगवान शिव को भस्म अर्पित करें। यह उपाय नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता लाता है।

शिव चालीसा और महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें

सावन के पहले सोमवार को पूरे दिन 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। इसके साथ ही शिव चालीसा और महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करना भी बेहद शुभ माना जाता है। महामृत्युंजय मंत्र का जाप गंभीर रोगों से मुक्ति और अकाल मृत्यु के भय से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है।

दीपक प्रज्वलित करें

संध्या के समय शिव मंदिर में या अपने घर के पूजा स्थल पर गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और वास्तु दोष दूर होते हैं।

व्रत का पालन करें

यदि आप सावन सोमवार का व्रत रखते हैं, तो इस दिन अन्न ग्रहण न करें। केवल फल, दूध और सात्विक आहार का सेवन करें। व्रत रखने से शारीरिक और मानसिक शुद्धि होती है, और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

गरीबों को दान करें

सावन के पहले सोमवार को अपनी श्रद्धा अनुसार गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या धन का दान करें। दान-पुण्य करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और आपके जीवन में खुशहाली आती है।

प्रदोष काल में पूजा

प्रदोष काल (सूर्यास्त के समय) भगवान शिव की पूजा के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। सावन के पहले सोमवार को प्रदोष काल में शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और शिव मंत्रों का जाप करें।

संपादकीय

स्त्री-द्वेष की सोच

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे-बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं।

देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

प्रह्लाद सबनानी

प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है।

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः "सोने की चिड़िया" बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है। वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है। भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में

विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है। वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (KGF) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था। प्राचीन काल में में भारत को "सोने की चिड़िया" कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है।

कुछ अलग

इनकी भी मौज, उनकी भी मौज

असल में इन दिनों दुनिया में दो ही लोगों की मौज आई हुई है। बाकी दुनिया तो यूं ही परेशान है-कोई युद्ध को लेकर और कोई भूख को लेकर। पर सचमुच इन दो लोगों की मौज आई हुई है। एक है ट्रंप साहब। वे तो लगता है कि नोबल प्राइज लिए बिना मानेंगे नहीं। इस चक्कर में वे टैरिफ-वैरिफ भी भूल गए हैं। बच्चे कई बार नए खिलौने की धुन में पुरानी मांग भूल जाते हैं। वैसे अगर चाहें तो मौज तो अमेरिका वाले भी ले सकते हैं कि देखो हमने भी क्या राष्ट्रपति बनाया है। उसकी हरकतों को देखकर हंसना चाहो हंसो, रोना चाहो तो रोओ। ट्रंप साहब ऐसे आदमी हैं कि वही युद्ध भी करवाते हैं, फिर वही युद्धविराम भी करवाते हैं। कोई युद्ध विराम को न माने तो फिर धमकाते भी हैं बल्कि अब तो गालियां भी देने लगे हैं और फिर पुचकारते भी हैं। वे एक दिन किसी को शत्रु बताते हैं तो दूसरे ही दिन उसे अपना सबसे प्रिय मित्र भी बताने लगते हैं। वे इसको महान बताते हैं तो उसको भी महान बताते हैं। वह मित्रों से झगड़ते हैं-नहीं यार एलन मस्क की बात हो रही है-और शत्रुओं को पुचकारते हैं। इधर वे ईरान को छोड़कर अमेरिकी मीडिया पर टूट पड़े हैं। वे क्षणे रुष्टा, क्षणे तुष्टा हैं। वे पल में तोला और पल में माशा हैं। वैसे झांसा भी हैं और फांसा भी हैं। वे क्या नहीं हैं! दूसरे हैं पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर। वैसे ऑपरेशन सिंदूर के वक्त हमारे टेलीविजन चैनल वाले उन्हें जेल भेज रहे थे। पर वास्तव में वे पदच्युत नहीं हुए। पदोन्नत हुए। जनरल से फील्ड मार्शल हो गए। हमारे यहां मानकेशॉ फील्ड मार्शल हुए थे इकइत्तर का युद्ध जीतने के बाद। मुनीर साहब बिना युद्ध जीते ही फील्ड मार्शल हो गए। पाकिस्तानी फौज की यही ताकत है। वे फील्ड मार्शल ही नहीं हुए बल्कि ट्रंप के इतने प्रिय हो गए कि उन्होंने मुनीर साहब को भोजन पर आमंत्रित कर लिया। बेचारे शहबाज शरीफ ठहरे इतने शरीफ कि ऐतराज तक नहीं कर पाए कि हुजूर यह गजब कर रहे हो।

देश दुनिया से

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत धारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'घातक पत्नियों' के मीम्स और मज़ाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे-पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है। आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर-परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं-नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं। इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं। इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है। पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव-इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया

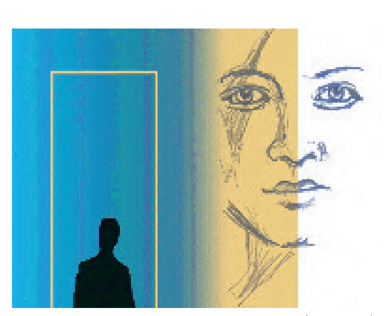

गया। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है। विश्वासघात के भी अलग-अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है। पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे-धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी। निराशा, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयां पारिवारिक दुर्व्यवहार के कुछ पूर्वानुमानित कारक हैं, जो पारिवारिक विघटन, हिंसक व्यवहार और अंततः विवाह-हत्या का कारण बनते हैं। पिछले तीन दशकों में टीवी सीरियलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्त्रियों की नकारात्मक छवि का असर भी हमारे जीवन पर है। कुछ धारावाहिकों में, महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर दिखाया जाता है। कुछ में उन्हें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का शिकार दिखाया जाता है। मजबूत, स्वतंत्र और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला-पात्र, लड़कियों के आदर्श होने चाहिए। ऐसी महिलाएं हमारे बीच हैं भी, पर अय्याश, धोखेबाज़, क्रूर, साज़िशकार और विवाहेतर संबंधों में यकीन करने वाले स्त्री पात्रों को मनोरंजन माध्यमों ने भरपूर परोसा है। यह ज़मीनी-सच भले ही नहीं है, पर इसने सामाजिक-जीवन को प्रभावित जरूर किया है। ऊपर की घटनाओं में कुछ स्त्रियां अपराधी की भूमिका में नज़र आती हैं, पर हमारे यहां स्त्रियां सबसे ज्यादा अपराधों की शिकार होती हैं। छत्तीसगढ़ से प्राप्त 23 जून की एक खबर है कि पिछले 115 दिनों में राज्य में 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी। यानी के हर चार दिन में एक हत्या। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की यात्रा पर आने वाले अपने नागरिकों के लिए लेवल-2 की यात्रा चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 'बलात्कार अभी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यहां सेक्सुअल असॉल्ट समेत हिंसक अपराध टूरिस्ट स्पॉट और दूसरे स्थानों पर होते हैं।' भारत की सामान्य स्त्री असुरक्षा से पीड़ित रहती है। संभव है कि कुछ स्त्रियां किसी अपराध की साजिश में दिखाई पड़ें, पर यह कम से कम हमारे समाज की आम प्रवृत्ति नहीं है। हमारे समाज में सामाजिक विघटन को रोकने और परिवारों को बचाए और बनाए रखने में स्त्रियों की सबसे बड़ी भूमिका है। ऐसे अपराध पहले भी होते रहे होंगे, पर समाचार-मीडिया के विस्तार ने ऐसी समझ के विस्तार में भी भूमिका अदा की है। ऐसी खबरों को चटपटा माल मानकर उछालने की प्रवृत्ति है। मीडिया की दिलचस्पी इन अपराधों के पीछे के मानसिक और सांस्कृतिक कारणों को खोजने में नहीं है। बहुत-सी बातों का जवाब मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के पास होगा, पर मीडिया की कितनी दिलचस्पी इसमें है? किसी भी हत्या, आत्महत्या या आक्रमण के पीछे के मनोवैज्ञानिक-कारणों की तलाश भी होनी चाहिए।

आप का नजरिया

अविश्वास का बीमा

जीवन में असुरक्षा, स्वास्थ्य व अपनों के भविष्य की तमाम चिंताओं से मुक्ति के लिये कोई व्यक्ति बीमा का सुरक्षा कवच लेने को बाध्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विश्वास होता है कि ऊंच-नीच के वक्त में यह बीमा मददगार साबित होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिस बीमा क्षेत्र का आधार विश्वास होना चाहिए, उसको लेकर पॉलिसी धारकों में लगातार अविश्वास बना रहता है। बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी-छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन-कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है। यह भी नहीं मालूम कि दावा प्रक्रिया की आवश्यक कार्यवाही को उन्हें कैसे अंजाम देना है। इतना ही नहीं लगभग 60 फीसदी आश्रितों को यह भी नहीं पता कि वे किसी पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं। वे इस बात से अनजान हैं कि उन्हें किस चीज व किस स्थिति में बीमा लाभ मिलेगा। कमोबेश यह स्थिति तब है जब देश में बीमा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह समझ की कमी केवल उस शब्दावली से ही नहीं उपजी है जिसे समझना मुश्किल है, बल्कि बीमा करते समय उपभोक्ता को उसकी प्रक्रिया और लाभों का सिर्फ एक पक्ष ही बताया जाता है। कई वास्तविकताएं शब्दजाल में छिपा ली जाती हैं। निश्चित रूप से बीमा का मूल उद्देश्य तब विफल हो जाता है, जब बीमाकर्ता उपभोक्ताओं को सही ज्ञान और लाभ लेने की वास्तविक प्रक्रिया की जानकारी देने के मूल कर्तव्य में विफल हो जाता है। दरअसल, विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री भी एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है। जो कि पहले ही चरण में वित्तीय सुरक्षा के अंतिम लक्ष्य को कमजोर कर देती है। आम धारण बन गई है कि बीमा उद्योग इससे जुड़ी कंपनियों के आर्थिक हितों और जन के हितों के टकराव के रूप में स्थापित है। इसमें जनहित की प्राथमिकता नहीं होती बल्कि कंपनी का मुनाफा कमाने को तरजीह दी जाती है। अपना टारगेट पूरा करने के लिये उपभोक्ताओं को जबरन पॉलिसी चिपकाने वाले एजेंटों से लेकर ऐसे फील्ड अफसरों की लंबी सूची है, जिनकी प्राथमिकता बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने की ही होती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की कीमत पर बीमाकर्ता व अस्पतालों के अपवित्र गठबंधन ने इसकी विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाये हैं। दरअसल, विनियामक नियंत्रण अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा जवाबदेही का घोर अभाव पाया गया है। इसके साथ ही बीमा पॉलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है। बीमा पॉलिसी के प्रावधानों और लाभ को लेकर सरलीकृत भाषा की हमेशा कमी महसूस की जाती है। इन मुद्दों को लेकर विभिन्न परिवारों और मित्रों में बीमा कवरेज को लेकर उत्साहजनक चर्चाएं समय की मांग है। वास्तव में जिस चीज को प्राथमिकता दी जाने की जरूरत है, वह है लेन-देन के दृष्टिकोण में बदलाव लाना। निस्संदेह, बीमा महज व्यापारिक लेन-देन मात्र नहीं है। बीमा उत्पादों से मानवीय पक्ष सशक्त रूप में जुड़ा होता है। हर हाल में उपभोक्ता कल्याण को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बीमा धोखाधड़ी में जोखिम कारक को ध्यान में रखते हुए, जांच पर निर्भर रहना सामान्य बात है।

बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी-छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन-कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है।

दृष्टि कोण

आंतरिक जगत से अनभिज्ञता ही दुखों का कारण

विडंबना यह है कि आज हमारा जीवन इतना कृत्रिम हो चला है कि हमने भौतिक सुख-सुविधाओं को ही जीवन का अंतिम हासिल मान लिया है। लेकिन वास्तव में यह मानवीय मूल्यों के क्षरण और आंतरिक शक्तियों के पराभाव का कारक है। हम अपने जीवन की उस गहन यात्रा से वंचित हो जाते हैं जो हमें भीतर की दुनिया की ओर ले जाती है। निस्संदेह, मनुष्य तभी पथभ्रष्ट और अमानवीय कृत्य करता है जब वह अंतर्मन की आवाज को अनसुना कर देता है। यही वजह है कि आज हमारा समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। सही मायनों में संवेदनशीलता मनुष्य का अपरिहार्य गुण है। यह उच्च मानवीय अभिव्यक्ति है। ये भाव उसी व्यक्ति में मुखरित होते हैं जिसे अंतर्ज्ञान का बोध हो जाता है। यही भाव मनुष्य में परोपकार की भावना को जाग्रत करता है। दरअसल, कोई भी मनुष्य तब तक संपूर्ण नहीं हो सकता है जब तक कि वह खुद को न जान ले। दरअसल, जिस खुशी को हम भौतिक वस्तुओं व लिप्साओं में तलाशते हैं वह तो नश्वर संसार में हमारे क्षरण का जरिया है। दरअसल, असल खुशी तो आंतरिक होती है। जो हमारी मनःस्थिति पर निर्भर करती हैं। सही मायनों में सांसारिक सुखों में ही हमारे दुख के कारक निहित होते हैं। लेकिन अंतर्मन के ज्ञान को हासिल करने वाला व्यक्ति हर हाल में सुखी रहता है। उसकी खुशी वास्तविक है और दीर्घकालीन होती है। सही मायनों में खुद को जानकर ही मनुष्य आध्यात्मिक की राह में आगे बढ़ सकता है। दरअसल, आज मनुष्य जिन मनोकायिक रोगों से जूझ रहा है उसके मूल में जीवन की कृत्रिमताएं हैं। हमारा जीवन लगातार यांत्रिक होता जा रहा है। सही मायनों में हम आज मशीनी जीवन शैली के पुर्जे मात्र बनकर रह गए हैं। विडंबना यह है कि हमारे जीवन का

यह यांत्रिक चक्र जीवन पर्यंत यूं ही चलता रहता है। जब तक हमें वास्तविकता का अहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। दरअसल, हमारे पूर्वजों ने आश्रम व्यवस्था का सूत्रपात इसीलिए किया था कि एक निश्चित समय के बाद सांसारिक दायित्वों से मुक्त होकर वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम के जरिये अंतर्मन की यात्रा की ओर उन्मुख हो सकें। लेकिन पश्चिमी जीवन शैली का अंधानुकरण करके हम आज जीवन में पंच-क्लेषों का ही अंगीकार कर रहे हैं। हमारे जीवन में आलस्य व प्रमाद का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। हम सात्विक जीवन शैली से विमुख होते जा रहे हैं। मनुष्य को पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के साथ ही खुद से पूछना चाहिए कि मेरे जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है... मेरा अंतर्मन से संवाद क्यों स्थापित नहीं हो पा रहा है... क्या कभी हमने अपनी आंतरिक शक्तियों को जानने का प्रयास किया... क्या हम आत्मविश्लेषण कर पा रहे हैं कि हमारे जीवन के लक्ष्य क्या हैं...। दरअसल, हम सजगता व व्यवस्थित जीवन शैली के जरिये ही गहन जीवन दृष्टि हासिल कर सकते हैं। जो हमारी अंतर्दृष्टि को जगाने में सहायक हो सकती है। कालांतर हमारी आंतरिक प्रेरणाएं ही हमारे वास्तविक जीवन का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। दूसरे शब्दों में आत्मविश्लेषण के जरिये ही हम आत्मोन्नति की राह पर चल सकते हैं। दरअसल, एक आईना है आत्मविश्लेषण, जो हमें गहन आंतरिक यात्रा की ओर ले जाने में बाधक तत्वों से मुक्ति प्रदान करता है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों ने योग के जरिये हमारी आंतरिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें अष्टांग योग मददगार होता है। यम-नियम से जहां हमारा जीवन सात्विक होता है, वहीं आसन से हमारी ध्यान में बैठने की प्रक्रिया सुगम होती है। ध्यान व धारणा इसमें सहायक होते हैं। कालांतर ऋषि मुनि व साधक मोक्ष की राह की ओर अग्रसर होते हैं। हम जब साक्षी भावों से अपने मनोभावों का विश्लेषण करते हैं तो हम आंतरिक दुनिया से जुड़ते हैं। फिर हमारे तमाम संशय क्षीण होते जाते हैं। कमोबेश अनिर्णय की स्थिति खत्म होती है। हम खुद में एक नई ऊर्जा महसूस करते हैं। वास्तव में हर व्यक्ति को ईमानदारी से आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि उसके जीवन में विचारों का भटकाव क्यों है, जिस अध्यात्म के अनुकरण का दिखावा वह कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 जुलाई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 02:08 तक
नक्षत्र : हस्त दोपहर 01:51 तक
योग : परिघ सायं 06:34 तक
करण : बव दोपहर 02:08 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 03:09 तक
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दिल्ली-जयपुर के बीच नया ग्रीनफील्ड स्पर तैयार : नितिन गडकरी

जयपुर/नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे और जयपुर को जोड़ने वाला 66.9 किलोमीटर लंबा, 4–लेन वाला ग्रीनफील्ड बांदीकुई स्पर बनकर तैयार हो गया है। यह जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है।

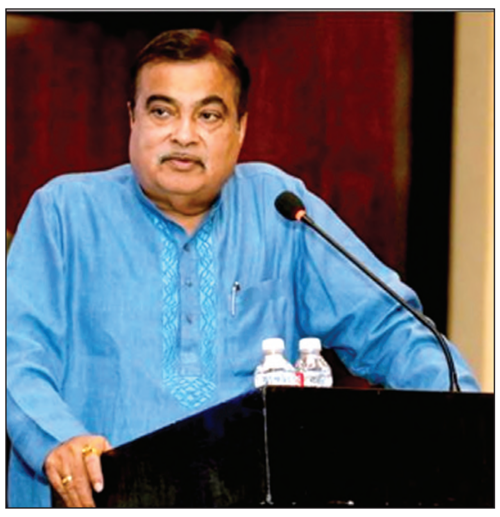

उनके मुताबिक, इस परियोजना पर 2,016 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह नया स्पर दिल्ली और जयपुर के बीच सीधी और नियंत्रित कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे यात्रियों को अब लंबी और ईंधन खर्च करने वाली यात्राओं से छुटकारा मिलेगा।

नितिन गडकरी के अनुसार, इस नए स्पर से दिल्ली–जयपुर के बीच यात्रा का समय 3 घंटे 45 मिनट से घटकर केवल 3 घंटे रह जाएगा। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–48 और एनएच–21) पर ट्रैफिक जाम की समस्या भी कम होगी।

नितिन गडकरी के मुताबिक, यह परियोजना क्षेत्र में गतिशीलता को बेहतर बनाएगी और सड़क यात्रा को और सुगम करेगी। इस स्पर के बनने से जयपुर के पर्यटन स्थलों, जैसे आमेर किला और जंतर मंतर, तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, वाहनों की टूट–फूट कम होगी और स्थानीय किसानों, खासकर फल–सब्जी उत्पादकों को दिल्ली के बड़े बाजार तक आसानी से पहुंचने का मौका मिलेगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। यह परियोजना सरकार की बुनियादी ढांचा विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह न केवल यात्रा को आसान बनाएगा, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास में भी योगदान देगा। इस स्पर के पूरा होने से दिल्ली–जयपुर मार्ग पर यात्रा अब और भी तेज, सुरक्षित और किफायती होगी।

चिकित्सा मंत्री ने की समीक्षा, मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए पुख्ता प्रबंधन करने के दिए निर्देश

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में मानसून का दौर प्रारंभ हो चुका है। इसे देखते हुए सभी जिलों में मौसमी बीमारियों पर रोकथाम, जांच एवं उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिन जिलों में बारिश अधिक हो रही है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि मौसमी बीमारियों के केस नियंत्रण में रहें।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर मौसमी बीमारियों की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि विगत वर्ष मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम की गई थी, जिसके चलते केसों की संख्या कम रही और मौतें भी नगण्य रहीं। इस वर्ष भी माकूल प्रबंधन करते हुए मौसमी बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी मानव संसाधन की और आवश्यकता है, तत्काल अवगत कराएं। अस्पतालों में दवाओं की समुचित उपलब्धता और जांच उपकरणों की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में नियमित रूप से रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही, राज्य एवं जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत प्रदेशभर में स्वीकृत नए चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी संबंधित जिला कलक्टर के माध्यम से जमीन आवंटन की कार्यवाही को पूरा कराने में गंभीरता बरतें, ताकि नए संस्थानों के भवनों का जल्द निर्माण हो और प्रदेश में स्वास्थ्य का आधारभूत ढांचा मजबूत हो। चिकित्सा मंत्री ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान की समीक्षा करते हुए प्रदेश की अधिकाधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग, जांच एवं उपचार गतिविधियां व्यापक स्तर पर संचालित हो। आमजन को जागरूक कर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाएं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। सीएमएचओ यह ध्यान रखें कि चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं उपचार की व्यवस्थाओं में किसी तरह की कमी नहीं रहे।

अधिकारी कार्यक्षेत्र में रहे, बारिश से सड़क खराब हो तो तत्काल सही करवाये : दिया कुमारी

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिये है बरसात के मौसम में सड़के ख़राब होती है तो उन्हें तत्काल ठीक करवाया जाये ताकि आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा है कि अधिकारी यह सुनिश्चित करे की बारिश की वजह से रोड ख़राब होने से यातायात बाधित न हो ,अधिकारी फिल्ड में रहकर इसकी मॉनिटरिंग करें । उप मुख्यमंत्री बुधवार को शासन सचिवालय में जोधपुर जोन प्रथम एवं बांसवाड़ा जोन की सड़क एवं अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिये आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थी । गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में पीडब्ल्यूडी के कार्यो की प्रगति के लिये हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठक आयोजित जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने जोधपुर , पाली, सिरोही, फलोदी , जालौर , बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों की सड़क परियोजनाओं की प्रगति की माइक्रो लेवल पर समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में राह सुगम करने हेतु बनाये जा रहें अटल पथो के साथ नाली जरूर बनाई जाये। उन्होंने बरसाती मौसम को ध्यान रखते हुए सड़को की रिपेयर और सड़क किनारे जंगल सफाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा 2024–25 के कामों को शीघ्र पूरा करवाने एवं बजट घोषणा 2025–26 के घोषित कामों की निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर काम शुरू करवाने के निर्देश दिए।

पर्यटन विभाग की विभागीय सेवाओं को ऑनलाइन करने के निर्देश

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति एवं अध्यक्ष आरटीडीसी राजेश यादव की अध्यक्षता में आयुक्त पर्यटन एवं प्रबंध निदेशक आरटीडीसी रुक्मणी रियाड़ की उपस्थिति में सोमवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

प्रमुख शासन सचिव ने विभागीय योजनाओं / स्कीम्स के क्रियान्वयन व प्रगति,निर्माण कार्यों की प्रगति एवं केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन व प्रगति जैसे बिंदुओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विभाग में जहां पद खाली है वहां कार्यबाधित न हो इस हेतु वैकल्पिक रूप से आउटसोर्स किया जाए।उन्होंने निदेशालय द्वारा उल्लेखित 13 पर्यटन अधिकारी 20 सहायक पर्यटन अधिकारी के पदों के लिए वैकल्पिक रूप ममें आउटसोर्स किये जाने के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन को एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से निदेशालय और अधीनस्थ कार्यालयों का विवरण देते हुए बताया गया कि वर्तमान में पर्यटन विभाग का एक निदेशालय और अधीनस्थ कार्यालय और 04 क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय 15 पर्यटक स्वागत केन्द्र ,14 पर्यटक सूचना केन्द्र 14 हैं। राज्य के राज्य के बाहर 01 पर्यटक स्वागत केन्द्र तथा 4 पर्यटक सूचना केन्द्र स्थापित हैं।

भजनलाल सरकार ने शुरू की पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रदेश के बीपीएल ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए शुरू की गई 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' के तहत पहले चरण में 5 हजार गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों के चयनित बीपीएल परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए 300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को नया आयाम देने की की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

योजना के तहत ऐसे परिवार जो अपने प्रयासों से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं, उन्हें सम्मान स्वरूप 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े में ऐसे परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा रहा है। ऐसे 22400 परिवारों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि हस्तान्तरित की जाएगी। अब तक 17 हजार 891 परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप 'आत्मनिर्भर परिवार कार्ड' भी प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत चयनित गांवों में आत्मनिर्भर परिवारों के अतिरिक्त जिन परिवारों को गरीबी से उबरने में सहायता की आवश्यकता है, उन्हें आय सृजन, कौशल विकास, वित्तीय समावेशन के लिए राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। अब तक 61 हजार 442 परिवारों के आवेदन प्राप्त किये जा चुके हैं। योजना के पहले चरण में राज्य के 5002 गांवों में कुल 30,631 बीपीएल परिवारों को चिन्हित किया गया है। चिन्हित समस्त परिवारों का भौतिक सर्वे पूर्ण कर लिया गया है तथा इनका बीपीएल जनगणना 2002 के आंकड़ों का मिलान कर वेब पोर्टल पर सर्वे इन्द्राज कर दिया गया है। सर्वे के आधार पर प्रत्येक गांव के लिए 'गरीबी मुक्त गांव कार्य–योजना' बनाई जा रही है। इस योजना में सरकार की अन्य योजनाओं का भी समन्वय किया जा रहा है ताकि गांवों का समग्र विकास हो सके। इस योजना का मूल उद्देश्य बीपीएल जनगणना 2002 के अनुसार चिन्हित परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जाएगी। योजना के तहत बीपीएल परिवारों को स्वरोजगार और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी। इसी तरह स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रति परिवार 15 हजार रुपये तक की कार्यशील पूंजी दी जाएगी।इस योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में विशेष वित्तीय पुरस्कार भी दिए जाएंगे। त्रैमासिक रैंकिंग के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जिलों को क्रमशः 50 लाख, 35 लाख और 25 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

दूसरे चरण में भी 5002 गांवों को चयनित किया गया है, जहां बीपीएल परिवारों का सर्वेक्षण जारी है।

समाधान शिविरों के दौरान प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें उपायुक्त : मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मौजूदा मॉनसून सीजन के मद्देनजर अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ड्रेनों की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से बचने के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बरसाती पानी के त्वरित निकासी के लिए पर्याप्त संख्या में पंपों की व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सभी उपायुक्त अपने–अपने जिलों में बारिश के पानी की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने उपायुक्तों को जलभराव के संभावित स्थानों की पहचान कर तदनुसार उचित कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में उपलब्ध पंपों की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पंपों को पूरी तरह चालू स्थिति में रखा जाए ताकि वर्षा जल की निकासी में कोई समस्या न हो। साथ ही उन्होंने सभी उपायुक्तों को अपने जिलों में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के पास उपलब्ध पंपों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका समुचित उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपायुक्त निर्धारित प्रारूप में पंपों की उपलब्धता से संबंधित जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पंप सेटों की निर्बाध संचालन के लिए बिजली बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।ड्रेनों की सफाई की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विशेष रूप से नगरों एवं शहरों से गुजरने वाले ड्रेनों की समुचित सफाई की जाए ताकि ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न न हो सके। उन्होंने फरीदाबाद में गौंछी ड्रेन को कवर करने की संभावना तलाशने और राज्य की अन्य ड्रेनों के लिए भी इसी प्रकार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत शगुन राशि में 10,000 की वृद्धि

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। अब प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के पात्र परिवारों को बेटियों के विवाह के अवसर पर 51,000 की शगुन राशि प्रदान की जाएगी, जो पहले 41,000 थी।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकृति दिए जाने के बाद यह योजना पिछड़ा वर्ग कल्याण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है – कोई भी परिवार केवल आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटी के विवाह में असहाय न महसूस करे। इस सहायता से न सिर्फ आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बल मिलेगा।

गरीब विरोधी भाजपा सरकार ने दिया कुछ नहीं : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने बीपीएल परिवारों को मिलने वाले सरसों तेल के दाम में 150% वृद्धि तुरंत वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार सरसों तेल के बढ़े हुए दाम वसूलकर 1.86 करोड़ लोगों की जेब पर डाका डाल रही है। प्रदेश में करीब 46.43 लाख कार्ड धारक हैं। प्रति कार्ड चार सदस्य की गणना के हिसाब से सीधे 1.86 करोड़ लोगों पर इस फैसले की चोट पड़ी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने अभी बिजली महंगी की, अब सरसों तेल ढाई गुना महंगा कर लोगों का जीना दूभर कर दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने भाजपा सरकार को जनविरोधी और गरीबविरोधी बताते हुए कहा कि जब से बीजेपी सत्ता में आई है वो सिर्फ लोगों को लूटने में लगी है।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने याद दिलाया कि प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय गरीबों के लिए अनेक जनकल्याण योजनाएं चलाई जाती थी जिन्हें बीजेपी ने सत्ता में आते ही घोटाले करके बंद कर दिया। बीजेपी सरकार ने दिया कुछ नहीं, जो था उसे भी छीन लिया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के लिये दाल–रोटी योजना चलायी लेकिन, भाजपा सरकार ने उसमें घोटाला करके योजना ही बंद कर दी। दाल–रोटी, नमक और सरसों तेल बंद करने के बाद स्कूली बच्चों के वजीफे को भी सरकार ने बंद कर दिया।हुड्डा ने कहा कि हरियाणा पहला ऐसा प्रदेश था जहां एससी वर्ग के बच्चों को पहली जमात से वजीफा मिलता था। कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय गरीब और वंचित वर्ग को 100–100 गज के मुफ़्त प्लॉट, मकान बनाने के लिए अनुदान दिया जाता था। यही नहीं, मुफ्त पानी का कनेक्शन, पानी की टंकी, घर तक पाइप और नल की योजना को भी बीजेपी सरकार ने बंद कर दिया।

अवैध खनन के खिलाफ योगी सरकार की सख्त कार्रवाई

अवैध खनन पर एआई और ड्रोन से कसी नकेल

21 हजार से अधिक वाहन ब्लैक लिस्टेड

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। योगी सरकार ने प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर रोकथाम के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। प्रदेश में 57 एआई और आईओटी आधारित चेकगेट्स स्थापित किए गए हैं, जो खनन में शामिल वाहनों की कड़ी निगरानी कर रहे हैं।

इन चेक गेट पर परिवहन विभाग के सहयोग से वेट-इन-मोशन तकनीक का उपयोग कर ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाया जा रहा है। अब तक 21,477 वाहनों को अवैध परिवहन के लिए ब्लैक लिस्टेड किया गया है। इसके अतिरिक्त, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग गूगल अर्थ, आर्क-जीआईएस और लिस-4 उपग्रह डेटा के माध्यम से अवैध खनन की पहचान और नए खनिज क्षेत्रों की खोज कर रहा है।

विभाग की रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला (पीजीआरएस लैब) भूवैज्ञानिक मानचित्र तैयार कर रही है और स्वीकृत खनन पट्टों की निगरानी कर रही है।

इससे रेत, मोरंग और अन्य लघु खनिजों के नए खनिज समृद्ध क्षेत्रों की पहचान संभव हुई है। वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) के तहत उप खनिजों के परिवहन में शामिल वाहनों पर एआईड140 कम्पैटिबल जीपीएस उपकरण लगाए जा रहे हैं। इन उपकरणों को विभागीय वीटीएस मॉड्यूल से जोड़ा जाएगा, जिससे रियल-टाइम ट्रैकिंग, रूट डेविएशन अलर्ट और एमआईएस रिपोर्ट्स के जरिए अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। पहली बार परिवहनकर्ताओं को हितधारक बनाते हुए उनका पंजीकरण भी शुरू किया गया है।

ड्रोन तकनीक का उपयोग कर खनन क्षेत्रों की लंबाई, चौड़ाई और गहराई का आकलन किया जा रहा है। ड्रोन के माध्यम से वॉल्यूमैट्रिक एनालिसिस के जरिए खनन की मात्रा का सटीक अनुमान लगाया जाता है, जिसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। इसके अलावा, भंडारित उप खनिजों का भी ड्रोन से वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण किया जा रहा है। ड्रोन की मदद से खनन योग्य क्षेत्रों का चिह्नांकन कर पट्टों का व्यवस्थापन किया जा रहा है, जिससे अधिकतम खनन योग्य क्षेत्रों का उपयोग संभव हो सके।

योगी सरकार की इन पहलों से अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिल रही है। समय-समय पर पट्टों की जांच और तकनीकी निगरानी से पारदर्शिता बढ़ी है और खनन माफिया पर नकेल कसी गई है। ये कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि प्रदेश में खनन क्षेत्र में सुशासन और जवाबदेही को भी मजबूत कर रहे हैं। योगी सरकार की यह सख्ती और तकनीकी दृष्टिकोण अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बन सकता है।

अब लखनऊ में जमीन, मकान दुकान खरीदना होगा महंगा

10 वर्ष के बाद जारी हुआ नया डीएम सर्किल रेट

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ प्रशासन ने 10 वर्ष के बाद नया डीएम सर्किल रेट जारी कर दिया है। इसके बाद से जमीन, मकान और दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। ये रेट एक अगस्त से लागू किए जाएंगे। नया सर्किल रेट लागू होने के बाद राजधानी लखनऊ में जमीन, मकान, दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। 10 वर्ष बाद प्रस्तावित नया डीएम सर्किल रेट जारी किया गया है। आपत्तियां दूर करने के बाद एक अगस्त से इसको लागू किया जाएगा। नए डीएम सर्किल रेट में कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों पर 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। दुकान, कार्यालय व गोदाम पर औसतन 20 फीसदी की वृद्धि की गई है।

इससे पहले 2015 में जब नया सर्किल कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी रेट तय किया गया था, उस दौरान कुछ ऐसे स्थान थे, जहां दुकान, कार्यालय व गोदाम के रेट कम थे। इसे विसंगति मानते हुए इस बार दूर किया गया है। ऐसी जगहों के रेट 40 फीसदी तक बढ़ाए गए हैं। अब इनमें समानता हो गई है।

अहम बदलाव के तहत गैर कृषि भूखंड और भवन, जिसकी चौहद्दी में यदि कोई व्यवसायिक गतिविधि है, तो ऐसे भूखंडों व भवनों की दर निर्धारित करने के बाद 20 फीसदी मूल्य बढ़ाया जाएगा। इसका मतलब है कि यदि किसी गैर कृषि भूखंड के अगल-बगल दुकान, गोदाम आदि है तो खरीदार को 20 फीसदी अधिक मूल्य देना होगा। यदि कोई इसे बेचेगा तो भूमि का मूल्यांकन निर्धारित गैर कृषि दर से 50 फीसदी बढ़ाकर किया जाएगा। कृषि भूमि में फलदार व बिना फलदार वृक्ष की वर्तमान दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जो दर पहले थी, वही लागू रहेगी। जो दरें प्रस्तावित की गई हैं उससे संबंधित सुझाव और आपत्तियां दो से 17 जुलाई के बीच सुबह 10 से पांच बजे तक सभी उप निबंधक कार्यालयों, सहायक महानिरीक्षक निबंधन के कार्यालय में दी जा सकती है। निस्तारण 27 जुलाई तक होगा। जिलाधिकारी विशाख जी का कहना है कि बीते दशक में शहर में बड़े पैमाने पर विकास हुआ है। सेगमेंट सड़कें विहिनत की गई हैं। जो भी आपत्तियां या सुझाव हैं वह मेल के जरिए या फिर सीधे संबंधित अफसर के कार्यालय में दे सकते हैं।

लखनऊ की 26 प्रमुख कॉलोनियों के सर्किल रेट में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। गोमतीनगर में न्यूनतम 33 हजार और अधिकतम 77 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर प्रस्तावित है, जो सबसे अधिक है। गोमती नगर कॉलोनी का सर्किल रेट सबसे अधिक प्रस्तावित है। दूसरे स्थान पर महानगर और तीसरे पर इंदिरानगर है। कुल 26 प्रमुख कॉलोनियों के सर्किल रेट जारी किए गए हैं।

ओबीसी युवकों को मिलेगा मुफ्त तकनीकी प्रशिक्षण

कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना में 14 जुलाई तक होगा आवेदन

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना 2025-26 के तहत अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। योजना के अंतर्गत 14 जुलाई 2025 तक आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। इस योजना के लिए वर्ष 2025-26 में 35.00 करोड़ की राशि प्राविधानित की गई है।

योजना के अंतर्गत इस बार कुल 435 संस्थाओं ने आवेदन किया था, जिनमें से नियमों के अनुरूप पात्र 299 संस्थाओं का चयन किया गया। इनमें 52 संस्थाएं ओ-लेवल, 43 संस्थाएं सीसीसी और 204 संस्थाएं दोनों प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान करेंगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि योजना के तहत इंटरमीडिएट पास बेरोजगार युवक-युवतियां, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 1 लाख या उससे कम है, वे लाभार्थी बन सकते हैं। ओ लेवल कोर्स की 1 वर्ष की अवधि होती है, जिसमें 15,000 तक की सहायता मिलती है। वहीं, सीसीसी कोर्स की 3 माह की अवधि है, जिसमें 3,500 तक की सहायता दी जाती है। यह सहायता प्रत्यक्ष रूप से चयनित संस्थाओं को दी जाएगी। यदि किसी लाभार्थी ने खुद शुल्क अदा किया है तो प्रमाण-पत्र सत्यापन के बाद उसे भुगतान किया जाएगा।

संस्थाओं का चयन निदेशक स्तर पर गठित समिति द्वारा किया जाता है, जबकि लाभार्थियों का चयन जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाएगा।योजना की नियमावली में संशोधन कर 9 अप्रैल 2025 को निदेशालय द्वारा संशोधित प्रस्ताव जारी किया गया था, जिससे आवेदन प्रक्रिया और पारदर्शी हो गई है।

35.78 लाख निराश्रित महिलाओं को मिली पहली तिमाही की पेंशन

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। योगी सरकार ने एक बार फिर संवेदनशील और जनकल्याणकारी प्रशासन का परिचय देते हुए प्रदेश की लाखों निराश्रित महिलाओं के जीवन में उम्मीद का उजाला फैलाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में राज्य सरकार ने 35,78,000 निराश्रित महिलाओं के खातों में 3000 की पेंशन राशि (1000 प्रति माह) ट्रांसफर कर दी है। यह धनराशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों को भेजी गई है। इस तिमाही में 47,800 नई लाभार्थियों को भी पहली बार योजना से जोड़ते हुए राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र महिला लाभ से वंचित न रहे।

इससे पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 35,30,311 महिलाओं को यह लाभ मिला था, यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि योगी सरकार की योजना विस्तार और समावेशन की दिशा में तेजी से अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही यह योजना पति की मृत्यु के बाद आर्थिक संकट झेल रही महिलाओं को न सिर्फ आर्थिक सहारा देती है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने की शक्ति भी प्रदान करती है।

यह योजना राज्य की उन महिलाओं के लिए है, जिनका जीवनसाथी अब इस दुनिया में नहीं रहा और जो स्वयं की आजीविका के लिए संघर्ष कर रही हैं। योगी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि केवल वास्तविक जरूरतमंद महिलाएं ही इस योजना से

लाभान्वित हों। इसके लिए सत्यापन की एक सशक्त और पारदर्शी प्रक्रिया तैयार की गई है। वर्तमान तिमाही के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 28,56,821 महिलाओं को योजना का लाभ मिला है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 7,21,290 महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत किसी भी महिला को लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ बुनियादी शर्तें निर्धारित की गई हैं। लाभार्थी महिला उत्तर प्रदेश की स्थायी निवासी होनी चाहिए, उसकी आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और उसके पति की मृत्यु हो चुकी हो। साथ ही, परिवार की वार्षिक आय 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए और वह किसी अन्य केंद्र या राज्य सरकार की पेंशन योजना से लाभ नहीं ले रही हो। आवेदन प्रक्रिया को भी सुनियोजित रूप से विभाजित किया गया है। आवेदन मिलने के बाद संबंधित विभाग 45 दिनों में दस्तावेजों की जांच करता है। उसके बाद खंड विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी या नगर मजिस्ट्रेट स्तर पर 15 दिनों के भीतर अनुमोदन किया जाता है। इसके बाद जनपद स्तरीय अनुश्रवण व स्वीकृति समिति एक माह के भीतर अंतिम स्वीकृति देती है। अंतिम रूप से, एनआईसी और पीएफएमएस के सहयोग से पेंशन की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे योजना में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होती है।

महिला कल्याण विभाग के उपनिदेशक व पेंशन योजना के नोडल अधिकारी बीएस निरंजन ने बताया कि योगी सरकार की इस योजना का विशेष फोकस ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं पर है। इन क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि पात्र महिलाएं योजना से वंचित न रहें। हर ब्लॉक और तहसील स्तर पर नोडल अधिकारियों की तैनाती कर आ-वेदन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाया गया है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 28,56,821 लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित हुई।

डेढ़ करोड़ के प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद, तीन गिरफ्तार

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। खाद्य एंव औषधि प्रशासन (एफएसडीए) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने बुधवार को ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। बुद्धेश्वर चौराहा, मोहान रोड स्थित हनुमंत किराना एवं जनरल स्टोर से ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन का अवैध धंधा चल रहा था। छापेमारी के दौरान करीब डेढ़ करोड़ रुपए का प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद किया गया।

एफएसडीए के सहायक आयुक्त बृजेश कुमार ने बताया कि मोहान रोड पर प्रतिबंधित इंजेक्शन के कारोबार की सूचना मिली थी। एसटीएफ में अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार नागर से संपर्क किया। संयुक्त टीम का गठन किया गया। बुधवार को पुलिस बल के साथ मोहान रोड स्थित हनुमंत किराना एवं जनरल स्टोर

पर छापेमारी की कार्रवाई हुई। छापे में भारी मात्रा में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन और पैकिंग संबंधित सामग्री बरामद हुई। इसकी अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। अवैध कारोबार चला रहे तीन लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। इसमें सीतापुर के बिसवां थाना निवासी खगेश्वर, बुद्धेश्वर मॉडल सिटी मोहान रोड के अवधेश पाल और बुद्धेश्वर मायापुरम के अनमोल पाल शामिल हैं। तीनों के खिलाफ काकोरी थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है। छापेमारी के दौरान दो लाख से अधिक शीशीयां बरामद की गई हैं।

75 बोगस फर्मों से 200 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी

रिक्शा चालक को मालिक बनाकर किया 10 करोड़ का धंधा

मुरादाबाद, 02 जुलाई (ब्यूरो)। मुरादाबाद मंडल की 75 बोगस फर्मों द्वारा करीब 200 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। इन फर्मों ने 1200 करोड़ रुपए का फर्जी टर्नओवर दिखाया था। ठाकुरद्वारा, रामपुर और उत्त-राखंड के काशीपुर-जसपुर के लकड़ी कारोबारियों की संलिप्तता पाई गई है। जांच के दौरान पांच नई बोगस फर्मों से 10 करोड़ की टैक्स चोरी उजागर हुई।

मुरादाबाद मंडल की 75 बोगस फर्मों ने करीब 200 करोड़ की जीएसटी चोरी की है। इन फर्मों ने 1200 करोड़ रुपए का टर्नओवर दर्शाया है। इस मकड़जाल में मुरादाबाद, उत्तराखंड, रामपुर के लकड़ी कारोबारी शामिल हैं। जांच करने पहुंचे राज्य कर एक अधिकारी ने ठाकुरद्वारा की एक फर्म के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए पुलिस को तहरीर दी है। अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह, ग्रेड-2 आरए सेठ जीएसटी चोरी के मामलों की छानबीन के लिए मंगलवार को ठाकुरद्वारा पहुंचे। जांच के दौरान पांच बोगस फर्मों से दस करोड़ की टैक्स चोरी का मामला प्रकाश में आया। उत्तराखंड के काशीपुर, जसपुर और यूपी के ठाकुरद्वारा में जीएसटी चोरी करने के लिए लकड़ी की पांच-पांच बोगस फर्में बनाई गई थी।

एक ही मोबाइल नंबर पर इन फर्मों का सीजीएसटी में रजिस्ट्रेशन कराया गया है। ठाकुरद्वारा में एसके एंटरप्राइजेज के स्वामी मोहम्मद यामीन, जिंदल इंटरप्राइजेज के सैफ अली, एचएन ट्रेडर्स के कमर अली, लेंबा ट्रेडर्स के नफीस अहमद और एजेड ट्रेडर्स के अजीम उर रहमान शामिल है। राज्य कर अधिकारियों ने बुध बाजार, पंजाब नेशनल बैंक, मुख्य बाजार, नूरी मार्केट सहित कई स्थानों पर जाकर बोगस फर्मों के पते की तलाश की लेकिन किसी का सही लोकेशन नहीं मिल सका। अपर आयुक्त ग्रेड-2 का कहना है कि 2020 से अभी तक की बोगस फर्मों की जांच चल रही है। इनमें 1200 करोड़ का टर्नओवर और 200 करोड़ की जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। इसी कारण शासन भी मुरादाबाद की जीएसटी चोरी को जड़ से उखाड़ने के लिए सक्रिय है।

लकड़ी का कारोबार करने से जताई अनभिज्ञता इस बीच टीम ने मोबाइल नंबर पर रजिस्ट्रेशन करने वाले की तलाश की गई। राज्य कर की टीम ने उसे तिकोनिया स्टैंड पर बस से उतरते हुए पकड़ लिया। उसने अपना नाम यामीन बताया है। पता चला कि यामीन के नाम पर करीब पांच करोड़ का टर्नओवर दिखाया गया है। पूछने पर उसने लकड़ी का कारोबार करने से अनभिज्ञता जताई है। जांच में एक रिक्शा चालक ने राज्य कर अधिकारियों को बताया कि वह एक दिन उत्तराखंड के काशीपुर स्थित जन सुविधा केंद्र गया था। वहां कुछ लोगों ने पैसे का लालच देकर कागजात मांगे। पता चला कि रिक्शा चालक को सीजीएसटी में फर्म का मालिक घोषित कर दस करोड़ की खरीद फरोख्त की गई है।

यूपी में 1,111 करोड़ की लागत से बनेंगे 10 पुल

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में लोक निर्माण विभाग ,111 करोड़ की लागत से 10 पुलों का निर्माण करेगी। इसे इस वित्तीय वर्ष में पूरा किया जाना है। इस योजना के जरिए जिन सेतुओं का निर्माण होना प्रस्तावित है उसमें मुख्यतः रेल ओवरहेड ब्रिज (आरओबी) और रेल अंडर ब्रिज (आरयूबी) प्रस्तावित है। इसके साथ ही, सीआरआई फंड के इस्तेमाल से मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्यों को पूरा करने की तैयारी है।

इसे उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की देखरेख में पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कार्यों के चयन का निर्धारण टीयूवी व उपयोगिता के आधार पर किया जाता है। टेन व्हीकल यूनिट्स (टीयूवी) लेवल क्रॉसिंग गेट्स के वर्गीकरण में इस्तेमाल होने वाला एक टर्म है। यह दर्शाता है कि एक दिन में औसतन कितनी ट्रेनें और यातायात वाहनों का उस सेक्शन से आना-जाना होता है। ऐसे में, सेतुओं के निर्माण में उन सेक्शंस पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है जिनकी टीयूवी संख्या अधिक है और इसे भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर कार्य हो रहा है।

केंद्रीय मार्ग एवं अवसंरचना निधि का इस्तेमाल प्रदेश में सेतु निर्माण के साथ ही मार्गों के निर्माण में भी किया जाना प्रस्तावित है। इसको लेकर भी लोक निर्माण विभाग द्वारा एक कार्य योजना तैयार की गई है। इसके अनुसार, भारत सरकार द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में 136 करोड़ की लागत से कार्यों को पूरा करने का अनुमोदन किया गया था जिसे इस वित्तीय वर्ष में पूरा किया जा सकता है।

यूपी में बिजली निजीकरण के खिलाफ देशभर में हुए प्रदर्शन

9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर बुधवार को देश भर में विरोध-प्रदर्शन हुआ। निजीकरण के विरोध में हुए प्रदर्शन में बिजली कर्मचारियों, अभियंताओं के साथ ही किसान संगठनों और उपभोक्ता संगठनों ने भी हिस्सा लिया। सभी ने नौ जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्वांचल और दक्षिणांचल का निजीकरण प्रस्ताव रद्द करने की मांग की गई। विभिन्न राज्यों में विरोध प्रदर्शन में संबंधित राज्यों की बिजली समस्या के साथ ही पूर्वांचल और दक्षिणांचल का मुद्दा उठा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और परियोजना कार्यालयों पर हुए प्रदर्शन में निजीकरण को भ्रष्टाचार की उपज बताया गया।

राजधानी लखनऊ में रेजिडेंसी पर हुए विरोध-प्रदर्शन में काफी संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा का बैनर लेकर किसान शामिल हुए। रेजिडेंसी और मध्यांचल मुख्यालय पर प्रदर्शन के बाद सभा हुई। इस दौरान पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण निगमों में घाटे के भ्रामक आंकड़ों देकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल

विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय लिया है, जिससे प्रदेश के बिजली कर्मियों में काफी गुस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में गलत पावर परचेज एग्रीमेंट के चलते विद्युत वितरण निगमों को निजी बिजली उत्पादन कंपनियों को बिना एक भी यूनिट बिजली खरीदे 6761 करोड़ का सालाना भुगतान करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त निजी घरानों से बहुत महंगी दरों पर बिजली खरीदने के कारण लगभग 10000 करोड़ सालाना का अतिरिक्त भार आ रहा है।

उत्तर प्रदेश में सरकारी विभागों पर 14400 करोड़ का बिजली राजस्व का बकाया है। प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार किसानों को मुफ्त बिजली दी जाती है, गरीबी रेखा से नीचे के बिजली उपभोक्ताओं को 03 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली दी जाती है। जबकि बिजली की लागत 07.85 रुपए पैसे प्रति यूनिट है। बुनकरों आदि को भी सब्सिडी दी जाती है। सब्सिडी की धनराशि ही लगभग 22000 करोड़ रुपए है। प्रदेश सरकार इन सबको घाटा बताती है और इसी आधार पर निजीकरण का निर्णय लिया गया है।

प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय नेताओं ने आरोप लगाया कि पावर कॉरप-ोरेशन लिमिटेड और शासन के कुछ बड़े अधिकारियों की कुछ चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिलीभगत है। वे लाखों करोड़ रुपए की बिजली की परिसंपत्तियों को कौड़ियों के मोल निजी घरानों को बेचना चाहते हैं। पूर्वांचल में प्रदेश की सबसे गरीब जनता रहती है। दक्षिणांचल में बुंदेलखंड के क्षेत्र में बेहद गरीब लोग रहते हैं जहां पीने के पानी की भी समस्या है।

स्टेट बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशन को दिया झटका, ऋण खाता फ्राड घोषित

कंपनी के ऋण को धोखाधड़ी बताया, अनिल अंबानी का नाम आरबीआई को भेजने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस को बड़ा झटका दिया है। बैंक ने कंपनी के ऋण खाते को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत करने के साथ ही पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को रिपोर्ट करने का फैसला भी किया है।

रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से इस संबंध में 23 जून का एक पत्र मिला है। कंपनी ने नियामक को बताया कि एसबीआई की धोखाधड़ी पहचान समिति ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लिया है। बैंक ने कहा कि वह आरबीआई के मास्टर निर्देशों और परिपत्रों के अनुरूप ऋण खाते और अनिल अंबानी के नाम की जानकारी केन्द्रीय बैंक को देने की कार्रवाई शुरू करने जा रहा है। 30 जून को प्राप्त पत्र में विभिन्न अनियमितताओं का हवाला दिया गया है, जिसमें रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) और अन्य समूह कंपनियों सहित संबंधित संस्थाओं के माध्यम से संभावित फंड डायवर्जन और ऋण शर्तों का उल्लंघन शामिल है। एसबीआई ने उल्लेख किया कि ये निर्णय कई कारण बताओ नोटिस और फोरेंसिक ऑडिट की जांच के बाद लिया गया है। इससे पहले नवंबर, 2024 में केनरा बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के खाते को भी धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था, जिस पर इस साल की शुरुआत में बॉम्बे हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

उल्लेखनीय है कि यह कार्रवाई जून, 2019 में अपनी कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू होने से पहले रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा प्राप्त क्रेडिट सुविधाओं के संबंध में है। तब से कंपनी के मामलों को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), मुंबई बेंच की देखरेख में रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल अनीश निरंजन नानावटी द्वारा प्रबंधित किया गया है, जो वर्तमान में एक अनुमोदित समाधान योजना की समीक्षा कर रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

जीएसटी स्लैब 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। इस साल की शुरुआत में आयकर रियायतों की एक श्रृंखला के बाद केंद्र सरकार अब वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) में कटौती कर मध्य और निम्न-आय वाले घरों में राहत देने की तैयारी कर रही है। सरकार आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी की दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी तक कम कर सकती है। इस बारे में फैसला जुलाई में होने वाली 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में हो सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि केंद्र सरकार 12 फीसदी जीएसटी टैक्स स्लैब को पूरी तरह से समाप्त करने यानी मौजूदा 12 फीसदी वाले वस्तुओं को 5 फीसदी वाले टैक्स स्लैब में लाने पर विचार कर रही है। इनमें टूथपेस्ट और टूथ पाउडर, छाते, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर और रसोई के बर्तन, इलेक्ट्रिक इस्त्री, गीजर, छोटी क्षमता वाली वाशिंग मशीन, साइकिल, 1,000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले रेडीमेड वस्त्र, 500 से एक हजार रुपये के बीच कीमत वाले जूते, स्टेशनरी आइटम, टीके, सिरेमिक टाइलें और कृषि उपकरण शामिल होंगे। जानकारों का मानना है कि अगर ऐसा होता है, तो वस्तुओं को उनकी प्रकृति के आधार पर 5 फीसदी या 18 फीसदी टैक्स स्लैब में स्थानांतरित किया जा सकता है। यह 2017 के बाद से सबसे बड़े जीएसटी परिवर्तनों में से एक होगा, जब देश में कर प्रणाली पहली बार पेश की गई थी। सरकार का यह कदम दैनिक उपयोग वाले सामानों के लिए कीमतों को कम करके मध्य और निम्न-आय वाले परिवारों की मदद कर सकता है।

कोयला उत्पादन 16 फीसदी और डिस्पैच 13 फीसदी 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़ा

नई दिल्ली। देश में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कोयला का रिकॉर्ड उत्पादन 15.57 मिलियन टन (एमटी) और डिस्पैच 17.31 मिलियन टन (एमटी) रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 16.39 फीसदी और डिस्पैच में 13.03 फीसदी की वृद्धि हुई है। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में इस वृद्धि को भारत के कोयला बुनियादी ढांचे के निरंतर मजबूत होने को दर्शाते हुए खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग और खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग का परिणाम बताया है। मंत्रालय ने एक ग्राफ के जरिये बताया है कि उत्पादन और डिस्पैच (प्रेषण) आंकड़े लगातार साल-दर-साल बढ़ गए हैं, जो कोयला क्षेत्र के ठोस प्रदर्शन का संकेत देते हैं। कोयला उत्पादन देशभर में प्रमुख उद्योगों की ऊर्जा और कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्रालय के मुताबिक उत्कल ए खदान के लिए खदान खोलने की अनुमति प्रदान की गई, जिसकी अधिकतम निर्धारित क्षमता 25 मीट्रिक टन है। इस दौरान तीन कोयला ब्लॉकों के लिए स्वामित्व आदेश जारी किए गए, जिससे कोयला मंत्रालय से आवंटित कोयला ब्लॉकों की कुल संख्या 200 से अधिक हो गई।

ईडी का 900 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी मामले में दिल्ली के 5 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को 900 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली में पांच ठिकानों पर छापेमारी की है। चीनी नागरिक से जुड़े साइबर धोखाधड़ी मामले में की गई है छापेमारी आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने एक चीनी नागरिक और कुछ अन्य लोगों द्वारा कथित तौर पर 900 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी किए जाने से जुड़े मामले की जांच के तहत दिल्ली में कई स्थानों पर तलाशी ली है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस धोखाधड़ी की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मामला भी दर्ज किया है। सूत्रों ने बताया कि जांच अधिकारी शिनदाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के खिलाफ जांच के सिलसिले में दिल्ली में 5 ठिकानों की तलाशी ली जा रही है। आरोप लगाया गया है कि आम जनता को निवेश के नाम पर धोखा दिया गया था ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आया। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में जॉब ओपिनिंग्स के बेहतर आंकड़े आने के बावजूद अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.11प्रतिशत टूट कर 6,198.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 166.84 अंक यानी 0.82प्रतिशत की कमजोरी के साथ 20,202.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 101.42 अंक 0.23प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,596.36 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,785.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.04प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 7,662.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 236.32 अंक यानी एक प्रतिशत लुढ़क कर 23,673.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.14प्रतिशत की तेजी के साथ 25,693 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,004.26 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 178.52 अंक यानी 0.74प्रतिशत उछल कर 24,250.80 अंक के स्तर पर पहुंचे हुए हैं।

दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.33प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,479.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.48 प्रतिशत लुढ़क कर 6,882.20 अंक के स्तर तक आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.25प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,050.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 293.98 अंक यानी 0.74प्रतिशत टूट कर 39,692.35 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत फिसल कर 1,108.11 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 3,456.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

इस्पात मंत्रालय ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश पर स्पष्टीकरण आदेश जारी किया

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को यह स्पष्ट किया कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 151 मानकों को लागू करने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश हाल ही में जारी किए हैं, जो अगस्त 2024 के बाद से पहला अपडेट है। उसके बाद कोई नया गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी नहीं किया गया है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 151 बीआईएस मानकों के प्रवर्तन के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए गए हैं। पिछला गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अगस्त 2024 में जारी किया गया था। उसके बाद से कोई नया गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी नहीं किया गया है। 13 जून, 2025 से प्रभावी यह नया निर्देश अनिवार्य करता है कि इस्पात उत्पादों के उत्पादन में उपयोग की जाने वाली मध्यवर्ती सामग्री भी बीआईएस मानकों का अनुपालन करेगी। मंत्रालय ने कहा कि निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी करना आवश्यक था। इसमें घरेलू उत्पादकों के लिए निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना, तैयार उत्पादों के लिए गुणवत्ता आश्वासन, घटिया आयात पर चिंता का समाधान और भविष्य की क्षमता और आर्थिक निहितार्थ शामिल है। इस निर्णय का उद्देश्य घरेलू निर्माताओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना और भारत में इस्पात उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

कौन हैं सत्यनारायण नुवाल......जिन्होंने मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी जैसे दिग्गजों को पछाड़ दिया

मुंबई, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

2025 की पहली छमाही में बाजार की स्पष्ट अस्थिरता के बावजूद, कई भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में भारी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, विदेशी और खुदरा निवेशक बड़े पैमाने पर किनारे पर रहे, और म्यूचुअल फंड ने भू-राजनीतिक तनाव और उच्च मूल्य इक्विटी बाजारों के बीच उच्च नकदी स्तर को बरकरार रखा। लेकिन इस दौरान एक अरबपति हैं जिन्होंने मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी जैसे दिग्गजों को पछाड़ दिया।

दरअसल हम बात कर रहे हैं सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया के सह-संस्थापक और अध्यक्ष सत्यनारायण नुवाल की। चालू वर्ष के पहले छमाही में नुवाल की नेटवर्थ में 78 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हुआ है, जिससे उनकी कुल संपत्ति 7.90 बिलियन डॉलर हो गई है। इस मामले में मुकेश अंबानी (110.5 बिलियन डॉलर, 21.9 प्रतिशत वृद्धि) और गौतम अडाणी (85.4 बिलियन डॉलर, 8.5 प्रतिशत वृद्धि) काफी पीछे रहे। नुवाल की कंपनी मुख्य रूप से एम्यूनिशन, डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव बनाती है।

नागपुर मुख्यालय वाली सोलर इंडस्ट्रीज के पास करीब 17,000 करोड़ की मजबूत ऑर्डर बुक है, जिसमें 15,000 करोड़ के रक्षा ऑर्डर शामिल हैं, इसके बाद निवेशकों का विश्वास कंपनी पर काफी बढ़ाया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में 100 बिलियन के राजस्व का अनुमान लगाया है, जो वित्त वर्ष 2025 की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। इसमें रक्षा क्षेत्र से 30 बिलियन की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के अनुसार, एक्सप्लोसिव सेगमेंट में 15 से 20 प्रतिशत की ग्रोथ होने का अनुमान है। 2024 में 45 प्रतिशत और 2023 में 54 प्रतिशत की वृद्धि के बाद, 2025 में कंपनी के शेयर में 81 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। यह प्रदर्शन सत्यनारायण नुवाल को मौजूदा साल के पहले हाफ में सबसे अधिक नेटवर्थ वृद्धि वाले अरबपतियों में शीर्ष पर रखता है।

अमेरिकी ऊर्जा सचिव से ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर हुई चर्चा : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट से मुलाकात की और गहरी द्विपक्षीय ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। जयशंकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका में हैं। जयशंकर ने बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच पर कहा, वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई। भारत में चल रहे ऊर्जा परिवर्तन के बारे में बात की और भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी को और मजबूत बनाने के अवसरों के बारे में भी बात की। इससे पहले जयशंकर ने रुबियो से मुलाकात कर द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा की तथा क्षेत्रीय और वैश्विक गतिविधियों पर अपने विचार साझा किए।

ईएसआईसी ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने को एसपीआरईई 2025 किया लॉन्च

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने के लिए नियोक्ता और कर्मचारी पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना एसपीआरईई 2025 को लॉन्च कर दिया है। ईएसआईसी की ये नई पहल एक जुलाई से 31 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने हिमाचल प्रदेश के शिमला में आयोजित 196वीं कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) की बैठक के दौरान नियोक्ता और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना एसपीआरईई 2025 को मंजूरी दे दी थी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने की। यह कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा अनुमोदित नियोक्ता और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना 2025, ईएसआई अधिनियम के तहत सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने के उद्देश्य से एक विशेष पहल है। ये योजना एक जुलाई से 31 दिसंबर, 2025 तक लागू रहेगी ।

यूरो के मुकाबले रुपये में रिकॉर्ड गिरावट, 1 यूरो की कीमत 100.70 रुपये पर पहुंची

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मुद्रा रुपये में यूरो के मुकाबले जोरदार गिरावट दर्ज हुई है। 1 जुलाई 2025 को एक यूरो की विनिमय दर 100.70 रूपये पर पहुंच गई है। जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 89.60 रूपये थी। यानी एक वर्ष में 11.10 रूपये की गिरावट के साथ रुपये का 12.5प्रतिशत से अधिक अवमूल्यन हुआ है। इस गिरावट को भारतीय मुद्रा की बाहरी विनिमय नीतियों और यूरो की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया मात्र 2.3 रूपये कमजोर हुआ है। वही यूरो मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा 12.5 फ़ीसदी गिर गई है। जिसका भारत पर बहुत बड़ा असर होने जा रहा है। डॉलर की ओर भारत सरकार और रिजर्व बैंक अत्यधिक केंद्रित दृष्टिकोण पर सवाल उठने लगे हैं। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक व्यापार का लगभग 25प्रतिशत भारतीय आयात एवं निर्यात व्यापार यूरो में होता है जबकि डॉलर में 55प्रतिशत कारोबार होता है। भारत का वर्तमान मे व्यापारिक संतुलन यूरोप की ओर है, जिससे यूरो के प्रति रुपये की कमजोरी देश की आयात लागत पर प्रभाव होगा। जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी नुकसानदेह है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, डॉलर के साथ-साथ अन्य प्रमुख मुद्राओं पर भी सरकार और रिजर्व बैंक को सतर्क निगरानी रखने की आवश्यकता है। यही प्रवृत्ति बनी रही, तो मुद्रास्फीति, विदेशी निवेश और व्यापार घाटे पर गहरा असर होना तय है। जिसका बहुत बड़ा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और महंगाई के रूप में भारत में पड़ेगा।

आरबीआई ने कहा- वैध हैं 2000 के नोट, लेन-देन में कर सकते हैं उपयोग

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट किया है कि 2000 के नोट अभी भी लीगल टेंडर हैं यानी आप इनका उपयोग खरीदारी या भुगतान के लिए कर सकते हैं। हालांकि, इन्हें धीरे-धीरे सिस्टम से हटाने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि बैंकों में 2000 के नोट बदलवाने की सुविधा 7 अक्टूबर 2023 को समाप्त हो गई थी, लेकिन आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस अब भी यह सेवा दे रहे हैं। लोग वहां जाकर अपने नोट जमा कर सकते हैं या उन्हें बदल सकते हैं। अगर आप आरबीआई के ऑफिस तक नहीं जा सकते, तो भारतीय डाक सेवा के जरिए भी नोट भेजे जा सकते हैं। डाकघर से नोट आरबीआई को भेजने पर वह राशि आपके बैंक खाते में जमा कर दी जाती है। यह सुविधा विशेष रूप से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। आरबीआई का कहना है कि 2000 का नोट एक तत्काल समाधान था, जो 2016 की नोटबंदी के बाद नकदी की कमी को दूर करने के लिए पेश किया गया था। अब जब छोटे मूल्यवर्ग के नोट भरपूर मात्रा में हैं, तो 2000 के नोट की आवश्यकता नहीं रह गई है।

जायसवाल शतक से चूके, गिल ने लगातार दूसरे टेस्ट में जड़ा सैकड़ा; पहले दिन भारत का स्कोर 310/5

बर्मिंघम,02 जुलाई (एजेंसियां) । इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले के पहले दिन कड़ी टक्कर देखने को मिली। बेन स्टोक्स ने टॉस ने जीतकर भारत को पहले बैटिंग के लिए बुलाया। पहले दिन स्टंप के समय भारतीय टीम ने 5 विकेट पर 310 रन बना लिए थे।

कप्तान शुभमन गिल ने लगातार दूसरे मैच में सेंचुरी ठोकी। पहले दिन का खेल खत्म होने से कुछ समय पहले ही गिल ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक ठोका। 56वें ओवर में अंपायर ने अचानक इंग्लैंड की मांग पर गेंद बदल दी थी।

उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही थी। गेंद बदलने के बाद टीम इंडिया को ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में दो झटके लग गए।दूसरे सत्र में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने यशस्वी जायसवाल को शॉर्ट और वाइड गेंद पर विकेट के पीछे जैमी स्मिथ के हाथों लपकवाया।

जायसवाल ने 107 गेंद में 13 चौकों की मदद से 87 रन बनाये। सुबह पहले घंटे में केएल राहुल (26 गेंद में दो रन) को क्रिस वोक्स ने सस्ते में आउट कर दिया। कार्स ने लंच से ठीक पहले करुण नायर (31 रन) को दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाकर भारत को दूसरा झटका दिया। पहले घंटे में गेंद को ज्यादा स्विंग तो नहीं मिली लेकिन सीम खूब मिली। कार्स ने जायसवाल को छाती पर गेंद डालने की कोशिश की लेकिन इस युवा बल्लेबाज ने बखूबी सामना किया।

बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे गए नायर को भी इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने कई फुललैंग्थ गेंदें फेंकी लेकिन उन्होंने कवर और स्ट्रेट में चौके लगाकर माकूल जवाब दिया।

हालांकि पटकी हुई गेंद पर वह कार्स का शिकार बन गए। 56वें ओवर में इंग्लैंड की मांग पर अंपायर ने बॉल चेंज करने का फैसला किया।

इसके बाद ऋषभ पंत 25 रनों की पारी खेलने के बाद शोएब बशीर का शिकार बने।

वहीं ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने वाले नीतीश कुमार रेड्डी सस्ते में सिर्फ एक रन बनाकर बोल्ड हो गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डिजिटल इंडिया...

सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है, बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिए, आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप जीईएम पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के जरिये इसे और बड़ा बनाते हैं। ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है-जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ छह महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नगालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुंच रहे हैं। जीईएम ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपए का जीएमवी पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित एमएसएमई हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपए की आपूर्ति की है।

भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) जैसे आधार, कोविन, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-वानी, और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन-को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है। कोविन ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ क्यूआर-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। डिजिलॉकर, जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है। भारत ने अपनी जी 20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी और 2.5 करोड़ का सोशल इंपैक्टफंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

भारत अब विश्व के शीर्ष तीन स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है। भारत में युवाओं के बीच एआई स्किल्स और एआई टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है। 1.2 अरब डॉलर इंडिया एआई मिशन के तहत भारत ने 34,000 जीपीयूज की पहुंच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है-एक डॉलर से भी कम प्रति जीपीयू आवर। इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है। भारत ने मानवता-पहले एआई की वकालत की है। नई दिल्ली डिक्लरेशन ऑन एआई जिम्मेदारी के साथ नवाचार को बढ़ावा देता है। देश भर में एआई सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं।

अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं- इंडिया फर्स्ट से इंडिया फॉर द वर्ल्ड तक। डिजिटल इंडिया अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, यह जन आंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है, और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है। सभी इनोवेटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, और ड्रीमर्स से कहना चाहता हूं कि दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है। आइए, हम वह बनाएं, जो सशक्त बनाता है। आइए, हम ऐसे हल निकालें, जो वास्तव में मायने रखतेहों।आइए, हम उस तकनीक के साथ नेतृत्व करें, जो एकजुट करती है, समावेशी बनाती है और उत्थान करती है।

62 करोड़ नए इन्टरनेट यूजर, 42 लाख किलोमीटर का ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क और 10000 करोड़ ट्रांजैक्शन। यह है डिजिटल इंडिया की 10 साल की उपलब्धि। यह कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनआंदोलन है। 2014 में भारत में करीब 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 42 लाख किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबल अब सबसे दूरदराज के गांवों को भी जोड़ती है।

दस साल पहले, हमने बहुत दृढ़ विश्वास के साथ अज्ञात क्षेत्र में एक साहसिक यात्रा शुरू की। जबकि दशकों तक भारतीयों की टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की क्षमता पर संदेह किया जाता रहा, लेकिन हमने इस अप्रोच को बदल दिया और भारतीयों की टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की क्षमता पर भरोसा किया। जबकि दशकों तक यह सोचा जाता रहा कि टेक्नोलॉजी के उपयोग से संपन्न और वंचित के बीच की खाई और गहरी हो जाएगी। हमने इस मानसिकता को बदल दिया और संपन्न एवं वंचित के बीच की खाई को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग किया। जब इरादा सही हो, तो इनोवेशन, कम सशक्त लोगों को सशक्त बनाता है। जब अप्रोच, समावेशी होता है, तो टेक्नोलॉजी; हाशिए पर रहने वालों के जीवन में बदलाव लाती है। इस विश्वास ने डिजिटल इंडिया की नींव रखी, पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने और सभी के लिए अवसर प्रदान करने का मिशन।

2014 में इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी और सरकारी सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच दुर्लभ थी। कई लोगों को संदेह था कि क्या भारत जैसा विशाल और विविधतापूर्ण देश वास्तव में डिजिटल हो सकता है। आज, उस सवाल का जवाब न केवल डेटा और डैशबोर्ड में है, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन में भी है। हम कैसे गवर्न करते हैं, कैसे सीखते हैं, लेन-देन करते हैं और कैसे निर्माण करते हैं, डिजिटल इंडिया हर जगह है। 2014 में भारत में करीब 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 42 लाख किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 11 गुना ज्यादा है, अब सबसे दूरदराज के गांवों को भी जोड़ती है। भारत में 5-जी की शुरुआत दुनिया में सबसे तेज गति से हुई है, जहां सिर्फ दो साल में 4.81 लाख बेस स्टेशन स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों और गलवान, सियाचिन और लद्दाख सहित अग्रिम सैन्य चौकियों तक पहुंच गया है।

इंडिया स्टैक, जो हमारी डिजिटल रीढ़ है, ने यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म को सक्षम किया है, जो अब सालाना 100 बिलियन लेनदेन को संभालता है। सभी वास्तविक समय के डिजिटल लेनदेन में से लगभग आधे भारत में होते हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधे नागरिकों को ट्रांसफर की गई, जिससे बिचौलियों को हटाया गया है और 3.48 लाख करोड़ रुपए की लीकेज बंद हुई। स्वमितवा जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों की मैपिंग की है, जिससे भूमि से संबंधित अनिश्चितता के वर्षों का अंत हुआ है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को पहले से कहीं ज्यादा सशक्त बना रही है। डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो खरीदारों और विक्रेताओं के विशाल बाजार के साथ सहज कनेक्शन प्रदान करके अवसरों की एक नई खिड़की खोलता है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) आम आदमी को सरकार के सभी अंगों को सामान और सेवाएं बेचने में सक्षम बनाता है। यह न केवल आम आदमी को एक विशाल बाजार के साथ सशक्त बनाता है बल्कि सरकार के लिए पैसे भी बचाता है।

यह एनआरसी...

बीएलओ ये सारी जानकारी को एक मोबाइल ऐप (ईसीआईनेट) में अपलोड करते हैं। साथ ही आपको एक रसीद भी देते हैं कि आपने फॉर्म भरा है। आयोग ने ये भी कहा है कि इस काम में बुजुर्गों, बीमार लोगों या दिव्यांग लोगों को परेशान नहीं करना है। बिहार में 2003 की वोटर लिस्ट में 4.96 करोड़ लोगों के नाम थे और आयोग का कहना है कि इन लोगों और इनके बच्चों को कोई खास कागज देने की जरूरत नहीं। यानी करीब 60 प्रतिशत लोगों को आसानी होगी।

विपक्षी दलों के आरोपों और सत्ता पक्ष के जवाब का चुनाव आयोग के इस काम से कोई लेना देना नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि यह कोई नया काम नहीं है। आजादी के बाद से कई बार वोटर लिस्ट को ठीक करने के लिए ऐसे अभियान चले हैं। 1952-56 में पहले आम चुनाव के बाद हर साल कुछ इलाकों की लिस्ट को गहन जांच के साथ ठीक किया गया। 1956 में शहरों, मजदूरों वाले इलाकों और जहां लोग ज्यादा इधर-उधर जाते थे, वहां खास जांच हुई। 1962-66 में लोकसभा चुनावों के बाद कुछ साल में पूरे देश में गहन और छोटी जांच हुई। 1983-88 में गांवों और शहरों में गहन जांच हुई। 1995 और 2002 में भी बड़े स्तर पर लिस्ट ठीक की गई। बिहार में आखिरी बार 2002 में ऐसी जांच हुई थी और 2003 में नई लिस्ट छपी थी। उस वक्त किसी ने इसे एनआरसी से नहीं जोड़ा था। लेकिन अब, क्योंकि चुनाव नज़दीक हैं, विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बना रहा है।

मुख्य निर्वाचन...

पास रख लिए हैं। आयोग के मुताबिक, लोगों का प्रवास से पहले का पुराना कार्ड रखना आपराधिक कृत्य है।

निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस की मांग पर विपक्षी दलों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बुलाई गई बैठक को स्थगित कर दिया है, क्योंकि अब तक किसी दल ने अपनी उपस्थिति की पुष्टि नहीं की है। आयोग के सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 30 जून को भेजे गए एक ई-मेल में कांग्रेस ने मतदाता सूची संशोधन कवायद के संबंध में कई राजनीतिक दलों की ओर से 2 जुलाई को आयोग के साथ तत्काल बैठक की मांग की थी। इस पर आयोग ने इन राजनीतिक दलों से 2 जुलाई को शाम पांच बजे बैठक का समय देकर इसे तय करने को कहा। लेकिन कोई पुष्टि न मिलने पर इसे स्थगित कर दिया गया। तृणमूल कांग्रेस के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को भारतीय निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और सुझाव दिया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए 2024 को आधार वर्ष माना जाना चाहिए। दस्तावेज मांगने का मुद्दा भी पार्टी ने उठाया।

नए कानूनों का...

अमित शाह ने कहा कि लगभग 89 देशों की न्याय प्रणाली का अध्ययन कर और उनमें से तकनीक के उपयोग को कानूनी आधार देकर इन कानूनों में समावेश किया गया है। मोदी सरकार ने इन कानूनों को भारतीय दृष्टिकोण से बनाया है। उन्होंने कहा कि पहले के कानूनों को अंग्रेज़ों ने अपने शासन को लंबा चलाने के लिए इंग्लैंड की संसद में बनाया था जबकि नए आपराधिक कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की जनता द्वारा चुनी हुई सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए बनाए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि पुराने कानूनों का मकसद अंग्रेज सरकार के लंबा शासन कराना और उनकी संपत्ति की रक्षा करना था। जबकि नए कानून बनाने का मकसद भारतीय नागरिकों के शरीर, संपत्ति और संविधान प्रदत्त सभी अधिकारों की रक्षा करना है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और आईईए की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नाम से ही पता चलता है कि इन कानूनों का लक्ष्य दंड नहीं बल्कि न्याय देना है। उन्होंने कहा कि यह भारत की न्याय यात्रा का स्वर्णिम अवसर बनने वाला है। अब बदलाव कागजी नहीं रहा है क्योंकि इन कानूनों में तकनीक के समावेश पर भारत सरकार और राज्य सरकारों ने करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। शाह ने कहा कि हमने 7 साल और उससे अधिक सजा वाले हर अपराध में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य कर दिया है और अब एनएएफआईएस का उपयोग भी बहुत अच्छे तरीके से होने लगा है। इसी प्रकार पॉक्सो के मामले में डीएनए का मिलान गुनाह करने वाले को किसी भी तरह से बचने की जगह नहीं देता है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नए कानूनों के अमल में गहन परामर्श कर छोटे-छोटे छिद्रों को भरने का काम किया गया है और मल्टी स्टेकहोल्डर अप्रोच के साथ बहुत काम हुआ है। श्री शाह ने कहा कि उन्होंने स्वयं इन कानूनों पर 160 बैठकें की। उन्होंने कहा कि 2019 में हमने सभी राज्यपालों, उप राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, प्रशासकों, मुख्य न्यायाधीशों, बार काउंसिल और विधि विश्वविद्यालयों और आईपीएस अधिकारियों से सुझाव मांगे थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद एक समिति गठित कर एक-एक धारा को पढ़ कर और सभी सुझावों पर विचार कर इन कानूनों को अमली जामा पहनाया गया है। इन कानूनों में बच्चों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर अलग अध्याय जोड़ा गया है। पहली बार आतंकवाद की व्याख्या की गई है और संगठित अपराध को भी व्याख्यायित कर कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि नए कानूनों में डायरेक्टर ऑफ प्रॉसीक्यूशन का भी प्रावधान किया गया है जिससे सजा कराने की दर में बहुत वृद्धि होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि अकेले पुलिस और भारत सरकार का गृह मंत्रालय यह सब नहीं कर सकता। नए कानूनों के सफलतापूर्वक और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जागरूकता और जनता को अपने अधिकारों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। श्री शाह ने कहा कि जब भी इन कानूनों का विश्लेषण होगा, तब इन्हें आजादी के बाद का सबसे बड़ा रिफॉर्म माना जाएगा क्योंकि जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाली न्याय प्रणाली को पारदर्शी, लोकोपयोगी और समयबद्ध बनाने से बड़ा रिफॉर्म कोई नहीं हो सकता।

ब्रिक्स सम्मेलन...

के लाभ के लिए सहयोग का एक नया रोडमैप तैयार करने के लिए उत्सुक हैं। वह नामीबियाई संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। ब्राजील की यात्रा ब्रासीलिया में एक द्विपक्षीय राजकीय दौरे के साथ जारी रहेगी, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा होगा। उन्होंने कहा, यह दौरा ब्राजील के साथ हमारी निकट साझेदारी को मजबूत करने और मेरे मित्र राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर देगा।

पीएम मोदी पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स जाएंगे, जो 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का अर्जेंटीना का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में निकट सहयोगी बताते हुए उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं, जिनसे मैं पिछले साल भी मिला था। हम कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान देंगे।

पीएम मोदी 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह भारत के साथ गहरी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव साझा करता है। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलूंगा, जो इस साल के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं और दूसरी बार कार्यभार संभालने वालीं प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर से मुलाकात करूंगा। प्रवासी समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 180 साल पहले भारतीय पहली बार त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। यह दौरा हमारे पुश्तैनी और रिश्तेदारी के विशेष बंधनों को नया जीवन देने का अवसर देगा।

प्रधानमंत्री मोदी के घाना दौरे पर जाने के साथ ही कांग्रेस ने बुधवार को घाना के पूर्व राष्ट्रपति क्वामे नक्रूमा और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच बेहद मधुर संबंधों को याद किया। एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव प्रभारी संचार जयराम रमेश ने कहा, सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रधानमंत्री आज घाना में हैं। 60 के दशक के मध्य तक घाना और वास्तव में अफ्रीकी राजनीति पर क्वामे नक्रूमा का दबदबा था, जो एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। जवाहरलाल नेहरू के साथ उनके बहुत मधुर संबंध थे, जो मार्च 1957 में घाना की स्वतंत्रता से बहुत पहले के थे। अकरा में एक प्रमुख सड़क जिस पर इंडिया हाउस स्थित है, उसका नाम नेहरू के नाम पर रखा गया है, जबकि नई दिल्ली में राजनयिक एन्क्लेव में क्वामे नक्रूमा मार्ग है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हुए। यह उनकी पांच देशों की यात्रा का पहला चरण है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है। अपने बयान में पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर मैं 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करूंगा। घाना ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान साझेदार है और अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि घाना की संसद में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

युद्ध में कमाल...

उद्घाटन भाषण में भारतीय और रूसी नौसेनाओं के बीच समुद्री तकनीकी सहयोग और इसके बढ़ते भविष्य के बारे में बात की। इसके बाद वरिष्ठ रूसी सरकारी गणमान्यों और वी एडम आर स्वामीनाथन, सीडब्ल्यूपी एंड ए के संबोधन हुए, जिन्होंने भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी के प्रतीक के रूप में तमाल के जलावतरण पर प्रकाश डाला। यह सहयोगी ताकत और दोनों देशों की प्रौद्योगिकियों को एक लड़ाकू मंच में शामिल करने की क्षमता का भी उदाहरण है । उन्होंने टिप्पणी की कि भारत-रूसी रणनीतिक साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है उन्होंने परियोजना में शामिल सभी लोगों, विशेष रूप से शिपयार्ड श्रमिकों, भारतीय और रूसी ओईएम को उनकी उत्कृष्ट कारीगरी और स्वदेशी प्रणालियों के दोषरहित एकीकरण के लिए बधाई दी, जो भारत सरकार की आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

इसके बाद कमांडिंग ऑफिसर डेजिग्नेट और रूसी नौसेना विभाग के महानिदेशक श्री सर्गेई कुप्रियनाव द्वारा डिलीवरी एक्ट पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे जहाज को भारतीय नौसेना में स्थानांतरित करने की औपचारिकता पूरी हो गई। अगले समारोह में रूसी नौसेना के झंडे को उतारा गया, जिसके बाद नौसेना प्रमुख द्वारा कमांडिंग ऑफिसर को कमीशनिंग वारंट जारी किया गया। भारतीय नौसेना का ध्वज विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में फहराया गया, साथ ही राष्ट्रगान और चालक दल द्वारा गर्व से प्रस्तुत कलर गार्ड द्वारा औपचारिक सलामी दी गई। इसके साथ ही, जहाज का कमीशनिंग पताका भी फहराया गया, जो सक्रिय नौसेना सेवा में इसके शामिल होने का संकेत था। जब तक जहाज कमीशन में रहेगा, तब तक पताका फहराती रहेगी।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि वी एडमिरल संजय जसजीत सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना में तमाल का शामिल होना देश की समुद्री रक्षा क्षमताओं और भारत-रूसी सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने टिप्पणी की कि आईएनएस तमाल तलवार, तेग और तुशील श्रेणी के जहाजों की शानदार सूची में शामिल हो गया है, जो अपनी विश्वसनीयता और कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं। कमीशनिंग समारोह को प्रभावशाली और यादगार बनाने के लिए सीआईएनसी ने चालक दल और यंतर शिपयार्ड को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने युद्धपोत के निर्माण में उनके अथक प्रयासों के लिए रूसी रक्षा मंत्रालय, एफएसएमटीसी, रोसोबोरोनएक्सपोर्ट, यूनाइटेड शिपिंग कॉरपोरेशन, यंतर शिपयार्ड और युद्धपोत निगरानी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा, आईएनएस तमाल जैसे बहुमुखी प्लेटफार्मों का कमीशन भारतीय नौसेना की पहुंच, जवाबदेही और लचीलापन बढ़ाता है। मुझे विश्वास है कि जहाज राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा और समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में हमारे परिचालन वास्तुकला में एक बल गुणक के रूप में अपनी योग्यता साबित करेगा।

मुख्य अतिथि ने तमाल को उसकी पूर्ण लड़ाकू क्षमता तक पहुंचाने में रूसी नौसेना और बाल्टिक बेड़े की भूमिका की भी सराहना की और कमीशनिंग क्रू की उनके समर्पण और व्यावसायिकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि रूस में निर्मित होने के बावजूद, इस जहाज में 26 प्रतिशत स्वदेशी घटक हैं, जिनमें ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल और हम्सा-एनजी सोनार प्रणाली शामिल है। भारत में इस श्रेणी के अगले दो जहाजों का निर्माण आपसी ताकत और संयुक्त क्षमताओं का दोहन और तालमेल करने में गुंजाइश, क्षमता और व्यापक क्षितिज को और बढ़ाता है। उन्होंने अपने संबोधन का समापन इस बात पर जोर देते हुए किया कि भारतीय नौसेना एक विश्वसनीय, सक्षम, एकजुट और भविष्य के लिए तैयार बल है जो किसी भी समय, कहीं भी किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

मुख्य अतिथि को कमांडिंग ऑफिसर ने जहाज का दौरा कराया और जहाज द्वारा अपनी सहयोगी जहाजों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और पिछली श्रेणी के जहाजों की तुलना में की गई प्रगति के बारे में बताया। इसके बाद आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने से पहले स्मृति चिन्हों का आदान-प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने हाई टी में अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की।

आईएनएस तमाल समुद्र में एक दुर्जेय गतिशील किला है और इसे सभी चार आयामों अर्थात् वायु, सतह, पानी के नीचे और विद्युत चुंबकीय क्षेत्र में नौसैनिक युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम में संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। जहाज को 24 फरवरी 2022 को लॉन्च किया गया था। यह नवंबर 2024 में अपने पहले समुद्री परीक्षणों के लिए रवाना हुआ और जून 2025 तक बंदरगाह और समुद्र दोनों में फैक्ट्री ट्रायल स्टेट कमेटी ट्रायल और डिलीवरी स्वीकृति परीक्षणों का एक विस्तृत कार्यक्रम पूरा कर लिया। जहाज ने अपनी सभी रूसी हथियार प्रणालियों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिसमें ऊर्ध्वाधर रूप से प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल श्टिल-1, तोपखाने के हथियार और टारपीडो शामिल हैं।

तमाल दोहरी भूमिका वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों, विस्तारित रेंज वाली लंबवत प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, मानक 30 एमएम क्लोज इन वेपन सिस्टम, 100 एमएम मुख्य गन और बहुत शक्तिशाली एएसडब्लू रॉकेट और हैवीवेट टॉरपीडो के साथ अपने वजन से कहीं ज्यादा वार करता है। तमाल भारतीय और रूसी प्रौद्योगिकियों का एक मिश्रण है जिसमें अत्याधुनिक संचार और नेटवर्क केन्द्रित परिचालन क्षमताएं शामिल हैं। उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और उन्नत ईओ/आईआर प्रणालियों की अनुपूर्ति इस शक्तिशाली मंच को कान और आंखें प्रदान करती है। अत्यंत बहुमुखी युद्ध प्रबंधन प्रणाली सभी हथियारों और सेंसरों को एक प्रभावी लड़ाकू मशीन में एकीकृत कर देती है। यह जहाज उन्नत पनडुब्बी रोधी और वायुजनित पूर्व चेतावनी हेलीकॉप्टर, कामोव 28 और कामोव 31 को भी ले जाने में सक्षम है, जो जबरदस्त बल-गुणक हैं।

जहाज को परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा के लिए जटिल स्वचालित प्रणालियों से सुसज्जित किया गया है, जिसमें क्षति नियंत्रण और अग्निशमन भी शामिल है, जिसे सुरक्षित चौकियों से केंद्रीय रूप से संचालित किया जा सकता है। ये जटिल प्रणालियां हताहतों की संख्या को न्यूनतम करने, युद्ध प्रभावशीलता की तीव्र बहाली, युद्ध क्षमता और उत्तरजीविता को बढ़ाने में सहायता करती हैं। आईएनएस तमाल पर करीब 250 नौसैनिक और 26 अधिकारी तैनात हैं। इस जहाज के अधिकारी और नाविक जहाज के आदर्श वाक्य – सर्वत्र सर्वदा विजय (हर जगह विजय) को अपनाते हैं, जो हर मिशन में परिचालन उत्कृष्टता के लिए तमाल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो भारतीय नौसेना के आदर्श वाक्य लड़ाकू तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य के लिए तैयार बल राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा करता है – कभी भी, कहीं भी को पूरा करता है। जहाज जल्द ही कर्नाटक के कारवार स्थित अपने गृह बंदरगाह के लिए अपनी पहली यात्रा पर रवाना होगा। तमाल रास्ते में विभिन्न बंदरगाहों पर जाएगा और अपनी युद्धक क्षमता का प्रदर्शन करेगा। यह युद्ध के लिए तैयार स्थिति में भारत पहुंचेगा और समुद्री क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाएगा।

पहलगाम के...

आतंकी हमले में दहशतगर्दों ने 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

संयुक्त बयान में कहा गया, क्वाड सीमा पार आतंकवाद समेत सभी प्रकार के अतिक्रमणकारी आक्रामक रवैये और हिंसक उग्रवाद की साफ तौर पर निंदा करता है। क्वाड आतंकवाद विरोधी सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। क्वाड 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम (जम्मू और कश्मीर) में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई थी। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

बयान में कहा गया, हम इस निंदनीय कृत्य को अंजाम देने वालों, साजिश रचने वालों, उनकी मदद करने वालों और आर्थिक सहायता मुहैया कराने वालों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने की अपील करते हैं। हम सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रासंगिक यूएनएससीआर के तहत अपने दायित्वों के हिसाब से इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह करते हैं। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा था कि हम सभी एक खुला और स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के पास विकल्पों की स्वतंत्रता होनी चाहिए, ताकि वे विकास और सुरक्षा को लेकर सही निर्णय ले सकें। पिछले कुछ महीनों में क्वाड की पहलों में हमने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने यह बात वाशिंगटन में क्वाड के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले कही थी।जयशंकर ने कहा था कि दुनिया को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए। आतंकवाद के पीड़ितों की तुलना आतंक फैलाने वालों से कभी नहीं की जानी चाहिए। विदेश मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और हम इस अधिकार का प्रयोग करेंगे। जयशंकर ने कहा था कि आतंकवादियों को बिना किसी सजा के काम करने की छूट नहीं दी जा सकती। यह सोच कि आतंकवादी सीमा के उस पार हैं और इसलिए उन्हें जवाब नहीं दिया जा सकता, अब यह धारणा चुनौती देने योग्य है। यही हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए किया।अमेरिका के वॉशिंगटन में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की अहम में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई। क्वाड ने हमले से जुड़े गुनहगारों को न्याय के कटघरे में खड़ा कर सख्त सजा देने की भी मांग उठाई। क्वाड ग्रुप में शामिल अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने इस संबंध में बयान जारी किया। इसमें कहा, हम 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। इस हमले में 25 भारतीय नागरिक और दो विदेशी नागरिक मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हम पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हम इस निंदनीय अपराध के आरोपियों, साजिशकर्ता और फंडिंग करने वालों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान करते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 03 जुलाई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ जारी

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ध्यान फाउंडेशन श्याम बाबा नंदीशाला व ध्यान फाउंडेशन गौशाला के तत्वावधान में व योगी अश्विनी गुरुजी के प्रेरणा से एवं ध्यान फाउंडेशन गौशाला के सहायतार्थ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास गोवत्स राधाकृष्ण जी महाराज ने कथा प्रसंग में परीक्षित चरित्र, कपिल उपाख्यान एवं ध्रुव चरित्र का व्याख्यान हुआ।

भागवत कथा का वर्णन करते हुए महाराज जी ने कहा कि भागवत कथा मन में बसे रोगों को हर कर मन को पवित्र बना देती है। आगे उन्होंने कहा कि कथा की रुचि जिस दिन हमारे मन में बसी उस दिन कथा हमारे भीतर विराजित हो गयी ऐसा व्यक्ति को समझना चाहिए।

गोवत्स राधाकृष्ण जी ने कथा वर्णन करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण परमात्मा ही स्वयं कथा का आवरण लेकर श्रोताओं के बीच आते हैं तथा श्रीकृष्ण व भागवत कथा में कोई भिन्नता नहीं है। महाराज जी ने राजर्षि परीक्षित, शुकदेव जी महाराज व व्यास जी का वर्णन विस्तारपूर्वक बखान किया।उन्होंने पवित्रता व अपरस का वर्णन करते हुए कहा कि जिस दिन वक्ता व कथा सुनने वाला श्रोता सच्चा हो जायेगा उस दिन श्रीकृष्ण कथा का अवरण हटा कर आपको मिल जाएंगे और अपरस के विषय में उन्होंने केवल स्पर्श अथवा व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि विचारों को भी अपरस बताया।उन्होंने अभिभावकों को अपने बच्चों को ब्रम्ह ज्ञान देने की तथा बच्चों को भ्रम ज्ञान से दूर रखने की बात कही।

अंत में उन्होंने परीक्षित महाराज व कली के निग्रह की कथा सुनाते हुए कथा को विश्राम दिया व इसके बाद आरती व प्रसादी कराई गई। इस अवसर पर मुख्य यजमानों का सम्मान का सम्मान महाराज जी द्वारा कराया गया।

अवसर पर मुख्य यजमान एवं प्रसाद यजमान पुरुषोत्तमदासजी प्रेमलताजी दीपकजी सीमाजी विजयवर्गी, प्रसाद यजमान ओमप्रकाशजी प्रेमलताजी अग्रवाल, कथा स्थल (हॉल) यजमान चंद्रकांतजी लक्ष्मीजी डाकोतिया, महेशजी सरिताजी डाकोतिया, महेन्द्रजी आशाजी डाकोतिया, अलंकार यजमान जयप्रकाशजी दीपकजी आशीषजी विजयवर्गी, ध्यान फाउंडेशन हैदराबाद व प्रमुख गौसेवकों व अन्यों ने सहयोग प्रदान किया।

चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर में दर्शन करते हुए राजस्थान पूनरासर धाम के पुजारी मोतीलाल बोथरा। साथ में हैं भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी व अन्य।

सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ में श्रीनिवास व्रतधर जीयर स्वामीजी एवं पूर्वाचार्यों के आशीर्वाद से गुरुवार, दि. 26 से 29 जून तक श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का आयोजन भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। मठ के मठाधीश अच्युत रामानुजाचार्य (अजय महाराज) ने बताया कि श्री जगन्नाठ मठ (माधवदास झीरा) के तत्वावधान में वैकुंठवासी श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण राजानुज जीयर स्वामी जी की पावन प्रेरणा से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। अजय महाराज ने बताया कि रथ यात्रा में भक्तों का तांता लगा रहा। रथ यात्रा महोत्सव में दर्शन, भगवान को भोग, विशेष पूजा-आरती, भगवान का रथ में विराजमान दृश्य, ध्वज पूजा, छप्पन भोग दर्शन, रथ आरती, रथ प्रस्थान पूजा एवं महाप्रसाद के साथ-साथ ज्ञानबाग कम्युनिटी हॉल में आयोजित सुंदरकांड पाठ का सभी भक्तों ने आनंद लिया। भगवान जगन्नाथ के भक्तों ने रथ यात्रा महोत्सव में तन, मन और धन से सेवा, सहयोग एवं सहायता की है उनका जगन्नाथमठ परिवार की ओर से अनेक साधुवाद प्रकट किया गया और भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा का अनेक मंगलानुशासन प्रेषित किया गया। मठ द्वारा रथ यात्रा महोत्सव में भाग लेने वाले भक्तों के घर-घर प्रसाद पहुंचाकर आशीर्वाद प्रदान किया गया।

तेलंगाना भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष रामचंद्र राव द्वारा बुधवार को नारायणगुडा स्थित केशव मेमोरियल में हिंदी जर्नलिस्ट असोसिएशन के प्रथम मासिक बुलेटिन का लोकार्पण संपन्न हुआ ।उक्त कार्यक्रम में प्रधान संपादक महेश अग्रवाल, परामर्शदाता प्रेमचंद जैन, अध्यक्ष जी. नरहरी, उपाध्यक्ष भारत भट्ट, मंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता, सह मंत्री अनिल कौशिक, जसमत पटेल, कमलेश महाराज आदि उपस्थित थे । इस अवसर पर संस्था के परामर्शदाता महेश अग्रवाल ने रामचन्द्र राव का शॉल पहनाकर सम्मान किया ।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवालमहेश अग्रवाल, महेश गुप्ता,अशोक गुप्ता एस.जे.सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,गोपाल गोयल,प्रीतिका अग्रवाल,श्याम सुंदर अग्रवाल,कैलाशचंद केडिया,निर्मला केडिया,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,मायारामजी अग्रवाल, भगतराम गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप स्थित माता की मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,अरविन्द भाई,रवि अग्रवाल,अरुण जी,विनोद तोशनीवाल,अशोक अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद राम जी,नीतीश कुमार,शिव भगवान,राधा जी,मीना जी,शर्मिला जी, सुनील भाई, राहुल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

थलीर और यंग इंडिया हैदराबाद ने युवा भारतीय संसद के दूसरे संस्करण की मेजबानी की

हैदराबच, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनआई-एमएसएमई का हॉल दि.29 और 30 जून को जीवंत हो उठा जब 9 स्कूलों के 180 से अधिक गतिशील छात्रों ने यंग इंडियन पार्लियामेंट (वाईआईपी) 2.0 में भाग लिया, जो यंग इंडियन्स (वाईआई) हैदराबाद-थलीर द्वारा आयोजित संसदीय कार्यवाही का एक शक्तिशाली दो दिवसीय अनुकरण था।

दि. 29 जून को उद्घाटन सत्र में तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव जयेश रंजन ने भाग लिया, जिनके ज्ञान और प्रोत्साहन के शब्दों ने युवा दिमागों के बीच विचारों, बहसों और विधायी चर्चाओं के एक रोमांचक आदान-प्रदान के लिए माहौल तैयार किया। उनके साथ मुख्य अतिथि के रूप में जेजीआई स्कूलों के सीईओ डॉ. डी.पी. चंद्रशेखर भी शामिल हुए, जिनकी मूल्य-आधारित शिक्षा और नागरिक जिम्मेदारी की भावुक वकालत दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ी। वाईआई हैदराबाद की नेतृत्व टीम के साथ उनकी उपस्थिति ने उक्त पहल को गंभीरता और गति प्रदान की।

वाईआईपी 2.0 को जो चीज वाकई खास बनाती है, वह है इसके समावेश की भावना। प्रतिभागी समूह में शहरी, ग्रामीण और वंचित पृष्ठभूमि के छात्र शामिल थे, जिनमें विशेष जरूरतों वाले छात्र भी शामिल थे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी आवाज़ अनसुनी न हो जाए, पूरा कार्यक्रम अंग्रेजी, क्षेत्रीय भाषाओं और सांकेतिक भाषा में आयोजित किया गया- जो सुलभता और सच्ची लोकतांत्रिक भागीदारी में एक ऐतिहासिक प्रयास है।वाईआईपी का एक मूल मिशन : युवाओं में संसदीय नेतृत्व की भावना को जगाना, एक ऐसी पीढ़ी का पोषण करना जो जागरूक, मुखर और बदलाव लाने के लिए प्रेरित हो।

दो दिनों में, इन छात्रों ने सांसदों, कैबिनेट मंत्रियों और वक्ताओं के रूप में भूमिकाएँ निभाईं- वास्तविक मुद्दों पर बहस की, नकली विधेयकों का मसौदा तैयार किया और शासन की जिम्मेदारी और जटिलता का प्रत्यक्ष अनुभव किया। जिस जुनून, तैयारी और दृढ़ विश्वास के साथ उन्होंने बात की, वह प्रेरणादायक से कम नहीं था।

वाईआईपी 2.0 एक कार्यक्रम से कहीं बढ़कर था- यह एक आंदोलन था।

एक ऐसा आंदोलन जो मानता है कि नेतृत्व के मामले में उम्र कोई बाधा नहीं है। एक ऐसा आंदोलन जो समावेश, समानता और सक्रिय नागरिकता का समर्थन करता है और सबसे बढ़कर, एक ऐसा आंदोलन जो बेहतर कल का सपना देखने की हिम्मत रखता है-जिसका नेतृत्व इस सप्ताहांत हमने जिन उज्वल दिमागों को देखा है, उनके द्वारा किया गया है।हम इस संस्करण को एक शानदार और सफल बनाने के लिए सभी भागीदार स्कूलों, स्वयंसेवकों, संकाय सदस्यों और वाईआई पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जामबाग डिवीजन में 51 लाख की लागत से बनने वाली सीसी रोड का उद्घाटन

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जामबाग डिवीजन में तीन सी.सी. रोड के विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया। जिनकी कुल अनुमानित लागत 51 लाख है। ये कार्य- (1) एस.डी. नगर, मंदिर के पास (2) आदाब होटल, पटेल नगर और (3) पूसल बस्ती में किये जा रहे हैं।

उक्त विकास कार्यों का उद्घाटन विधायक टी. राजा सिंह, जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ किया। ये महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा विकास गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के जामबाग डिवीजन की प्रगति और बेहतरी के लिए क्षेत्रीय नेताओं की निरंतर प्रतिबद्धता में एक और कदम आगे बढ़ाता है।

तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी में साध्वीश्री गवेषणा श्री आदि ठाणा-4 का मंगल प्रवेश एवं स्वागत समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री गवेषणाश्री आदि ठाणा-4 ने तीर्थ शान्ति अपार्टमेन्ट में नोरतनमल शान्तिलाल आनन्द जी नौलखा के निवास स्थान से रैली के रूप में विहार करके प्रातः 8.51 बजे तेरापन्थ भवन, डी वी कॉलोनी, सिकंदराबाद में 2025 के चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश किया। राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर जैन तेरापन्य वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महेन्द्रजी भंडारी, मैनेजिंग ट्रस्टी मनोज जी दुगड श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा अध्यक्ष सुशील संचेती, मंत्री हेमन्त संचेती एवं सभी संस्थाओं के अध्यक्ष - मंत्री - पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रावक- श्राविका समाज की उपस्थित रही ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण के रूप में सभा के सदस्यों द्वारा हुआ। तत्पश्चात महिला मंडल की अध्यक्ष कविता आच्छा, महिला मंडल की नव मनोनीत अध्यक्ष नमिता सिंघी, महिला मंडल की मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी, तेलंगाना सरकार माइनॉरिटी कमीशन के सदस्य हिमांशु बापना, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष अभिनन्दन नाहटा, तेरापंथ प्रोफेसनल फोरम के मंत्री निखिल कोटेचा, अणुव्रत समिति के नव नियुक्त अध्यक्ष राजेन्द्र बोथरा, जैन तेरापन्ध वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महेन्द्र भंडारी, श्री जैन सेवा संघ के उपाध्यक्ष विनोद संचेती, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा अध्यक्ष सुशील संचेती ने साध्वी श्री के मंगल प्रवेश के अवसर पर अपनी मगल भावनाएं प्रेषित की।

संपत नौलखा, लक्ष्मीपत जी डूंगरवाल , श्रीमती चांद बैद, राजकुमार जी सुराणा, सुरेशजी रांका (चैन्नई) श्रीमती कविता बांठिया ने भी साध्वीश्री के प्रति आगामी चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित की। महिला मंडल एवं ज्ञानशाला की बहनों द्वारा इस अवसर पर स्वागत के रूप में गीतिकाओं की सुंदर प्रस्तुति हुई । वैरागण बहिन वीनू संकलेचा ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।साध्वीश्री मेरुप्रभा एवं साध्वीश्री दक्षप्रभा जी ने ओजस्वी एवं मधुर स्वरों में गीतिका से अपने भाव व्यक्त किये । साध्वीश्री मयंकप्रभा ने सारगर्भित व्यक्तव्य दिया एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी ।

साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री के प्रेरणादायी व्यक्तव्य प्रदान करते हुए चातुर्मास के दौरान ज्यादा से ज्यादा जप -तप एवं जिनवाणी श्रवण का लाभ उठाने का आव्हान किया एवं चातुर्मास में होने करणीय कार्यों की जानकारी प्रदान की ।चातुर्मास से पूर्व लगभग साढ़े चार महिने आपने घर- घर जाकर श्रावकों की सार संभाल की एवं धर्म की जोत को प्रज्वलित करने का प्रयास किया है । कार्यक्रम के संयोजक निर्मल बेंगानी, सुरेश सुराणा, लक्ष्मीपत बैद, नवनीत छाजेड़, प्रकाश बोथरा, अशोक बम्बोली, अरिहंत गुजरानी, सुदीप नोलखा, राकेश सुराणा, हुक्मीचंद कोटेचा, जिनेन्द्र बैद का भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग एवं श्रम रहा ।इसी क्रम में खुशाल भंसाली, राजेन्द्र बोथरा (सरदारशहर), मति मीनाक्षी जैन का सहयोग भी सराहनीय रहा । कार्यक्रम का कुशल संचालन राकेश सुराणा एवं लक्ष्मीपत बैद ने किया ।अंत मे आभार ज्ञापन मंत्री हेमंत संचेती ने किया।

बच्चों के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद द्वारा अनाथ बच्चों के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। आश्रय बालतेजस्सू रेनबो होम में 70 अनाथ बच्चों का नेत्र परीक्षण किया गया।शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उक्त सेवा कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष शीतल जैन के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। साईं धनीशिता आई क्लिनिक एंड ऑप्टिकल के विशेषज्ञ डॉ. वरुण संदेश, डॉ. भानु प्रसाद और डॉ. नितिन राव द्वारा बच्चों की आंखों की जांच की गई। जांच के दौरान जरूरतमंद बच्चों को चश्मे, दवाइयां व आई ड्रॉप्स भी वितरित किए गए।इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में शाखा की सक्रिय सदस्यों - चंदा मोदी, मेघा सिंघी, रिया सिंघी, मीना दुग्गड़, सोनल जैन, आशा डाफरिया, मोना सोनी, सरोज जैन एवं खुशी कोठारी - का विशेष योगदान रहा। निवर्तमान रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 26^{0}
न्यूनतम : 24^{0}

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,270/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,09,385/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 83,409.69
-287.60 -0.34% ↓
एनएसई :25,453.40
-88.40 (-0.35%) ↓

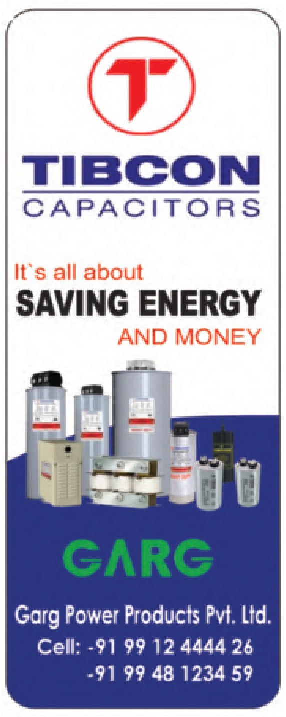

डॉक्टर्स-डे पर अग्रवाल समाज द्वारा डॉ विपिन गोयल का सम्मान

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्टार हॉस्पिटल नानकरामगुड़ा पर नेशनल डाक्टर डे (राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस) पर हैदराबाद के प्रतिष्ठित आँकोलॉजिस्ट एवं रोबोटिक सर्जन डॉ. विपिन गोयल का अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा सम्मान किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के सदस्य एडवोकेट सुरेश ने बताया कि अग्रवाल समाज के नव निर्वाचित उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल द्वारा डॉक्टर विपिन गोयल को शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। केन्द्रीय समिति सदस्य एडवोकेट् सुरेश अग्रवाल ने गुलदस्ता देकर व संतोष टाटिया द्वारा अग्रवाल समाज का दुपट्टा पहनाकर उनका सम्मान किया । इस अवसर पर ड़ा विपिन गोयल ने समाज के हित में कार्य करने का तथा आर्थिक रुप से कमजोर किसी भी अग्रवाल व्यक्ति का इलाज करने हेतु सहायता करने का आश्वासन दिया और कहा अग्रवाल समाज के प्रति मेरी प्रतिबध्दता सदैव बनी रहेगी।डॉ. विपिन गोयल ने नवनिर्वाचित अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल का शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर उन्हें सम्मानित किया। अस्पताल के अधिकारियों ने जलपान देकर धन्यवाद ज्ञापन दिया।

तेलंगाना प्रदेश भारतीय जन्ता पार्टी अध्यक्ष चुने जाने पर एम. रामचंदर राव का अभिनंदन करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल। साथ में हैं स्वामी कमलेश महाराज, तरूण महेता, सतीश जाजु, आर. के. जैन, महेन्द्र सिंघी, नित्या पारीक, डॉ. समता एवं अन्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No.JC 731968Y Sub Mulla Mubarak Allabaksha of Aoc records, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed RATAN to RATANBI ALLABAKSH MULLA and also my father name is changed from ALLABAKSHA BADSHAH MULLA to ALLABAKSH BADSHAH MULLA

CHANGE OF NAME

I, No.JC 731968Y Sub Mulla Mubarak Allabaksha of Aoc records, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my brother name is changed SALIM to MULLA SALIM ALLABAKSHA and my another brother name is also changed from LIYAKAT to LIYAKAT ALLABAKSH MULLA

CHANGE OF NAME

I, No.JC 731968Y Sub Mulla Mubarak Allabaksha of Aoc records, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my daughter name is changed TAHAJIB to TAHAZIB MULLA and my son name is changed from NAWAZ MUBARAK MULLA to NAWAZ MULLA

CHANGE OF NAME

I, GULNAJ MULLA is legally wedded spouse of Army No.JC 731968Y Sub Mulla Mubarak Allabaksha R/o.Vtc:B/563, Rajaswa Nagar, Near new Rto office, Post:Indira Nagar, Teh:South Solapur, Dist:Solapur , Maharashtra, 413004 have changed my name from GULNAJ MULLA to GULNAJ MUBARAK MULLA vide affidavit dt:02/07/2025 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, Gayati Devi is legally wedded spouse of 15484327F Rank Dfr. Name: Krishna Nand Rai R/O. Vill-Campone Bhilai, PO-Supela, Teh-Durg Dist-Durg (Chhattisgarh) have changed my name from GAYATI DEVI to GAYATRI RAI

CHANGE OF NAME

I, JOHN ANTONY father of Service No. 2623179P Sep MERWIN ANTONY, R/o.Kannittayil House, P.O:Karumady, T.K:Ambalappuzha, Dist:Alappuzha, Kerala-688561 have changed my name from ANTONY PJ to JOHN ANTONY vide affidavit dt:24-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, SUBBA LAXAMMA Mother of Service No. 2610332F Hav UMMADI VENKATESWARLU, R/o.4-2-213, SamalaLaxmi Nagar Colony, Near MB Darga, Vill:Kowkoor, PO:Bolarum, Teh:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, Telangana-500010 have changed my name from SUBBA LAXAMMA to UMMADI SUBBA LAKSHMAMMA vide affidavit dt:02-07-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 2610332F Hav UMMADI VENKATESWARLU, R/o.4-2-213, SamalaLaxmi Nagar Colony, Near MB Darga, Vill:Kowkoor, PO:Bolarum, Teh:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, Telangana-500010 hereby declare that my daughter name is to be changed from U CHANDANA to UMMADI CHANDANA vide affidavit:02-07-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No.15326179F Hav M KOLAPPAN, R/o. Vill and PO:Thuckalay, Teh:Kalkulam, Dist:Kanyakumari, Tamilnadu-629175 hereby declare that my daughter name is to be changed from KS MANISHKA to K S MANISHKA vide affidavit dt:02-07-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No-14685747F, Rank-NK, Name-Balwan Singh Residing at Vill-Kalal Kotra, PO-Chainpura Chhota, Distt-Churu PIN-331023, State-Rajasthan. I have changed my Daughter name from PRATIBHA to PARTIBHA Affidavit dated 01 Jul 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, KRISHNA KHEDAR is legally wedded Spouse of Service No-14661332N, Rank-HAV , Name-Rohitashw Kumar Regsiding at Vill-Khedro Ki Dhani,PO-Gudha Gorji,Teh-Udaipurwati,Distt-Jhunjhunu,PIN-333022,State-Rajasthan. I have changed my name from KRISHNA KHEDAR to KRISHNA and also date of birth changed from 15/06/1986 to 15/07/1985 Affidavit dated 27 Jun 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SUMAN RAJENDRA GUPCHE is legally wedded Spouse of Service No-JC-783618F, Rank-NB SUB, Name-Gupche Rajendra Murari Residing at Vill&PO-Shedshal,Teh,Shirol, Distt-Kolhapur,PIN-416105,State-Maharashtra. I have changed my name from SUMAN RAJENDRA GUPCHE to SUMAN RAJENDRA GUPACHE and also date of birth changed from 01/06/1990 to 01/06/1991 Affidavit dated 27 Jun 2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-JC-783618F, Rank-NB SUB , Name-Gupche Rajendra Murari Residing at Vill&PO-,Shedshal,Teh-Shirol,Distt-Kolhapur,PIN-416105, State-Maharashtra. I have changed my Father name from GUPCHE MURARI SATYAPPA to MURARI SATYAPPA GUPCHE and also date of birth changed from 01/07/1954 to 01/01/1952 Affidavit dated 27 Jun 2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-JC-783618F, Rank-NB SUB , Name-Gupche Rajendra Murari Regsiding at Vill&PO-Shedshal,Teh-Shirol Distt-Kolhapur,PIN-416105, State-Maharashtra. I have changed my Mother name from GUPCHE SONABAI MURARI to SONABAI MURARI GUPACHE and also date of birth changed from 01/07/1960 to 01/01/1961 Affidavit dated 27 Jun 2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

इंदिराम्मा आवासों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए : दीपक तिवारी

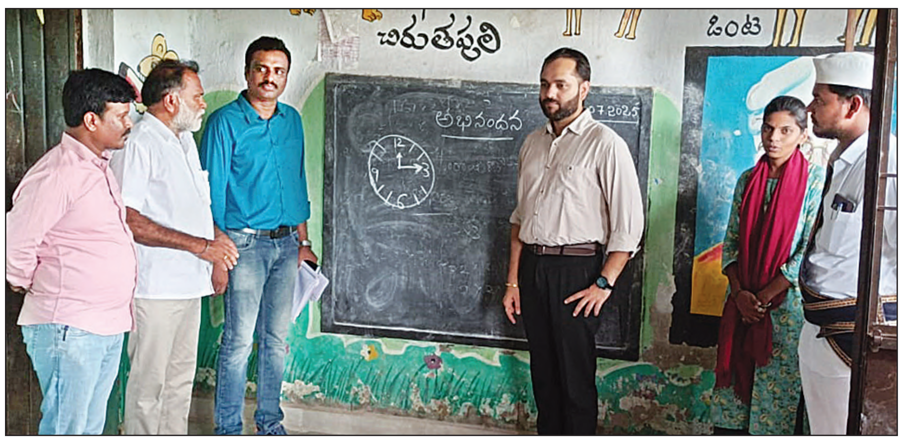

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने कहा कि सरकार द्वारा इंदिराम्मा आवास योजना के तहत पात्र गरीबों को दिए जा रहे इंदिराम्मा आवासों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने जिले के केरामेरी मंडल केंद्र में मंडल परिषद विकास अधिकारी के कार्यालय का दौरा किया और मंडल में इंदिराम्मा आवासों के निर्माण की स्थिति का विवरण जाना। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि मंडल में समस्याग्रस्त इंदिराम्मा आवास निर्माणों का निरीक्षण किया जाना चाहिए और उन्हें कम करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को जागरूक किया जाना चाहिए ताकि सरकारी नियमों के अनुसार आवास का निर्माण किया जा सके और बेसमेंट स्तर तक पूर्ण किए गए निर्माण से संबंधित बिलों का भुगतान करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने मंडल केंद्र में सरकारी जूनियर कॉलेज का दौरा किया और कॉलेज में उपलब्ध बुनियादी ढांचे, पेयजल और परिवेश का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बिना किसी असुविधा के सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए तथा प्रयो-गशालाओं और उपकरणों की सहायता से व्यावहारिक तरीके से शिक्षा दी जानी चाहिए। मंडल के हट्टी गांव में आश्रम स्कूल में वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की गई और पौधे रोपे गए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी सभी को लेनी चाहिए और विभागों द्वारा पौधे लगाने के लिए आवंटित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समन्वय में काम करना चाहिए। मंडल के झारी में मंडल परिषद प्राथमिक और उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों को दिए जाने वाले मिड-डे मील मेन्यू और खाना पकाने के बर्तनों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि नए मेन्यू के अनुसार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कक्षा में विद्यार्थियों को पढ़ाया। उन्होंने मंडल के रिंगणघाट और कोठारी ग्राम पंचायतों में चल रहे इंदिराम्मा घरों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी काम की निगरानी करें ताकि मानसून आने से पहले इसे पूरा किया जा सके। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

कोंडापल्ली ग्राम हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
पुलिस ने आज पत्नी और पति के भाई (पोट्टे राजन्ना) को गिरफ्तार किया, जिन्होंने कोंडापल्ली गांव में डीकोंडा श्रीधर नामक व्यक्ति की उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध होने के संदेह में बेरहमी से हत्या कर दी थी।

करीब 9 साल पहले, आरोपी पोट्टे राजन्ना की शादी राजिता से हुई थी और उनके दो बेटे थे। उसी गांव के डीकोंडा श्रीधर नामक व्यक्ति का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध था और वह उसे इस अवैध संबंध को जारी रखने के बारे में परेशान कर रहा था। उसने धमकी दी कि अगर उसने अवैध संबंध जारी नहीं रखा तो वह सबको बता देगा और उसे अपमानित करेगा। लेकिन, इस संदेह पर कि वह हमें कभी भी अपमानित कर सकता है, दिनांक 30.06.2025 को रात्रि करीब 09:00 बजे पोट्टे राजन्ना, उसकी पत्नी पोट्टे राजिता और राजन्ना के अपने भाई पोट्टे लच्छन्ना ने राजिता के साथ मिलकर योजना के अनुसार मृतका को उस स्थान पर बुलाया जहां वे अक्सर मिलते थे, यानी उसके पिता के घर के पिछवाड़े में, और तीनों ने मिलकर कुल्हाड़ी और चाकुओं से उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। आज पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार तीनों आरोपियों को पेंचिकल पेट्रोल पंप के पास से पकड़कर गिरफ्तार कर लिया गया।

मॉडल पाठशाला में साईबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मदनूर, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
मदनूर मंडल पुलिस उप निरक्षक कोंडा विजय ने बुधवार के दिन एक प्रेस मिट में बताए की मदनूर मंडल मेनुर गांव में आदर्श मॉडल पाठशाला में छात्रों को माननीय कामारेड्डी जिला पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेश नुसार साइबर जागरूकता, शी टीम और 06 कामारेड्डी पुलिस कला टीम द्वारा जागरूकता की गई। उन्होंने आगे बताए कि आज कल सोशल मीडिया, या फोन लिन द्वारा सायबर अपराधी द्वारा आप फसाया ज्या रहा है आप इस सोशल मीडिया ,फोन द्वारा आने वाले संमाचार पर अपना दिल केंद्रित न करे आप को सायबर क्राइम व्यक्ति द्वारा लालच दिखने की कोशिश कर रहे है आप अजनबी फोन नंबर पर बात न करे अगर कोही बार बार फोन कर के तकलीफ देता हो तो तुरंत इस की नजदी की पॉलिस्टेशन अधिकारियों से संपर्क करे इस कार्य क्रम में एसआई विजय, एच सी तिरुपति, पी सी प्रवीण, शे-षराव, साईबाबा, परशुराम, रामगौड़ और स्कूल स्टाफ उपस्थित थे।

उर्वरक और बीज ऊंचे दामों पर बेचे तो सख्त कार्रवाई होगी : वेंकटेश धोत्रे

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि किसानों को ऊंचे दामों पर खाद और बीज बेचे जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को उन्होंने जिले के वानकीडी मंडल केंद्र में रॉयल ट्रेडर फर्टिलाइजर दुकान का औचक निरीक्षण किया और स्टॉक रजिस्टर और भंडार का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में किसानों की खेती के लिए आवश्यक खाद और बीज ऊंचे दामों पर बेचे जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दुकान के सामने मूल्य सूची और स्टॉक सूची प्रदर्शित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यूरिया, डी.ए.पी. और अन्य दवाइयों को ऊंचे दामों पर बेचे जाने, अन्य माध्यमों से परिवहन किए जाने या यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा किए जाने की शिकायत मिलती है, तो मामले दर्ज किए जाएंगे और कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वे मंडल की प्रत्येक खाद दुकान का निरीक्षण करें, प्रतिदिन स्टॉक का ब्यौरा प्रस्तुत करें तथा किसानों को बिना किसी परेशानी के कार्रवाई करें। बाद में मंडल केंद्र स्थित सरकारी जूनियर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित वन महोत्सव-2025 कार्यक्रम के तहत अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे रोपे। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें दिए गए लक्ष्य को पूरा करें तथा पौधे रोपें और उनकी सुरक्षा करें। उन्होंने कहा कि चूंकि बारिश बहुत होती है, इसलिए पौधे लगाने के लिए उपयुक्त वातावरण है, इसलिए बड़े पैमाने पर पौधे रोपें और उनकी सुरक्षा करें। उन्होंने कहा कि फल और कंद जैसे पौधे रोपें। इस कार्यक्रम में तहसीलदार कविता, कृषि विभाग अधिकारी, कॉलेज अंतिम प्राचार्य, संकाय, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल हुए।

नगर निगम आयुक्त रविन्द्र ने सफाई कार्यों का निरीक्षण किया

जगतियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
जगतियाल जिले कोरतला आयुक्त ने सरकार द्वारा शुरू की गई 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत आयुक्त रविन्द्र ने आज कस्बे के कई वार्डों में सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों को एक बार फेंके जाने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियों से सावधान रहें। नहरों में जमा कूड़ा-कचरा जेसीबी से हटाया गया। कॉलोनियों में सड़कों के किनारे उगी कंटीली झाड़ियों और जंगली पौधों को कर्मचारियों ने हटाकर साफ किया।

सड़कों पर इधर-उधर खड़े पानी को हटाकर भवनों के कूड़े से ढक दिया गया। साथ ही कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न किया जाए।इस कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त रविन्द्र, सफाई निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद, अशोक, जवान और वार्ड अधिकारी शामिल हुए।

बेल्लमपल्ली में प्रदूषण का बोलबाला

बेल्लमपल्ली, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
बेल्लमपल्ली नगर निगम में कूड़ा संग्रहण अव्यवस्थित हो गया है। वार्डों में सप्ताह में एक बार कूड़ा उठाने के लिए ऑटो ट्रॉली आती है, लेकिन घरों व गलियों में कूड़ा जमा हो रहा है। नगर निगम में 34 वार्ड हैं, जिनकी जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 56,396 है। कूड़ा संग्रहण के लिए पर्याप्त ऑटो ट्रॉली नहीं हैं। पूर्व में खरीदी गई 23 ऑटो ट्रॉली में से वर्तमान में मात्र 12 ही उपयोग में हैं। शेष 11 खराब होकर बेकार हो गई हैं। ऑटो ट्रॉली की कमी के का कूड़ा संग्रहण में दिक्कत आ रही है। संबंधित कॉलोनियों के लोगों का कहना है कि कुछ वार्डों में सप्ताह में दो बार तो अन्य में सप्ताह में एक बार ऑटो ट्रॉली है। गीला व सूखा कूड़ा अब अलग नहीं किया जाता है। गीला व सूखा कूड़ा अलग करने के लिए हर घर में प्लास्टिक के डिब्बे दिए जाने के बावजूद लोग दोनों को एक साथ फेंक रहे हैं दूसरी श्रेणी की नगर पालिका होने के बावजूद अभी तक कोई डंपयार्ड नहीं बनाया गया है। एकत्र किया गया कचरा श्मशान घाटों और झुग्गी-झोपड़ियों के बाहरी इलाकों में फेंका जा रहा है।

15 साल बाद खुला सरकारी स्कूलअधिकारियों ने आज दांडेपल्ली मंडल के कोठा ममीडिपल्ली में सरकारी भवन को फिर से खोल दिया, जो 15 साल पहले बंद हो गया था। ग्रामीणों ने अधिकारियों से एकजुट होकर स्कूल खोलने का आग्रह किया।बुधवार को एमईओ चिन्नैया, एसआई तहसीनुद्दीन, पूर्व जेडपीटीसी नागरानी और पूर्व सरपंच राजैया ने ग्रामीणों की मौजूदगी में स्कूल का उद्घाटन किया। अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएं और उन्हें शिक्षा दिलाएं।

राज्य के नेता जुव्वाडी कृष्ण राव ने कोरुटला शहर के हाजीपुर द्वितीय वार्ड का दौरा किया

जगतियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
एएमसी निदेशक अब्दुल वासीद ने कांग्रेस पार्टी के वार्ड प्रभारी मुब्बिद मुज्जू से 100 चक्कर लगाने को कहा। बाद में उन्होंने कहा कि हाजीपुर द्वितीय वार्ड में जब भी भारी बारिश होती है, तो सड़कें गड्ढे बन जाती हैं और पानी जमा हो जाता है, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि कुछ महत्वपूर्ण सड़कें गड्ढे बन गई हैं। यह सड़क, जो एक निजी स्कूल और नगर निगम की लेबर कॉलोनी और बीसी कॉलोनियों की ओर जाती है, बारिश से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। लोगों को उस सड़क पर चलने में परे-शानी हो रही है। , उन्होंने किसी भी परेशानी से बचने के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करने को कहा। जब जुव्वादी कृष्ण राव ने इसे उनके ध्यान में लाया, तो उन्होंने तुरंत नगर आयुक्त से बात की और उन्हें 100 चक्कर लगाकर समस्या का समाधान करने को कहा। इस कार्यक्रम में एएमसी निदेशक अयूब, स्टार फंक्शन हॉल डेस्क टाइपिस्ट मसूद भाई, वाजिद, नईम सोहेल, जुबैर शाह, मजीद और अन्य ने भाग लिया। और वार्ड के उन्नति के लिए कोशिश की गयी है।

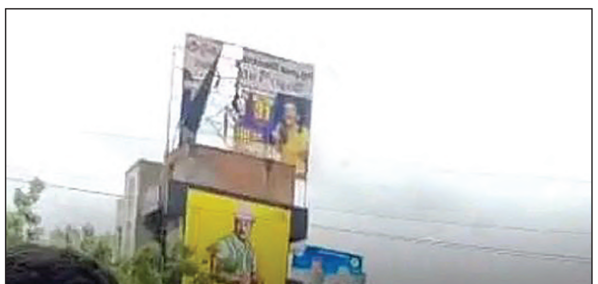

पीडीएसयू के तत्वावधान में विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार से फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग को लेकर बुधवार को पीडीएसयू के तत्वावधान में मंचेरियल में कॉलेजों का बंद आयोजित किया गया।बाद में उन्होंने अंबेडकर चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। पीडीएसयू के राज्य उपाध्यक्ष श्रीकांत ने कहा कि छात्रों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि 7,200 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति तीन वर्षों से लंबित है।

संयुक्त कलेक्टर ने इंदिरम्मा मॉडल भवन का निरीक्षण किया

डोंगली, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानिक तहसीलदार ने बुधवार के दिन एक प्रेस मिट में बताए की कामारेड्डी जिले के संयुक्त कलेक्टर ने बुधवार के दिन डोंगली तहसीलदार कार्यालय का दौरा किया।

इस दौरे के बाद उन्होंने भू भारती राजस्व सम्मेलनों में प्राप्त आवेदनों की जांच पड़ताल की गई। तथा इंदिराम्मा मॉडल हाउस का भी निरीक्षण किया गया।

इस समय तहसीलदार प्रवीण कुमार उप तहसीदार आर आय साई बाबा के साथ डोंगली तहसील कार्यालय के स्टाफ ने उपस्थित थे।

अवैध शराब नष्ट की गई

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विश्वसनीय सूचना के आधार पर, तेलंगाना में एमएलसी चुनाव और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान गुडेम गांव के बाहरी इलाके में संग्रहीत शराब जब्त की गई। जब्त की गई इस अवैध शराब को आदिलाबाद जिला आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार सीआर.सं.बी2/85/डीसीए/2025 के अनुसार जिला एसपी कांतिलाल पाटिल के नेतृत्व में जिला आबकारी अधीक्षक और राजस्व पंच और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में वीडियो रिकॉर्डिंग करके 21 लाख, 50 हजार 890 रुपये की शराब को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। उसके बाद, पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न निर्देश दिए गए। उन्होंने सलाह दी कि पुलिस स्टेशन के आसपास हर समय सफाई रखी जानी चाहिए और विभिन्न समस्याओं को लेकर पुलिस स्टेशन आने वाले पीड़ितों को जिम्मेदारी से न्याय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वाले आचरण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके बाद उन्होंने थाना क्षेत्र में दर्ज कई मामलों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के त्वरित समाधान के लिए सभी को काम करना चाहिए।

अधिकारी की लापरवाही के कारण ग्राम पंचायत की संपति निजी व्यक्ति के पास!

मदनूर, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल धनुर गांव की जनता स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव पर लापरवाही का आरोप लगा ते हुए बता रहे है कि सचिव ने ग्राम पंचायत की संपति वॉटर टैंक, मिशन भगीरता पाईप गांव के जनता को निजी काम काज के लिए दे रहे है अगर अचानक वाटर टैंक व मिशन भगीरता पाईप की गांव में जरूरत पड़ने पर हम क्या करे सचिव की लापरवाही के कारण ही ग्राम पंचायत के वाटर टैंक, मिशन भगीरता पाईप स्थानिक जनता निजी।

10वीं पास करने वाला प्रत्येक छात्र इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी करना सुनिश्चित करे अधिकारी : रेवंत

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र में शिक्षा विभाग की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए कि कक्षा 10वीं पास करने वाला प्रत्येक छात्र अनिवार्य रूप से इंटरमीडिएट (कक्षा 11 और 12) की शिक्षा पूरी करे।

मुख्यमंत्री ने कक्षा 10वीं से इंटरमीडिएट तक छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट पर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को इस तीव्र गिरावट के पीछे के कारणों का अध्ययन करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस अंतर को पाटने और छात्रों की शैक्षणिक यात्रा में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक उपाय करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अधिकारियों ने सीएम को बताया कि कई राज्यों ने कक्षा 9 से 12 तक संरचित हस्तक्षेप लागू किया है, जिससे ड्रॉपआउट दर में उल्लेखनीय कमी आई है। रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया कि अन्य राज्यों में भी इसी तरह की प्रथाओं का गहन अध्ययन किया जाए और एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

उन्होंने अधिक समावेशी और प्रभावी नीति तैयार करने के लिए राज्य शिक्षा आयोग, इस क्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज संगठनों से भी सुझाव मांगे।मुख्यमंत्री ने युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालयों के मॉडल डिजाइन की समीक्षा की और निर्देश दिया कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक बालक और एक बालिका आवासीय विद्यालय स्थापित किया जाए। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक विद्यालय के लिए भूमि अधिग्रहण का काम पहले ही पूरा हो चुका है, और मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से दूसरे विद्यालय के लिए भूमि की पहचान और अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

उन्होंने स्कूल निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया और निर्देश दिया कि साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट उन्हें प्रस्तुत की जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रस्ताव दिया कि प्रेरणा के प्रतीक के रूप में प्रत्येक स्कूल के परिसर में एक बड़ा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया जाए।

सीएम रेवंत रेड्डी ने छात्र जीवन में इंटरमीडिएट शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया और न केवल नामांकन पर बल्कि नियमित उपस्थिति पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इंटरमीडिएट शिक्षा सुधारों पर विधानसभा में भी चर्चा की जा सकती है ताकि इसके महत्व को रेखांकित किया जा सके।मुख्यमंत्री ने आगामी वीरनारी चकली इलममा महिला विश्वविद्यालय के मॉडल डिजाइन की भी समीक्षा की और कुछ सुधार सुझाए। उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी देरी के निर्माण शुरू करने के लिए निविदा प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, राज्य सरकार के सलाहकार केशव राव, उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष और शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

तेलंगाना सरकार का यह कदम स्कूल छोड़ने की दर को कम करने और राज्य भर में छात्रों की शैक्षणिक और विकासात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में इंटरमीडिएट शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. नागेश्वर रेड्डी भारत रत्न के हकदार हैं: मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 2 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. नागेश्वर रेड्डी देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न के हकदार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. रेड्डी ने तेलंगाना का नाम रोशन किया है।यहां बंजारा हिल्स में एआईजी अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह प्रसिद्ध डॉक्टर की सेवाओं को मान्यता देने और उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करने के लिए केंद्र से बात करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध अस्पताल में मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों का दौरा दुनिया भर में तेलंगाना में चिकित्सा देखभाल की प्रगति को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी अस्पतालों को निजी कॉर्पोरेट अस्पतालों से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए और डॉक्टरों को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में कम से कम एक महीने सरकारी अस्पतालों में सेवा देनी चाहिए।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने में सरकार के साथ साझेदारी करने के लिए डॉ. रेड्डी से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि एआईजी अस्पताल में 66 देशों के मरीज इलाज के लिए आते हैं।

14 जुलाई को वितरित किए जाएंगे नए राशन कार्ड: उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार, 2 जुलाई को कहा कि राज्य सरकार 14 जुलाई से तुंगतुर्थी निर्वाचन क्षेत्र के तिरुमलागिरी में नए राशन कार्ड वितरित करना शुरू करेगी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क करेंगे। नलगोंडा जिला कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कलेक्टरों को 13 जुलाई तक सभी पात्र आवेदनों का सत्यापन पूरा करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी योग्य परिवार छूट न जाए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना में नए राशन कार्ड के लिए लाभार्थी चयन प्रक्रिया पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार का

ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के राशन कार्ड मिले। मंत्री ने कहा कि सख्त निगरानी बनाए रखने के लिए अब महीने में दो बार समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी।

उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना की प्रमुख मुफ़्त बढ़िया चावल योजना के तहत हर महीने लगभग 3.10 करोड़ लोगों को छह किलो चावल प्रति व्यक्ति दिया जाता है, जो कि उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से लगभग 84% आबादी है, जिसकी लागत सालाना 13,000 करोड़ से अधिक है।

उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, जून, जुलाई और अगस्त में, राज्य ने निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक बार में तीन महीने का राशन प्रदान किया, जिसमें प्रति व्यक्ति 18 किलो, अंत्योदय परिवार को 105 किलो और अन्नपूर्णा परिवार को 30 किलो वितरित किया गया।

उन्होंने तेलंगाना में खाद्य सुरक्षा और राशन कार्ड नामांकन की अनदेखी करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की तीखी आलोचना की। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, 2014 में तेलंगाना के गठन के समय, 89.73 लाख सफेद राशन कार्ड थे, लेकिन बीआरएस ने केवल 49,000 नए कार्ड जोड़े, ज्यादातर उपचुनावों के दौरान, लाखों परिवारों की अनदेखी करते हुए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को लाखों नए आवेदन प्राप्त हुए हैं और वह उन्हें मिशन-संचालित तरीके से संबोधित कर रही है।

कई विधायकों ने इस अवसर पर लंबित मुद्दों को उठाया, जिनमें नहरों की मरम्मत और रखरखाव, भूमि अधिग्रहण की समस्याएं, पुनर्वास के लिए धन, तथा सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए आवेदन पुनः शुरू करने की आवश्यकता शामिल थी।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को बधाई देकर अभिनंदन करते हुए शंशिकांत अग्रवाल, विकास कुमार, रवींद्र गुप्ता, प्रमिला गुप्ता, हिरेन अग्रवाल, सक्रिता गुप्ता एवं रजत गुप्ता।

केटीआर ने कांग्रेस पर हैदराबाद फार्मा सिटी के भूमि विस्थापितों के भूखंड हड़पने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने कांग्रेस नेताओं पर रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम और इब्राहिमपट्टनम निर्वाचन क्षेत्रों में किसानों को आवंटित आवासीय भूखंडों को जबरन पंजीकृत करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ये भूखंड फार्मा सिटी के लिए जमीन देने वालों के पुनर्वास पैकेज का हिस्सा थे। बुधवार, 2 जुलाई को मीडिया को दिए गए एक बयान में केटीआर ने कहा कि फार्मा सिटी परियोजना के लिए तत्कालीन बीआरएस सरकार ने 19,400 एकड़ जमीन अधिग्रहित की थी। किसानों को पट्टे वाली जमीन के लिए 16.5 लाख रुपये प्रति एकड़ और आवंटित जमीन के लिए 8.5 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया। पुनर्वास पैकेज के हिस्से के रूप में, सरकार ने भूमि

विस्थापितों को आवासीय भूखंड वितरित करने के लिए कंडुकुर मंडल के मीर खानपेट में 1,400 एकड़ जमीन आवंटित की थी। 560 एकड़ में एक लेआउट विकसित किया गया था, जिसमें प्रत्येक भूखंड का माप 121 वर्ग गज था।उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस फार्मा सिटी को रद्द करने और किसानों को उनकी जमीन वापस करने का वादा करके सत्ता में आई थी, लेकिन पार्टी इस आश्वासन को पूरा करने में विफल रही। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने लाभार्थियों का शोषण करने के लिए पिछले 18 महीनों से जानबूझकर इन भूखंडों को सौंपने से मना कर रखा है।

सम्मक्का-सरलम्मा जतारा 28 से 31 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुलुगु जिले के तडवई मंडल के मेदाराम गांव में कोया जनजातियों द्वारा मनाया जाने वाला द्विवार्षिक सम्मक्का-सरलम्मा जतारा 28 से 31 जनवरी, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, मंदिर के पुजारियों ने घोषणा की। यह त्यौहार जनजातीय देवताओं सम्मक्का और सरलम्मा (माँ और बेटी) के सम्मान में मनाया जाता है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने काकतीय शासकों के खिलाफ साहसपूर्वक लड़ाई लड़ी थी। पुजारियों ने बताया कि 28 जनवरी को सरलम्मा, उनके पति गोविंदराजू और सम्मक्का के पति पगीदिद्दाराजू को मेदाराम के मंच पर लाया जाएगा, जहां उनकी पूजा-अर्चना की जाएगी।

29 जनवरी को सम्मक्का को मेदारम की पहाड़ी चिलकालागुट्टा से मंच पर लाया जाएगा। 30 जनवरी को बड़ी संख्या में आने वाले भक्त देवताओं को गुड़ का भोग लगाएंगे और 31 जनवरी की शाम को देवताओं को वापस वहीं ले जाया जाएगा जहां से उन्हें लाया गया था। कुंभ मेले के बाद, सम्मक्का-सरलम्मा जातरा को भारत में श्रद्धालुओं (जनजातियों और गैर-जनजातियों) का सबसे बड़ा समागम माना जाता है, जिसमें दक्षिण और मध्य भारत के विभिन्न राज्यों से लोग प्रार्थना करने आते हैं।

30 साल बाद आंध्र प्रदेश से पकड़े गए दो आतंकी

आडवाणी को मारने की रची थी साजिश

अन्नमय्या (आंध्र), 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के वरिष्ठतम नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को बम से उड़ाने की कोशिश करने वाले आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। तमिलनाडु पुलिस ने आतंकी अबू बकर सिद्दीकी और मोहम्मद अली को खुफिया इनपुट के बाद आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले से पकड़ा है।

पुलिस ने बताया कि दोनों आतंकी पिछले 30 साल से फरार चल रहे थे। इन पर तमिलनाडु में कई बड़े बम धमाकों का आरोप है। इनमें अबुबकर सिद्दीकी पर 5 लाख का इनाम भी घोषित था। गिरफ्तारी के बाद दोनों आतंकी को चेन्नई की क्यू ब्रांच (एटीएस) को सौंप दिया गया है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। दोनों आतंकी कई मामलों में वांछित थे। इनमें 1995 में हिंदू मुन्नामी के कार्यालय में बम विस्फोट, नागोर में हिंदू कार्यकर्ता टी. मुथुकृष्णन के आवास पर पार्सल बम हमला, 2011 में मदुरई में लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के रास्ते पर पाइप बम लगाना, 2013 में बेंगलुरु भाजपा कार्यालय में धमाका और चेन्नई पुलिस कमिश्नर ऑफिस और कोयंबटूर पुलिस क्वार्टर में धमाके शामिल हैं।

तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करता है बोनालू उत्सव : बंडारू दत्तात्रेय

लाल दरवाजा बोनालू उत्सव का नई दिल्ली में हुआ भव्य समापन

नई दिल्ली/हैदराबाद, 2 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में सिंहवाहिनी श्री महाकाली देवस्थानम, लाल दरवाजा, हैदराबाद द्वारा आयोजित 11वें वार्षिक बोनालू महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने उत्सव में सराहनीय कार्य करने वालों को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सिंहवाहिनी श्री महाकाली देवालयम, लाल दरवाजा, हैदराबाद को इस आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी और कहा कि भविष्य में इसी प्रकार देश की राजधानी दिल्ली में बोनालु महोत्सव मनाया जाता रहे ताकि दिल्ली और उत्तर भारत में रहने वाले तेलंगाना के लोग हमेशा अपनी संस्कृति के जुड़े रहे। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वार्षिक बोनालू महोत्सव नई दिल्ली में मनाया जा रहा है, जो तेलंगाना राज्य की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करता है।

हरियाणा के राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना राज्य में मनाए जाने वाले इस त्यौहार में माँ काली की आराधना की जाती है। बोनालू महोत्सव का आयोजन हिंदी पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास में किया जाता है। इस महोत्सव के पहले और अंतिम दिन माता येल्लम्मा की विशेष पूजा अर्चना करने की परंपरा है।

उन्होंने कहा कि बोनालू उत्सव तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। जो देश की राजधानी में रह रहे सभी तेलगू भाषी लोगों को जोड़े रखने का एक बेहतरीन उदाहरण है। बोनालू महोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालु माँ काली को पारंपरिक रूप से तैयार चावल, दूध और गुड़ से बने व्यंजन अर्पित करते हैं। साथ ही माँ काली से बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि और ख़ुशहाली की कामना करते हैं। इस महोत्सव के दौरान भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत और ढोल नगाड़ों के साथ महिलायें पारंपरिक पोशाक में मिट्टी या पीतल के बर्तन को सिर पर कलष के रूप में उठाकर माता का आशीर्वाद लेती है।

राज्यपाल ने कहा कि बोनालू उत्सव का आरंभ माता काली को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिये किया जाता है जिसने माता काली से सभी आम जन को भीषण महामारियों से सुरक्षा मिल सके। राज्यपाल ने देवी महाकाली को बंगारू बोनम (स्वर्ण बोनम) अर्पित किया और राष्ट्रीय राजधानी में राज्य की अनूठी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना सरकार की सराहना की। राज्यपाल श्री दत्त-त्रेय का पारंपरिक दप्पु धुनों और तेलंगाना लोक कला प्रदर्शनों के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करने के लिए बोनालू और बातुकम्मा जैसे त्यौहारों की सराहना की। समारोह के अनुष्ठानों में बंगारू बोनम, पोथुराजु स्वागत और पारंपरिक पूजा शामिल रहे, जिसके बाद शाम को अंबेडकर ऑडिटोरियम में एक शानदार सांस्कृतिक ग्रैंड फिनाले हुआ।

॥ विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ॥

एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण

कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)

मंगला शासन

ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-

अष्ट बैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।

ऑनलाइन संकल्प एक दिवसीय सहयोगी : एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/-

अप्रत्यक्ष पूज्य वैकुंठवासी श्री अनंत विभूषित श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से

03-07-2025

अतिविशिष्ट यजमान : श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल

विशिष्ट यजमान : तिरुमला वेंकटाचार्य कांति रेखा

तपोभूमि अष्ट बैकुंठधाम श्री नैमिषारण्य धाम में करने का अवसर प्राप्त करें एवं संकल्प प्रति दिवस लिया जाएगा। जन्म दिवस एवं विवाह की वर्षगांठ के दिन बुक करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र संपर्क करें। ऑनलाइन वीडियो कॉल द्वारा संकल्प लिया जाएगा।

संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)

श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित :श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ गुरुकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ गौ सेवा संस्थान, श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर भैरमपुर रोड नैमिषारण्य, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप्स

वरिष्ठ मार्गदर्शक सहित : अमित अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, जगदीश प्रसाद लोया, वीणा काबरा, मेघराज अग्रवाल, चकिलम रामनया, हरि भाई चांडक, गोविंद राठी, कमल काकानी, बद्रीप्रसाद सारदा, गुलाबचंद देवड़ा, पुरषोतम लाहोटी, अरुण ज्योति, शोभा रानी, रूपेश काकड़ा, विष्णु कडेल, आलोक शुक्ला, विनोद बंग एवं जगन्नाथ मठ परिवार

9963910401 | 9440061537 | 9908222206

भारतीय स्टेट बैंक
SBI
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी-505215

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक, आरबीओ गोदावरीखानी के अंतर्गत **एसबीआई आरएफसीएल रामागुंडम शाखा (61777) के लिए वाणिज्यिक/कार्यालय** उपयोग के लिए पट्टे पर परिसर के लिए मालिकों/पावर ऑफ अटॉर्नी धारकों से एसबीआई की ओर से प्रस्ताव आमंत्रित है। परिसर में पर्याप्त बिजली लोड, पानी की आपूर्ति, पार्किंग स्थान, जनरेटर रखने के लिए स्थान, ई-लॉबी और वी-सैट, अच्छा फ्रंटेज सहित सभी सुविधाएं होनी चाहिए। पूरा स्थान एक ही मंजिल पर होना चाहिए, अधिमानतः ग्राउंड फ्लोर पर। परिसर कब्जे/कब्जा या प्लॉट के लिए तैयार होना चाहिए। तकनीकी बोली प्रस्तुत करने का प्रारूप जिसमें विस्तृत मापदंड, नियम व शर्तें और मूल्य बोली शामिल है, उसे एसबीआई की वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi से **एसबीआई इन द न्यूज के अंतर्गत प्रोक्योरमेंट न्यूज लिंक में 03/07/2025 से 24/07/2025** तक डाउनलोड किया जा सकता है और विधिवत भरकर प्रस्तुत किया जाना है। सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को वरीयता दी जाएगी। सभी प्रकार से पूर्ण सीलबंद लिफाफे में प्रस्ताव **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, आरबीओ-II गोदावरीखानी, तिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215 को 24/07/2025 को अपराह्न 3.00 बजे या उससे पहले** जमा किया जाना चाहिए। एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों पर विचार नहीं किया जाएगा।

हस्ता/-
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल, तिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली - 505215
ईमेल: agmr2.aoniz@sbi.co.in फ़ोन: +91 9951784387

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.